लद्दाख में भीषण झड़प के बाद कर्फ्यू 50 लोगों को हिरासत में लिया गया - 3

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- भारत अनिश्चितता में भी बना रहा जुझारू - 12

ट्रंप ने गुटेरस को लिखा पत्र... यूएन में मेरे खिलाफ हुई तिहरी साजिश जांच कराएं - 13

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट के लिए बुमराह भारतीय टीम में - 14

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

26.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.03

सूर्यास्त 06.04

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्थी उपरांत 09:33 पंचमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 26 सितंबर 2025, वर्ष 35, अंक 239, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

UP INTERNATIONAL TRADE SHOW 3rd Edition

- संस्करण : तीसरा
- स्थान : इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा
- अवधि : 25 से 29 सितम्बर
- प्रतिभागी देश : 80
- अंतर्राष्ट्रीय बायर्स : 550+
- प्रदर्शक : 2250 (75 जिलों से)
- हॉल संख्या : 14 प्रदर्शनी हॉल
- स्टॉल की संख्या : 2500+
- बिजनेस मीटिंग्स : 2000+
- विजिटर्स अनुमान : 5 लाख से अधिक
- मुख्य फोकस सेक्टर : डिफेंस, सेमीकंडक्टर, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, एग्री-फूड प्रोसेसिंग, ओडीओपी
- विशेष आकर्षण : ओडीओपी कैटलॉग, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट मॉडल, फिल्म सिटी व सेमीकंडक्टर पार्क मॉडल, हेरिटेज व क्रूज टूरिज्म
- जीआई उत्पाद स्टॉल : 60+
- उपलब्धियां प्रदर्शित : स्टार्टअप्स, महिला उद्यमिता, एमएसएमई, कृषि, हस्तशिल्प, आईटी इनोवेशन
- उम्मीद : निवेश प्रस्ताव, एक्सपोर्ट वृद्धि, लाखों रोजगार सृजन

(संबंधित खबरें कारोबार पेज पर)

भारत को किसी पर निर्भर रहना मंजूर नहीं : मोदी

प्रधानमंत्री ने किया यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन, कहा- उप्र निवेश और प्रगति का नया केंद्र

- निवेश की अपील, कहा- योगी गढ़ रहे नए आयाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत को अब दूसरे देशों पर निर्भर रहना मंजूर नहीं है। हमारा संकल्प है आत्मनिर्भर भारत। दूसरों पर निर्भर होने से ज्यादा विवशता हो ही नहीं सकती, इसलिए भारत को आत्मनिर्भर होना ही पडेगा। जो प्रोडक्ट हम भारत में बना सकते हैं, उसे अपने देश में ही बनाएंगे। बदलती हुई दुनिया में जो देश दूसरे देशों पर निर्भर रहेगा उसको विकास में उतना ही समझौता करना पड़ेगा।

मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब निवेश और प्रगति का नया केंद्र बन गया है। उन्होंने देश-दुनिया के निवेशकों से आह्वान किया कि यूपी में दिल खोलकर निवेश करें, क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिफेंस, सेमीकंडक्टर और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में यूपी की बढ़ती भूमिका इसे भारत का मैन्युफैक्चरिंग हब बना रही है। बताया कि देश में बनने वाले 55 प्रतिशत मोबाइल फोन यूपी से निर्मित होते हैं। जल्द ही यहां सेमीकंडक्टर फैसिलिटी भी शुरू होने वाली है, जो आत्मनिर्भर भारत के सपने को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी की कनेक्टिविटी, एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट निवेश के लिए इसे और आकर्षक बनाते हैं। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) ने स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दी है। विदेशी मेहमानों के लिए अब ओडीओपी कैटलॉग ही पर्याप्त है। कहा कि नमामि गंगे और ओडीओपी जैसी पहलें क्रूज व हेरिटेज टूरिज्म को भी नई उड़ान दे रही हैं। उद्यमियों से कहा कि स्वदेशी उत्पादों को गुणवत्ता और टिकाऊपन के साथ अपनाएं।

ट्रेड शो के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को फिरोजाबाद के शिल्पियों द्वारा बनाई गई मां दुर्गा की प्रतिमा भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

कांग्रेस ने मचाई थी टैक्स की लूट : पीएम

प्रधानमंत्री ने नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधार को आर्थिक बचत और ग्रोथ का नया अध्याय बताते हुए कहा कि वर्ष 2014 से पहले 1000 रुपये की शर्ट पर 170 रुपये टैक्स लगता था, जो अब 35 रुपये रह गया है। कई उदाहरण देते हुए मोदी ने कहा कि अब औसत परिवार की सालाना 25 हजार रुपये और देशभर में 2.5 लाख करोड़ की बचत होगी। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने टैक्स की लूट मचाई थी, जबकि उनकी सरकार ने महंगाई घटाई और आमदनी बढ़ाई।

अंत्योदय मॉडल ही समावेशी विकास की नींव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर अंत्योदय के सिद्धांत को याद किया, जो गरीब से गरीब तक विकास पहुंचाने का मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय में ही सामाजिक न्याय की मजबूती है और यही मॉडल भारत दुनिया को दे रहा है। फिनटेक क्रांति का उदाहरण देते हुए उन्होंने यूपीआई, आधार और डिजिलॉकर जैसे ओपन प्लेटफॉर्म्स का जिक्र किया, जो हर नागरिक चाहे मॉल में शॉपिंग करने वाला हो या सड़क पर चाय बेचने वाला सभी को समृद्धि का अवसर दे रहे हैं।

अंत्योदय को राष्ट्रोदय में बदलने का अवसर : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो केवल व्यापार का मंच नहीं, बल्कि अंत्योदय को राष्ट्रोदय में बदलने का विशिष्ट अवसर है। पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए योगी ने कहा कि यह आयोजन आत्मनिर्भर भारत के मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड विजन को साकार कर रहा है। यूपीआईटीएस-2025 में 80 देशों के साढ़े पांच सौ से अधिक बायर्स और प्रदेश के 75 जिलों से 2250 से अधिक एग्जीबिटर्स हिस्सा ले रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

सज्जन की दोषसिद्धि पर दिवाली बाद सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि वह 1984 के सिख-विरोधी दंगों के एक मामले में पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार की दोषसिद्धि और आजीवन कारावास के खिलाफ याचिका पर दिवाली की छुट्टियों के बाद सुनवाई करेगा। सर्वोच्च न्यायालय की दिवाली की छुट्टियां 20 अक्टूबर से शुरू होंगी। उसके बाद 27 अक्टूबर से शीर्ष अदालत में नियमित सुनवाई शुरू होगी। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई ने सुनवाई के दौरान संबद्ध पक्षकारों के वकीलों से आरोपों, गवाहों की गवाही और मामले में निचली अदालत तथा उच्च न्यायालय के निष्कर्षों के बारे में स्पष्ट जानकारी मांगी।

पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 12 अक्टूबर को

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा- 2025 इस बार 12 अक्टूबर को संपन्न कराई जाएगी। इससे पूर्व गुरुवार को प्रारंभिक परीक्षा की तैयारियों को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी जिलों के नोडल अधिकारी शामिल रहे। इस साल, पीसीएस-2025 के लिए कुल 6,26,387 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। आयोग ने हाल ही में अपनी भर्ती प्रक्रियाओं में कई बड़े बदलाव किए हैं। इन बदलावों में परीक्षा की हाई-टेक निगरानी और प्रश्नपत्र निर्माण प्रक्रिया में सुधार शामिल हैं।

वायुसेना को मिलेंगे उन्नत किस्म के 97 तेजस विमान

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को भारतीय वायुसेना के वास्ते 97 तेजस लड़ाकू विमान खरीदने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 62,370 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) द्वारा इस बड़ी खरीद को हरी झंडी दिए जाने के लगभग एक महीने बाद अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

एयरोस्पेस क्षेत्र की इस सरकारी दिग्गज कंपनी के साथ किया गया यह दूसरा ऐसा अनुबंध है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए जेट विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। मंत्रालय ने बताया कि भारतीय वायुसेना के लिए 62,370 करोड़ रुपये (करों को छोड़कर) की लागत से 97 तेजस हल्के लड़ाकू विमान एमके-1ए और संबंधित उपकरणों की खातिर एचएएल के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। स्वयं रक्षा कवच से लैस इन उन्नत जेट में 64 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी सामग्री और 67 नए स्वदेशी उपकरण होंगे। मंत्रालय ने बताया कि इन विमानों की आपूर्ति 2027-28 में शुरू होगी। एकल इंजन वाला एमके-1ए, भारतीय वायुसेना के मिग-21 लड़ाकू विमानों की जगह लेगा। वायुसेना इन लड़ाकू विमानों को शामिल करना चाहती है क्योंकि उसके लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या आधिकारिक तौर पर स्वीकृत 42 से घटकर 31 रह गई है।

- रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से किया 62 हजार करोड़ का करार

मिग-21 लड़ाकू विमान आज हो जाएंगे रिटायर

चंडीगढ़। छह दशकों से भी अधिक समय से भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की ताकत रहे प्रसिद्ध रूसी लड़ाकू विमान मिग-21 शुक्रवार को यहां आयोजित होने वाले एक समारोह में सेवामुक्त (रिटायर) हो जाएंगे। मिग-21 विमानों के संचालन का आधिकारिक समापन 26 सितंबर को चंडीगढ़ में एक औपचारिक फ्लाईपास्ट और विदाई समारोह के साथ होगा, जहां इस प्रतिष्ठित विमान को 60 साल पहले वायुसेना में शामिल किया गया था। यह भारत की वायुशक्ति में एक ऐतिहासिक अध्याय के समापन का प्रतीक होगा। पैंथर्स उपनाम वाले तेईसवें स्क्वाड्रन के अंतिम मिग-21 विमान को चंडीगढ़ वायुसेना स्टेशन पर आयोजित समारोह में विदाई दी जाएगी, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। एयर चीफ मार्शल एपी. सिंह शुक्रवार को विमान की अंतिम उड़ान में सवार होंगे।

सोनम वांगचुक के एनजीओ का विदेशी फंडिंग लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा स्थापित स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख का एफसीआरए लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। मंत्रालय की यह कार्रवाई संगठन के खातों में पाई गई विसंगतियों पर आधारित है, जिसमें स्वीडन से धन अंतरण भी शामिल था, जिसे मंत्रालय ने राष्ट्रीय हित के विरुद्ध पाया।

- लद्दाख में हिंसा के बाद केंद्र ने की कार्रवाई

यह घटनाक्रम लद्दाख को राज्य का दर्जा दिलाने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच लेह में झड़पों में चार लोगों की मौत के एक दिन बाद हुआ है। आदेश में कहा गया है कि वांगचुक के नेतृत्व वाले संगठन को सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रम चलाने के लिए विदेशी योगदान स्वीकार करने का लाइसेंस दिया गया था। वांगचुक ने हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख की भी स्थापना की थी, जो विदेशी अंशदान अधिनियम के उल्लंघन से संबंधित सीबीआई जांच का सामना कर रहा है।

यूपीपीएससी : प्रारंभिक परीक्षा की मेरिट विधि सम्मत करने के बाद हो मुख्य परीक्षा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्य परीक्षा स्थगित करने का दिया निर्देश

विधि संवाददाता,प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की विभिन्न पदों के लिए प्रस्तावित मुख्य परीक्षा को स्थगित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि मुख्य परीक्षा तभी आयोजित होगी, जब प्रारंभिक परीक्षा की मेरिट सूची को विधि सम्मत रूप से पुनः तैयार कर लिया जाएगा। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार की एकल पीठ ने रजत मौर्य और 41 अन्य की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए पारित किया। उपरोक्त याचिकाओं में आयोग द्वारा घोषित प्रारंभिक परीक्षा परिणाम को चुनौती दी गई थी। याचियों ने सहायक अभियंता, जिला बागवानी अधिकारी/खाद्य प्रसंस्करण अधिकारी तथा वरिष्ठ तकनीकी सहायक जैसे विभिन्न पदों के लिए आवेदन किया था।

याचियों की मुख्य आपत्ति यह थी कि अनारक्षित (सामान्य) श्रेणी में ओबीसी उम्मीदवारों को शामिल नहीं किया गया, जबकि उन्होंने सामान्य श्रेणी के कई अभ्यर्थियों से अधिक अंक प्राप्त किए थे। याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि 609 रिक्तियों के लिए केवल 7358 अभ्यर्थियों को ही अर्ह घोषित करना विज्ञापन के नियमों के विपरीत है और आयोग ने 1:15 के अनुपात का पालन नहीं किया।

- कहा- आरक्षित वर्ग के मेधावी अभ्यर्थी को अनारक्षित वर्ग में शामिल न करना अनुपयुक्त

रविवार को होनी थी मुख्य परीक्षा

कोर्ट ने यूपीपीएससी को निर्देश दिया कि वह विज्ञापन संख्या ए-3/ई-1/2024, दिनांक 10 अप्रैल 2024 के अंतर्गत विज्ञापित 609 पदों के लिए प्रारंभिक परीक्षा परिणाम की नई मेरिट सूची तैयार करे। इसके बाद ही मुख्य परीक्षा आयोजित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि यह मुख्य परीक्षा रविवार को प्रस्तावित थी, जिसे अब स्थगित कर दिया गया है।

कोर्ट ने पाया कि आयोग ने आरक्षित श्रेणियों के लिए तो 1:15 के अनुपात में अभ्यर्थियों को शामिल किया, लेकिन अनारक्षित श्रेणी में अपेक्षाकृत कम अभ्यर्थियों को रखा। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि यदि कोई आरक्षित श्रेणी का अभ्यर्थी सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों से बराबर या अधिक अंक लाता है, तो उसे अनारक्षित श्रेणी में स्थान मिलना चाहिए। केवल इस आधार पर कि उसने आरक्षित वर्ग में आवेदन किया है, उसे अनारक्षित श्रेणी से बाहर रखना भेदभावपूर्ण है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि समान अवसर और अनुच्छेद 14 के प्रावधानों के तहत जो अभ्यर्थी सामान्य वर्ग की कटऑफ अंक सीमा में आता है, उसे अनिवार्य रूप से उस श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए। कोर्ट ने अपनी विशेष टिप्पणी में कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य में ऐसा कोई नियम विधिवत रूप से नहीं बनाया गया है कि चयन निकाय पहले अनारक्षित वर्ग की सूची तैयार करे और उसमें वे आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी भी शामिल कर ले। जिन्होंने अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के बराबर या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों। परंतु यह मौजूदा परिपत्रों और ज्ञापनों तथा विज्ञापन में दी गई शर्तों की व्याख्या का विषय है।

अब डाक मतपत्र की गिनती के बाद गिने जाएंगे ईवीएम के वोट

नई दिल्ली, एजेंसी

- अधिक पारदर्शिता लाने के लिए निर्वाचन आयोग ने मतगणना प्रक्रिया को किया सुव्यवस्थित

निर्वाचन आयोग ने अधिक पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से लोकसभा और विधानसभा चुनावों में डाक मतपत्रों की गिनती की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया है। अब तक, मतगणना वाले दिन डाक मतपत्रों की गिनती सुबह आठ बजे और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दर्ज मतों की गिनती सुबह 8:30 बजे शुरू होती थी।

अब गिनती के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने से पहले ईवीएम की गिनती का अंतिम चरण शुरू न हो। पुराने निर्देशों के अनुसार, सैद्धांतिक रूप से डाक मतपत्रों की गिनती के

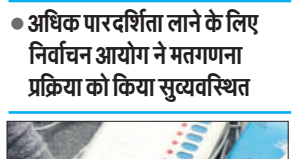

चरण की परवाह किए बिना ईवीएम के वोटों की गिनती जारी रह सकती है और डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने से पहले ईवीएम की गिनती पूरी होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। मतगणना प्रक्रिया में एकरूपता और अत्यधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने अब निर्णय लिया है कि ईवीएम की गिनती का अंतिम से पहले वाला दौर, उस मतगणना केंद्र पर डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने के बाद ही शुरू किया जाएगा जहां डाक मतपत्रों की गिनती की जा रही है।

यह नई व्यवस्था सबसे पहले बिहार में लागू की जाएगी जहां नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। आयोग ने यह भी निर्देश दिया कि जिन मामलों में डाक मतपत्रों की संख्या अधिक है, वहां निर्वाचन अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि पर्याप्त संख्या में मेज एवं मतगणना कर्मचारी उपलब्ध हों ताकि कोई देरी न हो तथा मतगणना प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित बनाया जा सके।

नई उपलब्धि | अग्नि प्राइम मिसाइल का पहला परीक्षण सफल, रूस-चीन और उत्तर कोरिया के बाद भारत चौथा देश

अब चलती ट्रेन से होगा दुश्मनों पर मिसाइल अटैक

नई दिल्ली, एजेंसी

लड़ाकू विमानों, युद्धपोतों और ड्रोन से मिसाइल दागने की क्षमता हासिल करने के बाद भारत ने अपनी सामरिक क्षमता को बढ़ाते हुए रेल से भी मिसाइल को सफलतापूर्वक दागकर सैन्य हथियार प्रणाली के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल की है। चीन, उत्तर कोरिया और रूस के बाद यह क्षमता हासिल करने वाला भारत चौथा देश बन गया है।

2000
किलोमीटर मारक क्षमता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बताया कि डीआरडीओ ने विशेष रूप से तैयार रेल पर बनाई गई लांचर प्रणाली से ओडिशा की चांदीपुर स्थित परीक्षण रेंज में अग्नि मिसाइल श्रृंखला की नई पीढ़ी की मिसाइल अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण किया है। इसके साथ भारत यह क्षमता रखने वाले चीन, उत्तर कोरिया और रूस जैसे चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है। सिंह ने कहा कि अगली पीढ़ी की यह मिसाइल दो हजार किलोमीटर तक की मारक क्षमता के लिए डिज़ाइन की गई है और कई उन्नत सुविधाओं से लैस है।

कहीं से भी दागी जा सकती है यह मिसाइल

रक्षामंत्री ने कहा कि विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर से किया गया यह पहला परीक्षण है। यह प्रणाली अपने आप में सक्षम और अत्याधुनिक संचार प्रणालियों तथा सुरक्षा तंत्रों सहित सभी स्वतंत्र प्रक्षेपण क्षमता सुविधाओं से सुसज्जित है। इसे देश भर में कहीं भी और कम दृश्यता के साथ कम समय में प्रक्षेपित किया जा सकता है। इस सफल परीक्षण ने भारत को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास चलते-फिरते रेल नेटवर्क से कैनिस्टराइज्ड प्रक्षेपण प्रणाली विकसित करने की क्षमता है। इस विशेष ट्रेन के जरिए यह मिसाइल देश में समूचे रेल नेटवर्क से कहीं से भी दागी जा सकती है। कैनिस्टराइज्ड लांच सिस्टम में मिसाइल को धातु से बने एक मजबूत कंटेनर में रखा जाता है। इसमें मिसाइल प्रतिकूल मौसम की मार से अछूती रहती है और इसे दुश्मन से छिपाकर कहीं भी ले जाया जा सकता है। अग्नि प्राइम डीआरडीओ द्वारा विकसित अग्नि श्रृंखला की नई पीढ़ी की मिसाइल है जो परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम होने के साथ दो हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम है।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 26 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बुद्ध के अवशेषों को रूस ले जाने की यात्रा टली

अमृत विचार, लखनऊ : महात्मा बुद्ध के अवशेषों को रूस ले जाने की यात्रा फिलहाल टल गई है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'नमो बुद्धाय' के संदेश के साथ यह जानकारी केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय से मिली सूचना के आधार पर साझा की है। अपने एक्स अकाउंट पर केशव मौर्य ने लिखा कि तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेषों की रूस यात्रा अपरिहार्य कारणों से फिलहाल स्थगित है। इस बार उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ही भारतीय प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्वकर्ता बनाए गए हैं। मालूम हो कि केशव प्रसाद मौर्य भारतीय वायुसेना के एक विमान से रूस के कालिमकिया गणराज्य के लिए रवाना होने वाले थे, जहां 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

1.91 लाख बालिकाओं ने सीखी बैंकिंग

अमृत विचार, लखनऊ : 'मिशन शक्ति' विशेष अभियान वर्ष 2025-26 के पांचवें चरण के तहत गुरुवार का दिन प्रदेश की बालिकाओं के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 20 सितम्बर को शुरू किए गए इस चरण के अंतर्गत प्रदेशभर के परिषदीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की कक्षा 6 से 8 की करीब 1.91 लाख बालिकाओं ने एक साथ बैंक शाखाओं का भ्रमण कर वित्तीय साक्षरता की दिशा में नई शुरुआत की। छात्राओं को बैंकिंग व्यवस्था, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल बैंकिंग की बारीकियों से अवगत कराया गया।

जनभागीदारी से गढ़ा जा रहा नया विकास मॉडल

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान तेजी से जनभागीदारी का नया कीर्तिमान गढ़ रहा है। प्रदेश के सभी 75 जनपदों में चल रहे संवाद एवं फीडबैक मिशन के तहत अब तक करीब 7 लाख लोगों ने अपने सुझाव साझा किए हैं। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग 5 .5 लाख और नगरीय क्षेत्रों से 1.5 लाख से अधिक नागरिक जुड़े हैं।

आयुष यूजी काउंसिलिंग के दाखिले आज से

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी आयुष यूजी काउंसिलिंग 2025 में पंजीकरण कराने वाले 11790 अभ्यर्थियों में 6848 अभ्यर्थियों को विभिन्न कॉलेजों में सीट आवंटन कर दिया गया है। शुक्रवार से नोडल सेंटर, गोमती नगर स्थित नेशनल होम्योपैथिक कॉलेज, लखनऊ में सीट पाने वाले अभ्यर्थी के अभिलेखों की जांच बाद दाखिले की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यह जानकारी होम्योपैथी निदेशक डॉ .प्रमोद कुमार सिंह ने दी है।

14 अलग-अलग पिता के नाम पर 35 बच्चों को नौकरी

स्वास्थ्य विभाग में एक्स-रे टेक्नीशियनों की भर्ती में फर्जीवाड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भर्तियों की छानबीन के बाद सामने आई जांच रिपोर्ट में खुलासा

अमृत विचार: स्वास्थ्य विभाग में एक्स-रे टेक्नीशियनों की भर्ती मामले में होने वाले फर्जीवाड़ों के खुलासे का अंत नहीं हो रहा है। वर्ष 2008 और 2016 में होने वाली नियुक्तियों की जांच चल ही रही है, इस बीच 2007 में एक्स-रे टेक्नीशियन के 572 पदों पर होने वाली नियुक्ति में भी फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है।

इन भर्तियों की छानबीन के बाद सामने आई जांच रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि 14 अलग-अलग पिता के नाम पर 35 अभ्यर्थियों की नियुक्तियां की गईं। उदाहरण के तौर पर एक ही पिता गुलाब सिंह के चार बच्चों जनार्दन सिंह, नेम सिंह, अजय सिंह व अतुल कुमार सिंह की नियुक्ति हुई हैं, पता सभी का अलग-अलग हैं।

स्वास्थ्य विभाग में एक्स-रे टेक्नीशियनों की भर्ती मामले में फर्जीवाड़े के खुलासे से सवालिया निशान खड़ा हो गया है। खाद्य एवं रसद विभाग की जांच रिपोर्ट में, चयनित अभ्यर्थियों की सूची में ऐसे कई चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं जो सीधे-सीधे धांधली की ओर इशारा करते हैं।

भर्ती की फाइलों में और भी हैरान करने वाले तथ्य छिपे हुए हैं। कई अभ्यर्थियों के नाम एक जैसे तो हैं लेकिन उनकी जाति अलग-अलग दर्ज की गई। दस्तावेजों में इस स्तर की हेराफेरी से साफ जाहिर है कि भर्ती में पारदर्शिता को दरकिनार कर सुनियोजित फर्जीवाड़ा किया गया। वहीं, कई अभ्यर्थियों के पते इतने

> एक्स-रे टेक्नीशियन की भर्ती मामले की जांच रिपोर्ट से संबन्धित फाइलें देखने के बाद निर्णय लिया जाएगा, अगर कहीं अनियमितता होगी तो कार्रवाई की जाएगी।
>
> – अमित कुमार घोष, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग

अपूर्ण पाए गए कि उनके आधार पर पत्राचार तक संभव नहीं है।

साफ नजर आ रहा है कि नियुक्तियां असल अभ्यर्थियों के बजाय अपने चहेते अभ्यर्थियों की हुई हैं। यह खुलासा वर्ष 2016 और 2008 में होने वाली भर्तियों की जांच के दौरान हुआ है। अब 2007 की भर्ती उजागर होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की पूरी भर्ती प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। खाद्य एवं रसद विभाग ने इस पूरे मामले की जांच रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव को सौंप दी है।

शिक्षक पुरस्कार शुरू करने को तैयार होगी कार्ययोजना

शैक्षणिक कैलेंडर का पालन न करने पर तय होगी कुलपतियों की जवाबदेही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने की समीक्षा बैठक

अमृत विचार : उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने गुरुवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में तमाम नीतियों और योजनाओं को अमली जामा पहनाने पर सहमति बनी। इस क्रम में उच्च शिक्षा विभाग में शिक्षक पुरस्कार शुरू करने की योजना पर मुहर लगी इसके लिए कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा गया।

बैठक में यह भी तय हुआ कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत मूल्यांकन समिति का गठन किया जाए। अशासकीय महाविद्यालयों मे कार्यरत शिक्षकों की तरह विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा दिए जाने को प्रस्ताव तैयार किया जाए। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार करते हुए मंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक और शिक्षणेत्तर नियुक्तियों में शासन का प्रतिनिधि नामित किया जाएगा, ताकि नियुक्ति प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हो। विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध महाविद्यालयों, संचालित नवीन पाठ्यक्रमों की मान्यता तथा नए महाविद्यालयों की स्थापना के लिए एनओसी जारी करने की प्रक्रिया में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों को भी शामिल किया जाए। इसके लिए शीघ्र ही एक समिति गठित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक कैलेंडर का पालन न करने पर संबंधित कुलपति की जिम्मेदारी शासन स्तर पर तय की जाएगी।

विभागीय समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल, सचिव अमृत त्रिपाठी, विशेष सचिव गिरजेश त्यागी, निधि श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक में मौजूद उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय।

गाजियाबाद के एयरपोर्ट से जल्द शुरू होंगी लखनऊ, प्रयागराज की उड़ानें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विमानपत्तन प्राधिकरण ने एयरलाइंस कंपनियों से दिवाली से पहले मांगे प्रस्ताव
- पहले व्यावसायिक उड़ानों से होगी शुरुआत, इंफ्रास्ट्रक्चर व सुविधाओं पर होगा होमवर्क

अमृत विचार: गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से जल्द लखनऊ, प्रयागराज की उड़ानें संचालित किए जाने को कमर कसी जा रही है। इससे पहले भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एयरलाइंस कंपनियों से दिवाली से पहले प्रस्ताव भी मांग लिए हैं। माना जा रहा है कि शुरुआत पहले व्यावसायिक उड़ानों से होगी, फिर इसी कवायद के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर व यात्री सुविधाओं पर भी होमवर्क होगा।

हाल ही में दिल्ली स्थित सफदरजंग एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया कार्यालय में भारतीय वायु सेना और और देश की सभी प्रमुख निजी एयरलाइंस कंपनियों की बैठक हुई। इसमें हिंडन एयरपोर्ट अथॉरिटी एडवाइजरी कमिटी के चेयरमैन अतुल गर्ग ने लखनऊ, अयोध्या और प्रयागराज के लिए हिंडन एयरपोर्ट से उड़ानों को शुरू करने का मुद्दा उठाया था।

आवंटित फ्लैट के नाम पर लोन दिलाने वाला गारंटर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) की टीम ने बालाजी हाईटेक कंस्ट्रक्शन कंपनी को लोन दिलाकर धनराशि हड़पने की साजिश रचने की घटना का खुलासा किया। इस मामले में बैंक में गारंटर बने आरोपी अभिषेक सिंह को गुरुवार को हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। इस मामले में 9 वर्ष पूर्व गाजियाबाद के विजयनगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

आरोपी अभिषेक

ईओडब्ल्यू मेरठ सेक्टर के अधिकारी के मुताबिक, सचिन दत्ता व उसके सहयोगियों द्वारा गाजियाबाद में बालाजी हाईटेक कंस्ट्रक्शन कंपनी प्रा. लि. नाम से फर्म बनाई थी। निर्माणाधीन 180 फ्लैट में आरोपियों ने ज्यादातर फ्लैट को दो या उससे अधिक ग्राहकों को आवंटित कर दिया। जांच में सामने आया कि फोस्टर हाइट्स योजना के निदेशक व एमडी राजेंद्र दत्ता व सचिन दत्ता ने ऋण स्वीकृत कराने के लिए सत्यदेव सिंह व गारंटर अभिषेक सिंह की मदद से पीएनबी के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक भगवान दत्त शर्मा, ऋण प्रबंधक जय सिंह से सांठगांठ कर हिमांशु सिंह के फ्लैट को गिरवी रखकर 55.50 लाख रुपये का ऋण हासिल कर लिया। 19 मामलों की जांच प्रदेश सरकार ने ईओडब्ल्यू मेरठ सेक्टर को सौंपी है।

लखनऊ से अयोध्या और नैमिष के लिए रियायती दर पर चलेंगी बसें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वरिष्ठ नागरिकों को कम दरों में मिलेगा टूर पैकेज, पर्यटन विभाग उपलब्ध कराएगा सुविधा
- विश्व पर्यटन दिवस पर पर्यटन विकास निगम की पहल

अमृत विचार : विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर) से श्रद्धालुओं को लखनऊ से नैमिषारण्य और अयोध्या आदि पवित्र तीर्थस्थलों के लिए रियायती दरों पर परिवहन सेवा मिलेगी। इतना ही नहीं, उप्र. राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए कम दरों में टूर पैकेज उपलब्ध कराए गए हैं। यह यात्रा हर शुक्रवार, रविवार और सोमवार सुबह 8 बजे लखनऊ स्थित होटल गोमती से प्रस्थान करेगी। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि शनिवार सुबह से शुरू होने वाली नैमिषारण्य धार्मिक यात्रा, तीर्थाटन के बाद शाम 7.30 बजे वापस लखनऊ पहुंचेगी। इस टूर पैकेज का शुल्क प्रति यात्री 1,700 रुपये निर्धारित है, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायती दर मात्र एक हजार रुपये रखी गई है। इस पैकेज के अंतर्गत श्रद्धालु नैमिषारण्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकेंगे।

साथ ही उन्होंने बताया कि लखनऊ-अयोध्या दर्शन यात्रा शनिवार और रविवार सुबह 8 बजे लखनऊ स्थित होटल गोमती से शुरू होगी। उसी दिन रात लगभग 8.30 बजे वापस लखनऊ पहुंचेगी। इसके लिए प्रति व्यक्ति दो हजार रुपये रखी गई है, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए मात्र एक हजार रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। इस यात्रा के तहत श्रद्धालुओं को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी, राम की पैड़ी सहित अयोध्या के अन्य प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के दर्शन का अवसर मिलेगा।

बेसिक शिक्षा निदेशक पर घूस लेने का आरोप, पत्र वायरल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र कासगंज से भाजपा विधायक की ओर से जारी बताया जा रहा

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा निदेशक पर घूस लेने संबधी आरोप का एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल है। मुख्यमंत्री को संबोधित यह पत्र कासगंज से भाजपा विधायक देवेंद्र सिंह राजपूत की ओर से बताया जा रहा है। इसमें बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि निदेशक और विभागीय बाबू ने बकाया वेतन भुगतान के लिए 25 लाख रुपये की रिश्वत मांगी है। आरोप है कि निदेशक और बाबू ने बकाया वेतन जारी करने के लिए सुविधा शुल्क मांगा और 10 लाख रुपये की वसूली पहले ही कर ली। बाकी राशि के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है। हालांकि, पूरा प्रकरण जांच का विषय है।

आंधी के साथ हो सकती है बारिश

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में भीषण उमस और गर्मी से आमजन को हलकान कर रहा मौसम फिर करवट लेगा। इस दौरान न केवल आंधी के साथ बारिश होगी बल्कि तापमान गिरने पर गर्मी से भी राहत मिलेगी। कुछ ही दिनों में कई जिलों में धूल भरी हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। दरअसल, मौसम विभाग के अनुसार राज्य में शनिवार से मौसम में बदलाव की आहट है। आंधी के साथ बारिश के रूप में मौसम का यह बदलाव नजर आएगा।

प्रदेश में पदयात्रा निकालेगी आम आदमी पार्टी : संजय सिंह

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में आम आदमी पार्टी सरयू से संगम तक पदयात्रा निकालेगी। पार्टी की यह यात्रा युवाओं के रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दे को लेकर होनी है। यात्रा की शुरुआत सरयू के तट से सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर से होगी और 15 नवंबर को संगम के तट पर समाप्त होगी।

पत्रकारों को जानकारी देते संजय सिंह।

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने यह जानकारी मीडिया से साझा की। आप सांसद के मुताबिक, यूपी में रोजगार एक बड़ा मुद्दा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, लेकिन सरकार नहीं दे पा रही है। पेपर लीक आम हो गया है। वहीं, जातियों के आधार पर लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है। इसलिए यात्रा का विषय 'रोजगार दो सामाजिक न्याय दो' रखा गया है। पदयात्रा अयोध्या, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ और प्रयागराज से होकर गुजरेगी जो कि 200 किलोमीटर की होगी।

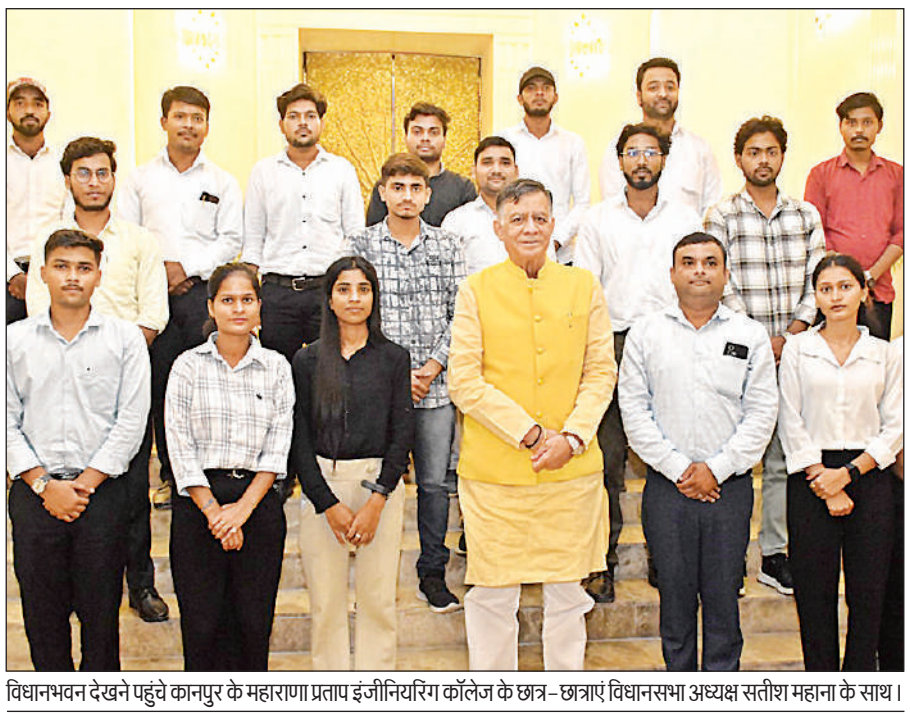

विधानभवन देखने पहुंचे कानपुर के महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राएं विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ।

सपा सरकार बनने पर लागू करेंगे दाम बांधो नीति

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर लगाया मुनाफाखोरी का आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में सपा की सरकार बनने पर प्रदेश में दाम बांधो नीति लागू करेंगे। जरूरत की वस्तुओं को सस्ती करेंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. राममनोहर लोहिया, मुलायम सिंह यादव दाम बांधों नीति की बात करते थे। समाजवादी सरकार में इसका प्रयास हुआ था। भविष्य में इसे लागू करेंगे।

सपा प्रमुख पार्टी मुख्यालय में गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार काम नहीं कर रही है। आज कल बाजारों में गंजिंग कर रही है।

पत्रकारों के साथ वार्ता करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को नौ साल बाद पता लगा कि दूध, दही, किताबें, खाने-पीने की चीजें, कपड़े और अन्य सामान महंगे हैं। सच्चाई यह है कि भाजपा सरकार मुनाफाखोरी करा रही है। जीएसटी कम करने के नाम पर जनता को धोखा दिया जा रहा है। भाजपा सरकार जिन चीजों की कीमतों को दो चार रुपये कम करने का प्रचार कर रही है, उससे किसानों को क्या लाभ हुआ है। अगर क्रीम, पाउडर पर 2 या 3 रुपये कम हो जायेगा तो उससे किसान को क्या लाभ होगा। नौजवानों को कितनी नौकरी रोजगार मिलेगी।

हरिजन एक्ट जाति पर बना है

अमृत विचार : अखिलेश यादव ने कहा कि जाति हमारा फर्स्ट इमोशनल कनेक्ट है। बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने संविधान में जो आरक्षण दिया है, वह जाति के हिसाब से मिला है। मंडल कमीशन की प्रस्तावना में चर्चा हुई और बात सामने आई थी कि पिछड़ापन जाति के आधार पर है, तभी यह तय हुआ कि आरक्षण जाति के अनुसार मिलेगा। भाजपा पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) की एकता से घबरा गई है। उन्होंने कहा कि हरिजन एक्ट तो जाति पर ही बना है।

पूर्व विधायक समेत हजारों कार्यकर्ताओं ने थामी सपा की साइकिल

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव के प्रति आस्था जताते हुए गुरुवार को शोहरतगढ़ के पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह, गौतमबुद्धनगर-नोएडा के किसान नेता सुधीर चौहान, खजनी विधानसभा से बसपा के पूर्व प्रत्याशी विद्या सागर और बसपा के गोरखपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं गोरखपुर मंडल के पूर्व कोआर्डिनेटर लालजी भारती अपने-अपने हजारों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गये। इस अवसर पर अखिलेश यादव को पद्मश्री स्व. गिरिराज किशोर की पुस्तक 'पहला गिरमिटिया' उनकी पुत्री शिवा सिंह ने भेंट की। कार्यक्रम में पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह समेत पार्टी के कई नेता मौजूद रहे।

पर्व का उल्लास | शारदीय नवरात्र बना आस्था, पर्यटन और महिला सशक्तिकरण का संगम

देवी मंदिरों का हुआ कायाकल्प, उमड़े करोड़ों श्रद्धालु

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : शारदीय नवरात्र इस बार केवल भक्ति का पर्व नहीं, बल्कि आस्था, पर्यटन और महिला सशक्तिकरण का संगम बन गया है। योगी आदित्यनाथ सरकार की पहल पर प्रदेशभर के देवी मंदिरों का कायाकल्प हुआ है, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ गई है।

सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र मीरजापुर का विंध्यवासिनी धाम है, जहां रोज़ाना 3.5 से 4 लाख भक्त माता के दर्शन कर रहे हैं। प्रयागराज, वाराणसी, सहारनपुर, बलरामपुर, गोरखपुर और जौनपुर के शक्तिपीठ भी भक्तों की भारी भीड़ से गुलजार हैं। वाराणसी में विशालाक्षी मंदिर व गायत्री शक्तिपीठ, प्रयागराज में अलोप शंकरी, कल्याणी और ललिता देवी मंदिरों, सहारनपुर में शाकम्भरी व त्रिपुर बाला सुंदरी मंदिरों और बलरामपुर के देवीपाटन धाम में लाखों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। गोरखपुर के तरकुलहा और बुढ़िया माई मंदिर, जौनपुर के चौकिया धाम, भदोही के सीता समाहित स्थल और आगरा का चामुंडा मंदिर भी आस्था के बड़े केंद्र बने हुए हैं।

प्रदेश के प्रमुख मंदिरों का आंकड़ा

मंदिर	प्रतिदिन श्रद्धालु (औसत)	विकास/खर्च
विंध्यवासिनी धाम, मीरजापुर	3.5-4 लाख	6-7 लाख विंध्याचल कॉरिडोर
विशालाक्षी मंदिर, वाराणसी	8-10 हजार	20-30 हजार प्रस्तावित कॉरिडोर
गायत्री शक्तिपीठ	40-50 हजार	सौंदर्यीकरण
दुर्गाकुंड (कुष्मांडा)	15-20 हजार	यात्री सुविधाएं
अलोप शंकरी, प्रयागराज	1.25-2 लाख	6 करोड़ से विकास
कल्याणी देवी	75-80 हजार	1 लाख प्रवेश द्वार, लाइट
ललिता देवी	70-80 हजार	1 लाख यात्री शेड

आरक्षण और आंबेडकर विरोधी है सपा : डॉ. निर्मल

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव शुरू से ही आरक्षण और दलितों के मसीहा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विरोधी हैं। सपा शासन में मुख्यमंत्री रहते अखिलेश यादव ने दलित कर्मचारियों के प्रोन्नति में आरक्षण खत्म किया। वह चाहते तो दलितों के साथ ही पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों के लिए भी प्रोन्नति में आरक्षण की व्यवस्था लागू कर सकते थे। सपा दलितों के साथ ही पिछड़ा वर्ग की भी विरोधी है। डॉ. निर्मल ने आरोप लगाया कि सपा सांसद ने ही लोकसभा में दलित कर्मचारियों के प्रोन्नति में आरक्षण के बिल को फाड़ा। इतना ही नहीं, सपा के कई नेता बाबा साहब के खिलाफ सार्वजनिक तौर पर अपमानजनक बात करते रहे, अब दलितों का वोट पाने की खातिर वह आरक्षण और आंबेडकर की बात करने लगे हैं।

ट्रेड शो में जीवंत हो रहीं शास्त्रीय परंपराएं : जयवीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पांच दिवसीय आयोजन में अभिलेख और चित्रकला प्रदर्शनी का हो रहा आयोजन

अमृत विचार : नोएडा में शुरू हुए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में देश-प्रदेश की विविध लोक एवं शास्त्रीय परंपराएं मंच पर जीवंत हो रही हैं। पांच दिवसीय शो में उप्र. राजकीय अभिलेखागार द्वारा अभिलेख प्रदर्शनी एवं उप्र. संग्रहालय निदेशालय द्वारा चित्रकला प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित ट्रेड शो में पहले दिन गुरुवार को भोजपुरी गायक दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने गीत और वाराणसी की सोनी सेठ ने "राम रामेति रामाया" कथक नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभव से सराबोर किया। गोरखपुर से आईं संस्कृति गाथा बैंड ने लोकधुनों की प्रस्तुति दी, वहीं पवन धनक (मेरठ) ने शहनाई वादन से कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। दीपक (मथुरा) ने राधा- कृष्ण-मयूर नृत्य प्रस्तुत कर ब्रज संस्कृति का अद्भुत दृश्य साकार कर दिया। उन्होंने बताया कि 26 सितंबर को स्वराग बैंड (जयपुर) और मथुरा के मुरारी लाल शर्मा पारंपरिक चरकुला नृत्य प्रस्तुत करेंगे। मथुरा के ही गजेंद्र सिंह रसिया गायन से श्रोताओं का मनोरंजन करेंगे।

चतुर्थ कूष्मांडा

नवरात्र में चौथे दिन देवी को कुष्मांडा के रूप में पूजा जाता है। अण्ड यानी ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्मांडा नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि नहीं थी,चारों तरफ अंधकार ही अंधकार था, तब इसी देवी ने ब्रह्मांड की रचना की थी। इसीलिए इसे सृष्टि की आदिस्वरूपा या आदिशक्ति कहा गया है। माँ कूष्माण्डा की पूजा से कुंडली में सूर्य ग्रह मजबूत होता है।

बीज मंत्र... ऐं ह्री देव्यै नमः।

ओडिशा: जनजाति विकास के डेढ़ सौ करोड़ खा गए अफसर

भुवनेश्वर, एजेंसी

सीएजी की ऑडिट में ओडिशा की जनजातीय विकास निधि में एक बड़ी अनियमितता उजागर हुई है। ऑडिट रिपोर्ट में पाया गया है कि सरकारी अधिकारियों ने अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये निर्धारित सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया है।

वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक 11 एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसियों (आईटीडीए) को कवर करने वाले ऑडिट में गबन के मामले उजागर हुए। इसमें कनिष्ठ और सहायक अभियंताओं को सरकारी खातों से निजी लेन-देन करते पाया गया। इनमें एटीएम से नकद निकासी, बीमा प्रीमियम के लिए यूपीआई भुगतान और मोबाइल फोन रिचार्ज शामिल थे, जिनकी कुल कीमत 148.75 करोड़ रुपये थी। कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि ये लेन-देन सरकारी धन के संदिग्ध दुरुपयोग का संकेत देते हैं। रिपोर्ट में कई विसंगतियां हैं जिनमें गलत जगहों पर खर्चों से लेकर प्रक्रियागत उल्लंघन तक की बातें सामने आईं। आईटीडीए के 11 ऑडिट से जानकारी मिलती है कि उपलब्ध 1,709.47 करोड़ रुपये में से 70 प्रतिशत (1,190.44 करोड़) ही खर्च किए गए। ऑडिट में पाया गया कि आईटीडीए ने सालाना हिसाब-किताब तैयार ही नहीं किए, जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत जरूरी है।

जाति आधारित सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को जाति-आधारित सर्वेक्षण के नाम से प्रचलित सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को निर्देश दिया कि वह एकत्रित आंकड़ों की गोपनीयता बनाए रखने के साथ स्वैच्छिक भागीदारी सुनिश्चित करे। मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और न्यायमूर्ति सी. एम. जोशी की खंडपीठ ने सर्वेक्षण की वैधता पर सवाल उठाने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश जारी किया। पीठ ने आदेश दिया, ''हमें जारी सर्वेक्षण पर रोक लगाना उचित नहीं लगता। हालांकि, एकत्र किए गए आंकड़ों का खुलासा किसी भी व्यक्ति से नहीं किया जाएगा। पिछड़ा वर्ग आयोग को यह सुनिश्चित करना होगा कि जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहे और उसे गोपनीय रखा जाए।

60 साल से मां दुर्गा की मूर्तियों में भर रहे हैं 'कला की जान'

लखनऊ व कोलकाता की खास मिट्टी से बनाते हैं देवी मां की प्रतिमाएं

दिव्यभान श्रीवास्तव, लखनऊ

अमृत विचार : यूं तो राजधानी में दर्जनों कलाकार हैं, जो नवरात्र में मां दुर्गा की प्रतिमाएं मिट्टी से तैयार करते हैं। इनकी प्रतिमाएं दूर-दूर तक जाती हैं। लेकिन 1964 में कोलकाता से आकर लखनऊ में बस गए मूर्तिकार निर्मल कुमार मित्र पिछले 60 साल से यहां पर दुर्गा प्रतिमाओं में आस्था, भक्ति, शक्ति और श्रद्धा विश्वास के रंग भर रहे हैं।

अंबेडकरनगर निवासी निर्मल का कहना है कि नवरात्र में जब माता रानी धरती पर आने का निमंत्रण देती है, तो मूर्तियां केवल मिट्टी की प्रतिमा नहीं रहतीं, बल्कि उनमें शक्ति और भाव समा जाता है। वे बताते हैं कि उनके द्वारा बनाई गई मूर्तियां सीतापुर, बाराबंकी, हरदोई, उन्नाव, बहराइच, गोंडा, रायबरेली के साथ ही राजधानी के कई इलाकों में स्थापित की जाती हैं। 8 आने व 64 पैसे से व्यापार शुरू करने वाले मूर्तिकार बताते हैं कि पिछली बार उन्हें 200 से 250 आर्डर मिले थे। इस बार नवरात्र दस दिन का होने के नाते 400 से ज्यादा आर्डर मिले है सीजनभर में, जो पिछली बार से ज्यादा है। मूर्तिकार बेटा निलाय बताता है कि उनके पास आधा फिट से अधिकतम आठ फिट तक मूर्ति है। 500 रुपए से लेकर दस हजार तक की मूर्तियां हैं, लेकिन 80 फीसदी मांग मीडियम मूर्ति की है, जो 4 से 5 हजार में मिल जाती है। छह-सात फिट की मूर्ति बनाने में आठ से दस दिन लगता है। तकरीबन साड़ी सहित तीन हजार का खर्च आता है। जबकि दुर्गा मां की सातों प्रतिमाएं का सेट बनाने में 18-20 दिन लगते हैं, इसमें छोटी-बड़ी सात मूर्तियां होती है। निलाय बताते हैं कि मेरे द्वारा बनाई गई मिट्टी की दुर्गा मूर्ति पानी में जाने पर 10 से 15 मिनट में घुल जाती है। मूर्ति के आकार, मिट्टी की बनावट पर अधिकतम एक से दो घंटे में धीरे-धीरे पानी में विलीन हो जाती है।

08 आने की मूर्ति बेचने वाला मूर्तिकार अब कर रहा लाखों का व्यापार

▲ अंबेडकरनगर में गुरुवार को दुर्गा प्रतिमा को आकर्षक स्वरूप देता कलाकार। फोटो : शुभंकर चक्रवर्ती।

कोलकाता की मिट्टी से बनती हैं चमकदार प्रतिमाएं

अपनी कला का जादू बिखेरने वाले निलोय का कहना है कि कोलकाता की मिट्टी लखनऊ की तुलना में बेहद अलग होती है, यह इतनी चिकनी और मजबूत होती है कि इससे बनी मूर्तियों में दरारें नहीं आतीं और खुरदरापन नहीं दिखता। दोनों जगह की मिट्टियों से बनी मूर्तियों पर शाइनिंग आती है, जो भक्तों को अपनी ओर खींच लेती है। मूर्तियों में बंगाली सांस्कृतिक झलक दिखे इसलिए मूर्तियों में इस्तेमाल होने वाले वस्त्र यानी साड़ी, कागज के गहने, दुर्गा जी के बालों के लिए स्पेशल जूट और सजावट का सारा सामान कोलकाता की कुमारटूली मार्केट से मंगवाते हैं। वही बांस,पत्ते, पुआल, लोहे की कील, लकड़ी, बल्ली, कलर कपड़ा यही का इस्तेमाल कर लेते हैं।

नवरात्र में ही बनाई जाती हैं आंखें

निर्मल का कहना है कि होली बाद ही काम शुरू होता है, आर्डर मिलने लगते है। छह-सात महीने तक 20-22 कलाकार मूर्तिया बनाते हैं, नवरात्र के समय जब कस्टमर लेने आते तो बंगाली रस्म के तहत उसी दिन आंखों व चेहरे का रूप संवारा जाता है। आंखें बनाने में 30 मिनट, जबकि पूरा चेहरा संवारने में 45 मिनट लगता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

मोदी को मिले 1300 स्मृति चिह्न नीलाम होंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले स्मृति चिन्हों की नीलामी की जा रही है और दो अक्टूबर तक इस ऑनलाइन नीलामी में हिस्सा लिया जा सकेगा। संस्कृति मंत्रालय की सूचना के अनुसार प्रधानमंत्री स्मृति चिन्ह ई-नीलामी 2025 में देश भर से प्रधानमंत्री को उपहारस्वरुप दी गई 1,300 से ज्यादा विशेष वस्तुएं शामिल हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण पूर्वोत्तर भारत के अनूठे स्मृति चिन्ह भी शामिल हैं। असम, नागालैंड, मेघालय, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले ये उपहार इस क्षेत्र के शिल्प, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव को दर्शाते हैं।

दिल्ली में प्रति व्यक्ति वाहनों की संख्या घटी

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रति 1,000 व्यक्तियों पर वाहनों की संख्या 2015-16 के 530 से घटकर 2023-24 में 373 रह गई, जबकि सड़क दुर्घटनाएं भी 2015 के 8,085 से घटकर 2022 में 5,560 रह गईं। आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा जारी एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। सतत विकास लक्ष्यों की स्थिति पर हाल ही में जारी दिल्ली राज्य रूपरेखा संकेतक रिपोर्ट से पता चलता है कि डीटीसी और क्लस्टर बसों का बेड़ा 2015-16 के 5,842 से बढ़कर 2023-24 में 7,485 हो गया। हालांकि, इसी अवधि के दौरान औसत दैनिक सवारियों की संख्या 45 .9 लाख से घटकर 42 .4 लाख रह गई।

मिग-21 सेवानिवृत्ति से पहले किया रिहर्सल

चंडीगढ़। चंडीगढ़ एयरफोर्स स्टेशन पर भारतीय वायुसेना ने गुरूवार को मिग-21 लड़ाकू विमानों की सेवाओं से औपचारिक विदाई के उपलक्ष्य में फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया। मिग-21 को 1963 में वायुसेना में शामिल किया गया था और यह विमान 60 से अधिक वर्षों तक देश की रक्षा में अपनी अहम भूमिका निभाता रहा। मिग-21 की पहली स्कवॉड्रन 1963 में चंडीगढ़ में तीन तम्बुओं से शुरू हुई थी। वायुसेना में दाखिल होने के बाद इस लड़ाकू विमान ने भारत को कई मोर्चो फतेह दिलाने में अपनी भूमिका अदा की। एक अर्से तक यह विमान भारत की हवाई ताकत का प्रतीक बना रहा।

कर्नाटक : हिंदी थोपने का आरोप, प्रदर्शन

बेंगलुरु। कन्नड़ समर्थक एक संगठन के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को यहां एक पांच सितारा होटल में घुसकर 'राजभाषा' के नाम पर हिंदी थोपे जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया। सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय की राजभाषा समिति ने पांच सितारा होटल में एक "हिंदी प्रसार बैठक" आयोजित की थी, जिसमें छह संसद सदस्यों ने भाग लिया था। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनकारी होटल में घुस गए।

लद्दाख में भीषण झड़प के बाद कर्फ्यू 50 लोगों को हिरासत में लिया गया

दूसरे प्रमुख शहरों में भी पांच से ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने पर लगाया गया प्रतिबंध

लेह, एजेंसी

हिंसा प्रभावित लेह में बृहस्पतिवार को पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने कर्फ्यू का सख्ती से पालन कराया और इस दौरान 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया गया। लेह में बुधवार को व्यापक झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई थी और 80 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर बुधवार को यहां जारी आंदोलन हिंसक हो गया था और इस दौरान सड़कों पर आगजनी और झड़पें हुई। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर जारी आंदोलन के हिंसक रूप लेने के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 15 दिन से जारी अपनी भूख हड़ताल बुधवार को समाप्त कर दी थी। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा ने विरोध प्रदर्शन और बंद का आह्वान किया था क्योंकि 10 सितंबर से 35 दिन की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की हालत मंगलवार शाम बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इसके बाद अन्य प्रमुख शहरों में भी पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिनमें कारगिल भी शामिल है, जहां भूख हड़ताल का नेतृत्व कर रहे वांगचुक के समर्थन में कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने बंद का आह्वान किया था। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय और कई वाहनों को आग लगा दी थी, साथ ही 'हिल काउंसिल' मुख्यालय में तोड़फोड़ की थी, जिसके कारण शहर में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, कर्फ्यूग्रस्त इलाकों में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है।

लेह में हिंसा के बाद भाजपा के कार्यालय के बाहर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

घायलों में तीन नेपाली भी, विदेशी हाथ होने का शक

अधिकारियों ने कहा कि घायलों में तीन नेपाल के नागरिक हैं और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या हिंसा के पीछे विदेशी हाथ हैं। एलएबी और केडीए पिछले चार वर्षों से राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के विस्तार की अपनी मांगों को लेकर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। केंद्र सरकार के साथ उनकी कई दौर की बातचीत हो चुकी है। अगले दौर की बातचीत छह अक्टूबर को होनी है।

शहरों में पुलिस व अर्धसैनिक बलों की भारी तैनाती

अधिकारियों ने बताया कि कारगिल, जांस्कर, नुब्रा, पदम, चांगतांग, द्रास और लामायुरु में दंगा रोधी उपकरणों से लैस पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भारी तैनाती की गई है। कारगिल के जिला मजिस्ट्रेट राकेश कुमार ने पूरे जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की, जिसके तहत सक्षम प्राधिकारी की पूर्व लिखित अनुमति के बिना पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, जुलूस निकालने या प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

मुझे जेल में डालने से और बढ़ सकती हैं समस्याएं: वांगचुक

लेह। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका जेल में रहना सरकार के लिए उनकी आजादी से ज्यादा समस्याएं पैदा कर सकता है। वांगचुक ने लद्दाख में हाल ही में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के लिए गृह मंत्रालय द्वारा उन्हें जिम्मेदार ठहराए जाने को बलि का बकरा बनाने की रणनीति बताया। गृह मंत्रालय के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए वांगचुक ने कहा कि वह कड़े जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया, मैं देख रहा हूं कि वे कुछ ऐसा मामला बना रहे हैं ताकि मुझे जन सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार करके दो साल के लिए जेल में डाल सकें। मैं इसके लिए तैयार हूं, लेकिन सोनम वांगचुक को आजाद रखने के बजाय जेल में डालने से समस्याएं और बढ़ सकती हैं। जलवायु कार्यकर्ता ने कहा, ये कहना कि यह हिंसा मेरे या कांग्रेस द्वारा भड़काई गई थी, समस्या के मूल से निपटने के बजाय बलि का बकरा ढूंढने जैसा है, और इससे कोई हल नहीं निकलेगा। वांगचुक ने कहा, वे किसी को बलि का बकरा बनाने के लिए चालाक हो सकते हैं, लेकिन वे बुद्धिमान नहीं हैं। इस समय, हम सभी को चतुराई की बजाय बुद्धिमता की आवश्यकता है क्योंकि युवा पहले से ही निराश हैं।

प्रधान बने बिहार में भाजपा के चुनाव प्रभारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को दो प्रमुख ओबीसी चेहरों और पार्टी के सबसे अनुभवी चुनाव प्रबंधक केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव को क्रमशः बिहार और बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए अपना प्रभारी नियुक्त किया।

- केशव मौर्य होंगे सह प्रभारी, भूपेंद्र यादव को बंगाल की जिम्मेदारी

अगले वर्ष होने वाले चुनाव सहित तीन राज्यों के लिए कुछ महत्वपूर्ण नियुक्तियां करते हुए भाजपा ने अपने उपाध्यक्षों में से एक बैजयंत जय पांडा को तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए प्रभारी नियुक्त किया है। बिहार विधानसभा चुनाव नवंबर में होने की उम्मीद है, वहीं पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अगले साल मार्च-अप्रैल में चुनाव प्रस्तावित हैं। पार्टी की गुजरात इकाई के प्रमुख केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बिहार चुनाव के लिए सह-प्रभारी हैं। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब पश्चिम बंगाल के सह-प्रभारी होंगे और केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल तमिलनाडु के सह-प्रभारी होंगे।

छात्राओं को आवास में आने के लिए बाध्य करता था चैतन्यानंद

नई दिल्ली, एजेंसी

- 30 से ज्यादा छात्राओं ने खोला फर्जी बाबा का कच्चा चिट्ठा

स्वयंभू बाबा स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान (एसआईआईएमडी) की छात्राओं को देर रात स्वयंभू बाबा के क्वार्टर (आवास) में जाने के लिए मजबूर किया गया।

संस्थान के प्रबंधन की शिकायत के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई जिसमें आरोप लगाया गया कि 30 से अधिक छात्राओं के साथ डिजिटल माध्यम से हुई बातचीत के दौरान उनमें से कई ने चैतन्यानंद द्वारा यौन उत्पीड़न और धमकी के मामलों का खुलासा किया। चैतन्यानंद को पहले स्वामी पार्थसारथी के नाम से जाना जाता था। प्राथमिकी का हवाला देते हुए अधिकारियों ने कहा कि छात्राओं को धमकी दी गई थी कि अगर उन्होंने विरोध किया तो उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा और उनकी डिग्री रोक दी जाएगी।

प्राथमिकी में कहा गया है, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को देर रात स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के क्वार्टर में जाने के लिए मजबूर किया गया। संस्थान प्रबंधन ने आरोप लगाया कि एक छात्रा को अपना नाम बदलने के लिए मजबूर किया गया और सबूत मिटाने के लिए उसके फोन से संदेश डिलीट करने को कहा गया। अक्टूबर 2024 में संस्थान में दाखिला लेने वाली एक पीड़िता ने बताया कि उसके दाखिला लेने के कुछ ही समय बाद उत्पीड़न शुरू हो गया था।

महिलाओं पर नजर रखने को शौचालयों के बाहर लगवाए थे कैमरे

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में एक निजी प्रबंधन संस्थान का पूर्व अध्यक्ष और स्वयंभू धर्मगुरु कथित तौर पर छात्रावास के सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से महिलाओं पर नजर रखता था। इसके लिए उसने शौचालयों के बाहर और पूरे परिसर में लगे कैमरे का इस्तेमाल किया जो सीधे उसके फोन से जुड़े थे। हॉस्टल में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की लगभग 75 छात्राएं रहती हैं। सरस्वती नियमित रूप से छात्राओं की निगरानी करता था और अपने फोन के जरिए उनकी गतिविधियों पर नजर रखता था।

फिलस्तीन मुद्दे पर भारत को नेतृत्व दिखाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बृहस्पतिवार को फिलिस्तीन के मुद्दे पर मोदी सरकार के रुख की तीखी आलोचना की और कहा कि अब भारत को नेतृत्व का परिचय देना चाहिए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सरकार की प्रतिक्रिया तथा गहरी चुप्पी और मानवता एवं नैतिकता, दोनों का परित्याग है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' के लिए लिखे गए एक लेख में कहा कि सरकार के कदम मुख्य रूप से भारत के संवैधानिक मूल्यों या उसके सामरिक हितों के बजाय इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की व्यक्तिगत मित्रता से प्रेरित प्रतीत होते हैं। सोनिया गांधी ने कहा, व्यक्तिगत कूटनीति की यह शैली कभी भी स्वीकार्य नहीं है और यह भारत की विदेश नीति का मार्गदर्शक नहीं हो सकती। दुनिया के अन्य हिस्सों में, खासकर अमेरिका में ऐसा करने के प्रयास हाल के महीनों में सबसे दुखद और अपमानजनक तरीके से विफल हुए हैं।

अदालतों को संवेदनशील मामलों में दिन-प्रतिदिन सुनवाई की प्रथा पर लौटने की जरूरत

आपराधिक केसों की टुकड़ों में सुनवाई से न्याय प्रणाली में देरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संवेदनशील मामलों में दिन-प्रतिदिन सुनवाई की प्रथा पूरी तरह समाप्त कर दी गई है लेकिन अदालतों को इसे पुनः अपनाना चाहिए। कोर्ट ने त्वरित सुनवाई के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 में अंतर्निहित मानते हुए कहा कि सभी उच्च न्यायालयों को जिला अदालतों के लाभ के लिए इस मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा करने के लिए समिति गठित करनी चाहिए।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि दिन-प्रतिदिन सुनवाई की पुरानी प्रथा पर लौटने के लिए पुलिस के कामकाज के तरीके सहित वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक परिदृश्य समझना जरूरी है। शीर्ष अदालत का यह आदेश सीबीआई की उस याचिका पर आया है, जिसमें पिछले साल सितंबर में बलात्कार के मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा एक आरोपी को ज़मानत देने के आदेश को चुनौती दी गई थी। पीठ ने कहा कि न्याय प्रणाली में देरी के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारकों में से एक है निरंतर सुनवाई न करना। पीठ ने कहा कि ऐसे मामलों में भी अदालतें विवेकाधिकार का इस्तेमाल करके साक्ष्यों पर टुकड़ों में विचार करती हैं और मामले कई महीनों या वर्षों तक चलते रहते हैं।

बार कोटे के तहत जिला न्यायाधीश पदों के लिए पात्रता संबंधी सवाल पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को इस संवैधानिक सवाल पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया कि क्या ऐसे न्यायिक अधिकारियों को, जिन्होंने न्यायालय में नियुक्ति से पहले अधिवक्ता के रूप में सात वर्षों की वकालत पूरी कर ली हो, बार के लिए आरक्षित रिक्तियों के तहत जिला न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति एससी शर्मा और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 30 याचिकाओं पर तीन दिनों तक दलीलें सुनीं, जिनके बारे में माना जाता है कि उनका देश भर में न्यायिक भर्ती पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। याचिकाएं इस मांग के समर्थन में थीं कि न्यायिक अधिकारियों को बार के लिये आरक्षित रिक्तियों के तहत जिला न्यायाधीशों के पदों के लिए अर्हता प्राप्त करने के वास्ते परीक्षा देने की अनुमति दी जाए। इस मुद्दे का विरोध सीयू सिंह, निधेश गुप्ता, विजय हंसारिया और राजीव शकदर सहित वरिष्ठ वकीलों ने किया। पीठ संविधान के अनुच्छेद 233 की व्याख्या से संबंधित प्रश्नों की जांच कर रही है जो जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया को निर्धारित करता है।

हिंदू उत्तराधिकार: हजारों साल पुरानी संरचना को नष्ट नहीं कर सकते, सावधानी बरतेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को चुनौतियों पर विचार करते समय सावधानी बरतेगा। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ अधिनियम के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा, हिंदू समाज की जो संरचना पहले से मौजूद है, उसे कमतर मत कीजिए। एक हिंदू सामाजिक संरचना है और आप इसे गिरा नहीं सकते। हम नहीं चाहते कि हमारा फैसला ऐसी चीज को नष्ट दे जो हजारों सालों से चली आ रही है। कोर्ट ने कहा कि महिलाओं के अधिकार महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सामाजिक संरचना और महिलाओं को अधिकार देने के बीच संतुलन होना चाहिए। पीठ ने समाधान की संभावना तलाशने के लिए पक्षों को सुप्रीम कोर्ट के मध्यस्थता केंद्र में भेज दिया।

बढ़ते महिला अपराधों पर राज्यों का जवाबतलब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म सहित महिलाओं के खिलाफ बढ़ती अपराधिक घटनाओं के खिलाफ जनहित याचिका पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में पक्ष रखने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने उस याचिका यह निर्देश दिया जिसमें निर्भया कांड के बाद लागू कड़े कानूनों के बावजूद बढ़ते यौन अपराधों पर चिंता जताई गई है।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 26 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

लंपी से बचाव को टीकाकरण तेज

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में गोवंशों को लंपी स्किन डिजीज वायरस से बचाने के लिए मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने सर्विलांस के साथ टीकाकरण तेज कर दिया है। बताया कि जिले में स्थिति सामान्य है, लेकिन अन्य जिलों को देखते हुए पहले से टीकाकरण करा रहे हैं। 1.54 लाख गोवंशों का टीकाकरण करके सुरक्षित करना है। दो चरणों में 51 हजार वैक्सीन मिली है। इसमें 22,700 गोवंशों का टीकाकरण कर दिया है। प्राथमिकता बार्डर से सटे गांवों में गोवंशों का टीकाकरण कर रहे हैं।

सीनियर डीसीएम ने किया रक्तदान

अमृत विचार, लखनऊ : स्वस्थ नारी से ही सशक्त परिवार का निर्माण होता है। इसलिए महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सजग रहना चाहिए। यह कहना है उत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कुलदीप तिवारी का। वह गुरुवार को तालकटोरा में रेलवे सुरक्षा विशेष बल की तरफ से आयोजित स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। रेलवे सुरक्षा विशेष बल ने स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के तहत रक्तदान शिविर लगाया, इसमें 40 आरपीएसएफ कर्मियों ने रक्तदान किया।

मोहनलालगंज में दो ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, मोहनलालगंज : मोहनलालगंज के मऊ और कुंदनखेड़ा गांव में दो युवकों ने फंदा लगाकर जान दे दी। मऊ में प्रमोद शुक्ला (45) और कुंदनखेड़ा में मदुरेश पासी (28) ने फंदा लगाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक गुरुवार शाम को मऊ गांव निवासी प्रमोद शुक्ला का कमरे में फंदे से लटका हुआ शव मिला। परिजन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कही है। कुंदनखेड़ा निवासी मदुरेश ने गांव के बाहर चिलबिल के पेड़ से फंदा लगाकर जान दी।

बकाया पैसा मांगने पर किया जानलेवा हमला

अमृत विचार, गोसाईगंज : नगर पंचायत अमेठी के चौगनपुर वार्ड के रहने वाले सुरेश कुमार के अनुसार गुरुवार की दोपहर उनका भाई सुरेन्द्र वहीं पास के रहने वाले सलमान से बकाया रूपया मांगने लगा। जिससे गुस्साए सलमान ने उसके भाई सुरेन्द्र को जान से मार देने की नियत से उस पर ईंट से हमला कर दिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। भीड़ इकट्ठा होने लगी तो आरोपी सुरेंद्र को धमकी देते हुए भाग निकले। इंस्पेक्टर गोसाईगंज बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया।

वर्टिकल व्यवस्था का किया विरोध

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन निविदा, संविदा कर्मचारी संघ ने गुरुवार को तालकटोरा में बैठक की।प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खालिद की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में वर्टिकल व्यवस्था का विरोध किया गया।अध्यक्ष ने कहा कि पावर कॉरपोरेशन की वर्तमान व्यवस्था उपभोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों के लिए अधिक अनुकूल है। वर्टिकल व्यवस्था से कार्य क्षेत्र बड़ा हो जाएगा। उन्होंने कॉरपोरेशन प्रबंधन को चेताते हुए कहा कि वर्टिकल व्यवस्था लागू होने से लगभग 1200 आउटसोर्सिंग कर्मचारी बेरोजगार हो सकते हैं, जिससे प्रदेश में रोजगार संकट और गहरा सकता है। महामंत्री देवेन्द्र कुमार पांडेय, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पांडेय, कार्यालय मंत्री सुशील कुमार, मीडिया प्रभारी रंजीत कन्नौजिया, कार्यकारिणी सदस्य सुरेन्द्र बाजपेई, सियाराम मौजूद रहे।

जवानों ने अस्पताल में की साफ-सफाई

अमृत विचार, सरोजनीनगर : स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान के तहत गुरुवार को बिजनौर स्थित 91वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल (आरएएफ) के जवानों ने कमांडेंट जीतेन्द्र कुमार ओझा के दिशा-निर्देश पर सरोजनी नगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में साफ सफाई की।

चोरों ने उड़ाई नकदी

अमृत विचार, काकोरी : मौंदा गांव निवासी राजन भारती ने बताया कि बुधवार रात करीब एक बजे अज्ञात चोर घर के पीछे लगी खिड़की तोड़कर भीतर घुस आए और वहां रखे प्लास्टिक के डिब्बे से 60 हजार रुपए की नकदी चोरी कर फरार हो गए। राजन ने बताया कि 14 अगस्त की रात को भी मेरे घर में घुसकर चोर नकदी और जेवरात उठा ले गए थे।

बाइकर्स ने महिला समेत तीन से की लूट

गाजीपुर में महिला की खींची चेन, इंदिरानगर व मदेयगंज में बदमाशों ने लूटे मोबाइल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: शहर में बाइकर्स गैंग लगातार पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। इंदिरानगर ए-ब्लॉक में बाइक सवार बदमाशों ने बेटी के साथ जा रही महिला की चेन लूट ली। पीछे से आ रहे पुलिसकर्मियों ने बदमाशों का पीछा। बदमाश फर्राटा भरते हुए भागने में सफल हो गए। गाजीपुर पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। वहीं, इंदिरानगर में ब्लिंकिट कर्मी व डालीगंज क्रासिंग के पास रेपिडो चालक के मोबाइल बदमाशों ने लूट लिए।

शक्ति नगर निवासी श्वेता तिवारी ने बताया कि 13 सितंबर को वह अपनी बेटी के साथ भूतनाथ मंदिर गई थी। रात आठ बजे वह भूतनाथ से कंवेंशन सेंटर की तरफ जा रहीं थी। रास्ते में ए- ब्लॉक स्थित मानसरोवर अर्बन को ऑपरेटिव बैंक के पास पहुंची, तभी पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर श्वेता की सोने की चेन लूट ली। चीख पुकार मचाते हुए वह बदमाशों के पीछे दौड़ी। इतने में पीछे से आ रहे दो पुलिसकर्मियों ने शोर सुनकर बदमाशों का पीछा किया। पर बदमाश पुलिसकर्मियों को चकमा देकर भाग निकले।

वहीं, इंदिरानगर के संतपुरम तकरोही निवासी अश्वनी कुमार शेखर अस्पताल स्थित ब्लिंकिट स्टोर में नौकरी करता है। 21 सितंबर की देर रात करीब 12:30 बजे वह अरविंदो पार्क चौराहे से पानी गांव की तरफ जा रहा था। रास्ते में सदभावना क्लीनिक सेक्टर-10 में स्कूटी सवार तीन बदमाशों ने मोबाल छीन लिया। इंदिरानगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उधर, मदेयगंज के खदरा स्थित बड़ी पकरिया निवासी सुमित पांडेय रेपिडो चालक हैं। 11 सितंबर की तड़के सवारी छोड़कर डालीगंज रेलवे क्रासिंग के पास खड़ा था। इसी बीच बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया। लुटेरे की करतूत सीसी कैमरे में कैद हो गयी।

कार की ठोकर से बाल-बाल बचा बाइक सवार

- **अमृत विचार, लखनऊ :** तेज रफ्तार वाहन लोगों के लिए जानलेवा होते जा रहे हैं। चार पहिया वाहन के कुछ चालक तो दुर्घटना का बड़ा कारण बने हुए हैं। इसी कड़ी में गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे कमता चौराहे पर एक कार चालक ने बाइक सवार को ठोकर मार दी। इससे बाइक सवार बाल-बाल तो बच गया, लेकिन, उसकी बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक सवार मनोज घायल हो गए थे। जबकि गाड़ी नंबर UP32PC9111 का चालक दुर्घटना के बाद कार लेकर मौके से फरार हो गया।

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामपाल का स्वागत करते पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

किसान खाद के लिए परेशान : श्यामपाल

संवाददाता, मलिहाबाद

- **मलिहाबाद ब्लॉक में किया गया सपा के बूथ सेक्टर व प्रभारियों का सम्मान**

अमृत विचार : भाजपा सरकार की लचर व्यवस्था से आम जनता को स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रोजगार नहीं मिल पा रहा है। किसान को खाद नहीं मिल रही है। जब तक भाजपा सरकार सत्ता में रहेगी गरीब जनता एवं किसान बुनियादी जरूरतों के लिए परेशान रहेंगे। समय आ गया है कि इस सरकार को उखाड़ फेंकें।ये बात सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल महिलाहाबाद ब्लॉक में आयोजित बूथ अध्यक्षों और सेक्टर प्रभारियों के सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि कही।

बूथ अध्यक्षों एवं सेक्टर प्रभारियों के सम्मेलन का आयोजन निवर्तमान प्रत्याशी सोनू कनौजिया ने किया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सांसद आरके चौधरी रहे जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत ने की। सोनू ने सभी बूथ प्रभारी, बूथ अध्यक्ष एवं सेक्टर प्रभारियों को सम्मानित किया। प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह, प्रदेश प्रवक्ता दीपक रंजन श्रीवास्तव, पूर्व जिलाध्यक्ष नागेन्द्र सिंह यादव, पूर्व प्रत्याशी राजबाला रावत, विजयश्री गौतम, प्रदेश सचिव वीर बहादुर सिंह, राशिद अली, रामगोपाल यादव, चौधरी मुलतान सिंह यादव, टीबी सिंह मौजूद रहे। संचालन विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष सोनीष मौर्य ने किया।

काली पट्टी बांध कर चलाया हस्ताक्षर अभियान

संवाददाता, गोसाईगंज

अमृत विचार : टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग को लेकर शिक्षकों ने गुरुवार को गोसाईगंज बीआरसी पर हस्ताक्षर अभियान चलाया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ से संबद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय के आह्वान पर विरोध प्रदर्शन व हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है।

ब्लॉक् जिलामंत्री बृजेश कुमार मौर्य, मोहिंदर पाण्डेय, सचिन दिवाकर, अबुल क़ासिम अब्बासी, अजिता सिंह, इंदू जायसवाल, मीना गुप्ता, प्रतिमा द्विवेदी, अवधेश नारायण, बृजेश चतुर्वेदी, अल्का गुप्ता, नीलिमा तिवारी, जगतपाल आदि शिक्षक मौजूद रहे।

काली पट्टी बांधकर हस्ताक्षर करतीं शिक्षिकाएं। अमृत विचार

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट से हंगामा

संवाददाता, मलिहाबाद

- **काकोरी थाने में नाबालिग छात्र पर रिपोर्ट दर्ज**

अमृत विचार: सोशल मीडिया पर मोहम्मद साहब के लिए इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने को लेकर बवाल खड़ा हो गया है। आक्रोशित लोगों ने काकोरी थाने में हंगामा करते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कक्षा-9 के छात्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने भी छात्र को निलंबित कर निष्कासित कर दिया है। मलिहाबाद मिर्जागंज कस्बा निवासी अमीर वली ने काकोरी थाना क्षेत्र में रहने वाले एक गांव के रहने वाले किशोर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। लिखित शिकायत में पीड़ित ने बताया कि 24 सितंबर 2025 की सुबह करीब 9:15 बजे उन्होंने अपने मोबाइल पर इंस्टाग्राम पर देखा कि आरोपी ने मोहम्मद साहब के बारे में अपमानजनक टिप्पणी लिखी है।

मां को प्रेम जाल में फंसा बेटे का कराया खतना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **ठाकुरगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज आरोपी गिरफ्तार**

अमृत विचार : हिंदू महिला से दोस्ती कर मंजूर हसन ने प्रेम जाल में फंसा लिया। पति से अलगाव कराकर आरोपी 11 साल के बेटे समेत उसे लेकर चला गया। आरोपी ने महिला और बेटे का शोषण किया। साथ ही बेटे का खतना करवा दिया। आरोपी के चंगुल से किसी तरह छूटा किशोर भागकर अपने पिता के पास पहुंचा। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के आदेश पर ठाकुरगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर गुरुवार देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

एसीपी चौक राजकुमार सिंह के मुताबिक हैदरगंज कैम्पवेल रोड निवासी पीड़ित ने तहरीर में बताया कि उनकी पत्नी की न्यू हैदरगंज में एक कपड़े की दुकान है। दुकान पर अक्सर नूरबाड़ी सआदगंज निवासी मंजूर हसन उर्फ सैफी खरीदारी करने आता था। मंजूर ने पत्नी को प्रेम जाल में फंसा लिया। 29 अगस्त को वह पत्नी और 11 साल के नाबालिग बेटे को भी साथ ले गया। आरोप है कि मंजूर बेटे का भी शोषण और अश्लीलता करता था। विरोध पर उसे पीटता था। इसके बाद ऑपरेशन कराकर बेटे का खतना करा दिया।

शिक्षिका ने दर्ज कराई यौन शोषण की रिपोर्ट

- **अमृत विचार, आलमबाग :** थाना क्षेत्र निवासी शिक्षिका पति से अलग होकर दो बच्चों के साथ रहती हैं। पीड़िता ने बताया कि सीतापुर आने जाने के दौरान उनकी मुलाकात पारा निवासी आशीष कुमार से हुई। आशीष ने खुद को प्राइवेट बैंक का कर्मचारी बताया। बातचीत के दौरान आशीष ने प्रेमजाल में फंसाकर शादी का प्रस्ताव रखा। जिसे महिला ने स्वीकार लिया। सीतापुर में दोनों लिव इन रिलेशन में रहने लगे। इस दौरान आशीष ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि आरोपी ने पीड़िता के दस्तावेज की मदद से सात लाख का लोन लेकर हड़प लिया। जानकारी होने पर महिला ने विरोध करते हुए शादी की बात कही तो आरोपी मुकर गया। आरोप है कि आरोपी की पत्नी शालिनी व एक अन्य ने धमकाया। इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। महिला का मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसी तरह मौका मिलते ही बेटा भागकर पिता के पास पहुंचा और आरोपी की हरकतों के बारे में बताया। बच्चे ने चोंटे दिखाते हुए खतने की भी जानकारी दी। शिकायत पर पुलिस जांच के नाम पर टालमटोल करती रही। डीसीपी पश्चिम के आदेश पर ठाकुरगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी मंजूर हसन को गिरफ्तार कर लिया।

सपा नेता साइमा समेत पांच पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सिविल कोर्ट के लॉकअप से 27 मार्च को बंदी को छुटाने के प्रयास के आरोप में गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज की गई। इस मामले में सपा नेता साइमा समेत पांच लोगों को आरोपी बनाया गया है।

तहरीर में सिपाही प्रदीप सिंह भदौरिया ने बताया कि 27 मार्च को ड्यूटी सिविल कोर्ट लॉकअप में उनकी ड्यूटी थी। सुबह 10:47 चिनहट के मल्हौर रोड स्थित गौरव कुंज कॉलोनी निवासी साइमा लॉकअप चैनल के पास आई। उनके साथ अधिवक्ता की ड्रेस पहने चार-पांच लोग और थे। हाथ में धारदार हथियार थे। उन्होंने लॉकअप से एक परिचित बंदी को बिना लिखापढ़ी के बाहर निकालने का प्रयास किया। विरोध करने पर साइमा ने खुद को सपा की प्रदेश सचिव बताकर वर्दी उतरवाने की धमकी दी और पांचों लोगों ने लात घूसों से पीटा। लॉकअप का चैनल तोड़ने की कोशिश की। सिपाही ने खुद को लॉकअप में बंद कर डॉयल-112 पर सूचना दी। वजीरगंज पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी भाग निकले। घटना के समय लॉकअप में 72 बंदी थे। सिपाही का आरोप है कि घटना के दिन वजीरगंज कोतवाली में तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद कोर्ट में अर्जी डाली। कोर्ट के आदेश पर वजीरगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश त्रिपाठी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जांच की जा रही है।

ऑडिट में पकड़ा मनरेगा में घालमेल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **वर्ष 2021-22 में सबसे ज्यादा माल ब्लॉक के 91 मामले**
- **पंचायतों में 90 लाख रुपये तक की वित्तीय अनियमितता**
- **अभिलेख न देने वाले 21 सचिवों को नोटिस जारी**

अमृत विचार : जिले में वर्ष 2018 से 2024 तक ग्राम पंचायतों के ऑडिट में 169 मामलों में लाखों रुपये की वित्तीय अनियमितता मिली है। इनमें सबसे ज्यादा 91 मामले मनरेगा के पकड़े गए हैं। इनमें कार्य और भुगतान तो करोड़ों रुपये का किया गया है, लेकिन अभिलेख लेखा परीक्षक टीम को नहीं दिए गए हैं। यदि अभिलेख न मिले तो गबन मानकर उच्च स्तर से कार्रवाई की जाएगी।

सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा निदेशालय उप्र की टीम को ऑडिट में सबसे ज्यादा हेराफेरी मनरेगा के कार्यों में मिली है। टीम ने वर्ष 2020-21 में सबसे ज्यादा 67 प्रकरण माल ब्लॉक में मनरेगा के पकड़े हैं। अन्य विकास कार्यों की अपेक्षा मनरेगा में 90 लाख रुपये तक की वित्तीय अनियमितता मिली है। कराए गए कार्य व भुगतान के कैशबुक, डे बुक, भुगतान रजिस्टर, मनरेगा कार्य आवेदन पंजीकरण पंजिका, जॉब कार्ड पंजिका, रोजगार पंजिका, एफटीओ पंजिका, सामग्री क्रय, भुगतान संबंधित बिल बाउचर, मस्टर रोल, प्राकलन व माप पुस्तिका, निर्माण कार्य पंजिका समेत अन्य अभिलेख ऑडिट टीम को नहीं दिए गए हैं, जो बराबर पत्राचार करने पर भी ग्राम पंचायतें दबाए बैठी हैं। इस वजह से स्थल पर कार्यों की पुष्टि नहीं हो पाई है।

ऑडिट टीम को अभिलेख न देने पर जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार ने 21 सचिवों को कार्रवाई की चेतावनी देकर नोटिस जारी किया है। बताया कि अन्य सचिवों को भी नोटिस जारी कर रहे हैं।

माल ब्लॉक में सबसे ज्यादा ये धनराशि

- अहिंडर 32,18,000, अमलौली केडौरा 47,95,823, अटारी 26,05,000, अऊमऊ 15,12,000, आंटगढ़ी सैरा 32,74,000, बदैया 30,88,000, भरुरा 39,24,000, बहरौरा 22,94,000, बसंतपुर 35,32,000, वीरपुर 25,10,000, चंदवारा 13,75,000, दनौर 19,80,000, देवरी गजा 47,00,000, ढखवा 15,28,000, गहदो 34,85,000, गौरैया 15,44,000, गोपालपुर 38,35,000, गुड़वा बरौकी 21,36,000, हसनापुर 67,47,000, जमोलिया 20,67,000, कमालपुर लुधौरा 33,78,000, करेंद 42,76,000, मढ़वाना 90,47,791, 45,09,596, 25,34,000, माल 29,44,000।

दीनदयाल की जयंती पर किया पौधरोपण

अमृत विचार, काकोरी : पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर भाजपा मंडल उपाध्यक्ष वअनादि सेवा समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव ने पशु चिकित्सक डॉ बृजेश सिंह के साथ स्वच्छता अभियान चलाया चलाया। चिकित्सालय के प्रांगण में पौधे भी लगाए। समिति के राष्ट्रीय महासचिव दिनेश श्रीवास्तव, शक्तिकेंद्र संयोजक सूरज धीमान, बूथ अध्यक्ष नवनीत निगम शामिल रहे। उधर, वार्ड कन्हैया माधोपुर द्वितीय के लालाबाग में बूथ संख्या 26, 27 पर पौधरोपण किया गया। कन्हैया माधवपुर, प्रमोद प्रजापति, दुर्गा शंकर उपस्थित रहे।

रैली निकाली

अमृत विचार, निगोहां : विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर गुरुवार को निगोहां के बाबू सुन्दर सिंह कॉलेज ऑफ फार्मेसी में नृत्य, गीत, पोस्टर प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों ने संत फ्रांसिस स्कूल में नाटक के जरिये समाज में फार्मासिस्ट का महत्व को बताया। जागरूकता रैली भी निकाली गई।

आस्था

नवरात्र और अमावस्या पर जुटती है भक्तों की भीड़

धार्मिक पर्यटन का केंद्र बना मां चंद्रिका देवी धाम

संवाददाता, बीकेटी

अमृत विचार: लखनऊ आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए बख्शी का तालाब स्थित मां चंद्रिका देवी धाम एक प्रमुख धार्मिक और आध्यात्मिक स्थल बन चुका है। गोमती नदी के किनारे स्थित यह मंदिर अपनी पौराणिकता, प्राकृतिक सौंदर्य और श्रद्धा के लिए प्रसिद्ध है। यहां मां चंद्रिका देवी पिंडी स्वरूप में विराजमान हैं और नवरात्र के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विशेष पूजा होती है। नवरात्र में यहां मेला लगता है और अमावस्या के मेले में भी लाखों श्रद्धालु जुटते हैं।

मंदिर समिति के अध्यक्ष अखिलेश सिंह के अनुसार स्कंद पुराण में उल्लेख मिलता है कि द्वापर युग में घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक ने यहां तप किया था। यहां स्थित महीसागर संगम तीर्थ और सुधन्वा कुंड आज भी जल से परिपूर्ण रहते हैं और स्नान के लिए अत्यंत पवित्र माने जाते हैं। मान्यता है कि इस जल में स्नान करने से कुष्ठ रोग जैसी बीमारियों से मुक्ति मिलती है। इतिहासकारों और स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, लक्ष्मण के पुत्र चंद्रकेतु जब अश्वमेध यज्ञ के अश्व के साथ कटकबासा (वर्तमान कठवारा) पहुंचे तो अमावस्या की रात भय के कारण उन्होंने मां उर्मिला द्वारा बताए गए मंत्रों से देवी की आराधना की। तभी जंगल में चंद्रघटा छा गई और भय समाप्त हो गया। इसी स्थान पर मां की स्थापना हुई और यह स्थल सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध हुआ।

बख्शी का तालाब स्थित मां चंद्रिका देवी धाम में भक्तों की भीड़।

मंदिर की प्रमुख विशेषताएं

- मंदिर में एक विशाल यज्ञशाला और निरंतर जलने वाला हवन कुंड है। बर्बरीक द्वार मंदिर की पौराणिकता को रेखांकित करता है। मंदिर परिसर में मुंडन, नामकरण, जनेऊ और विवाह संस्कार जैसे धार्मिक अनुष्ठान नियमित रूप से होते हैं। श्रद्धालु सूखे मेवे का प्रसाद चढ़ाते हैं और मनोकामना पूर्ण होने पर मां को चुनरी अर्पित करते हैं।

विकास और व्यवस्थाएं

- मां चंद्रिका देवी मंदिर समिति और पर्यटन विभाग के संयुक्त प्रयासों से यहां आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। पांच करोड़ रुपये की लागत से शौचालय, पेयजल, सीढ़ियां, रेलिंग, और टिन शेड जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। मेला परिसर में पत्थर की फर्श बिछाई गई है ताकि श्रद्धालु धूप व बारिश से सुरक्षित रहें। पर्यावरण संरक्षण के तहत प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

सिटी डायरी

सैनिकों और सफाई मित्रों ने दिया स्वच्छता का संदेश

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय सेना के सूर्या कमांड ने स्वच्छता ही सेवा 2025 के तहत गुरुवार को छावनी में अभियान चलाया। सैनिकों और सफाई मित्रों ने परिसर की साफ-सफाई की। सैनिकों व उनके परिवारजनों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। छावनी परिषद ने सफाई कर्मियों के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगाए। 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' अभियान को मुख्यालय मध्य उत्तर प्रदेश उप क्षेत्र के सभी रैंकों ने स्टेशन कमांडर के नेतृत्व में सक्रिय रूप से अपनाया। उधर, नवयुग कन्या महाविद्यालय की 19वीं यूपी गर्ल्स बटालियन की एनसीसी कैडेट ने गुरुवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया। तोपखाना बाजार में नुक्कड़ नाटक कर लोगों में स्वच्छता के महत्व बताए। एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर मेजर डॉ. मनमीत कौर सोढ़ी, ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव, कमांडिंग ऑफिसर, 19वीं यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी ने सहयोग किया।

छावनी परिसर की अभियान के दौरान सफाई करते सैनिक।

श्रमदान करते मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल व अन्य।

वाहन का हरी झंडी दिखाते मौलाना व अन्य।

स्वच्छता और स्वस्थ नागरिक देश की प्रगति का आधार: डीआरएम

अमृत विचार, लखनऊ : मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छता से ही स्वास्थ्य है और स्वस्थ नागरिक ही देश की प्रगति का आधार। ऐसे में हम सभी का कर्तव्य है कि सफाई की ओर हमेशा ध्यान दिया जाना चाहिए। डीआरएम गुरुवार को ' 'एक घंटा एक साथ श्रमदान अभियान'' में रेल अफसरों के बीच बोल रहे थे। उन्होंने झाड़ू उठा सफाई अभियान का हिस्सा बने और रेलकर्मियों को संदेश दिया। इस दौरान उनका साथ देने के लिए अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) भुवनेश सिंह और अन्य शाखा अधिकारी भी हाथों में झाड़ू पकड़ सफाई करते नजर आये। डीआरएम ने कहा कि इस अभियान ने देश भर में लोगों की सोच और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव किया है।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी गई राहत सामग्री

अमृत विचार, लखनऊ : इस्लामिक सेंटर ऑफ़ इंडिया की ओर से गुरुवार को ऐशबाग ईदगाह से पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजी गई। मौलाना खालिद रशीद फिरंगीमहली ने वाहको हरी जन्दी दिखाकर रवाना किया। पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए टीम लखनऊ ने राजधानी में कई जगह केंद्र बनाकर सामग्री जमा की और आज उसे पंजाब के लिए रवाना कर दिया। इस मौके पर मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि जो लोग पीड़ितों की सहायता करते हैं वह बहुत पुण्य का काम करते हैं। मुरलीधर आहूजा मौजूद रहे।

स्टाल पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री से जानकारी लेतीं अपर्णा यादव।

महिलाएं स्वास्थ्यवर्धक अनाज का करें सेवन

अमृत विचार, लखनऊ : बाल विकास पुष्टाहार विभाग ने गुरुवार को ने पोषण माह एवं स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत कार्यक्रम किया। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव ने 15 आगंनबाड़ी कार्यकत्रियों को पुरस्कृत और डेवलपमेंट पार्टनर द्वारा विभाग में अच्छा कार्य करने वाली निजी संस्था के विनीत कुमार एवं अनुज गोपाल दुबे को सम्मानित किया। आगंनबाड़ी कार्यककत्रियों के खाद्य पदार्थों के स्टॉलों का अवलोकन भी किया।

सुविचार

एक महान कार्य में लगन और कुशल पूर्वक कार्य करने के बाद भी भले ही उसे पहचान न मिले अंततः सफल जरूर होता है। - पंडित जवाहर लाल नेहरू

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- चेन लूट के बाद व्यापारी की जान लेने वाला बदमाश गिरफ्तार II
- स्मारक अनुरक्षण की प्रारंभिक तैयारियों पर की चर्चा III
- भारत ए को जीत के लिए 243 रनों की दरकार IV

लखनऊ, शुक्रवार, 26 सितंबर 2025

शहर में आज

- स्कूली बच्चों और आम जनता के लिए सीएसआईआर एनबीआरआई के स्थापना दिवस पर प्रयोगशाला पौधशाला खुलेगी- 10:00 बजे।

सिटी ब्रीफ

मड़ियांव व गुड़ंबा में चार प्लाटिंग की ध्वस्त

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम ने गुरुवार को गुड़म्बा व मड़ियांव में चार अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त की। प्रवर्तन जोन-5 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि अब्दुल रब व अन्य द्वारा गुड़म्बा के ग्राम पैकरामऊ में लगभग 15 हजार वर्गमीटर में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। इसके अलावा अजीत कुमार, जुबैर व अन्य द्वारा गुड़म्बा के ग्राम सिवान में दो अलग स्थानों पर लगभग 38 हजार वर्गमीटर में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग करके कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत न कराने पर ध्वस्त कर दी। प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने बताया कि श्रीराम रावत व अन्य द्वारा मड़ियांव में फैजुल्लागंज पुलिस चौकी के सामने कृष्ण लोक कालोनी में लगभग चार बीघा में अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की गई।

भाकियू ने समाप्त किया धरना

अमृत विचार, लखनऊ : बरावनकला क्षेत्र में अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई के विरोध में चल रहा धरना गुरुवार को समाप्त हो गया। नगर निगम ने कांजी हाउस में निरुद्ध पशुओं छोड़ दिया। 12 सितंबर को नगर निगम की टीम ने दुबग्गा थाना अंतर्गत बरावनकला में अवैध डेयरियों पर कार्रवाई कर चार भैंस, दो छोटी पड़िया और दो गाय कब्जे में लेकर पीजीआई स्थित कांजी हाउस भेजा था। इसके विरोध में भाकियू ने धरना शुरू कर दिया था। यूनियन नेताओं के अनुरोध पर बुधवार को महापौर सुषमा खर्कवाल ने हस्तक्षेप किया। वार्ता के बाद पर्वतीय महापरिषद अध्यक्ष गणेश चंद्र जोशी ने नगर निगम कोष में पशुपालकों की ओर से जुर्माना राशि जमा की। इसके बाद निगम ने पशुओं की रिहाई का आदेश जारी किया।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

अमृत विचार, लखनऊ : बाराबंकी के श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी स्थित फार्मेसी संस्थान ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर गुरुवार को दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। थिंक हेल्थ, थिंक फार्मासिस्ट की थीम पर निशा हेल्थकेयर एंड एजुकेशनल सोसाइटी के सहयोग से स्वास्थ्य जांच और जागरूकता शिविर लगाया। विद्यार्थियों ने सीएसआईआर-सीडीआरआई का शैक्षिक भ्रमण किया। ट्रांसलेशनल ऑन्कोलॉजी एवं ड्रग डेवलपमेंट विशेषज्ञ डॉ. अपर्णा गुप्ता ने व्याख्यान दिया। आयोजन चांसलर इं. पंकज अग्रवाल, प्रो-चांसलर इं. पूजा अग्रवाल, यूनिवर्सिटी एडवाइजर आरुषि अग्रवाल और वाइस-चांसलर डॉ. विकास मिश्रा के संरक्षण में किया गया। डॉ. मंजू पांडे और सरिता सिंह, डॉ. रुचि सिंह, प्रगति सिंह, अनुपम कुमार पाल और शिवांगी शर्मा सहित संकाय सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

नौ महीने से खड़ीं डबल डेकर बसों को अक्टूबर से मिलेगी ऊर्जा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अगले महीने तक तैयार हो जाएगा चार्जिंग स्टेशन
- बजट जारी, बिजली विभाग ने चिह्नत किया स्थल

अमृत विचार: बाराबंकी डिपो में 9 महीने से खड़ीं डबल डेकर बसों को जल्द ही ऊर्जा मिलने वाली है। बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अक्टूबर तक स्टेशन तैयार होने की संभावना है। इसके बाद बाराबंकी डिपो में खड़ी सभी आठ डबल डेकर बसों का संचालन यूपीएसआरटीसी शुरू कर देगा।

परिवहन निगम ने चार्जिंग स्टेशन निर्माण के लिए धनराशि आवंटित कर दी है। बिजली विभाग ने भी एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) जारी कर स्थान चिन्हित कर लिया है। बताया गया है कि अक्टूबर माह के अंत तक चार्जिंग स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। इन बसों के संचालन के लिए बाराबंकी से कमता होते हुए शहीद पथ के रास्ते अमौसी तक का रूट तय किया गया है।

बसों को चलाने से पहले परिवहन विभाग को विभिन्न सरकारी एजेंसियों से आवश्यक एनओसी लेनी होगी, जिसकी प्रक्रिया फिलहाल प्रगति पर है।

एआरएम जमीला खातून ने बताया कि शुरुआत में बसों के संचालन को देखते हुए स्थायी के साथ अस्थायी चार्जिंग स्टेशन भी तैयार किए जा रहे हैं ताकि शुरुआती चरण में किसी प्रकार की बाधा न आए।

डबल डेकर बस के पास खड़े कर्मचारी।

वापसी यात्रा का टिकट साथ बुक कराने पर रेलवे देगा 20 फीसदी छूट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- त्योहारों पर भीड़ को देखते हुए शुरू की गई राउंड ट्रिप योजना
- टिकट कंफर्म होने पर ही मिलेगा योजना का लाभ

अमृत विचार : इस बार त्योहारों में यात्री रेलवे की राउंड ट्रिप पैकेज योजना का लाभ यात्री उठा सकते हैं। यानी आने-जाने का टिकट एक साथ बुक कराने पर आईआरसीटीसी किराए में 20 फीसदी की छूट देगा। योजना का लाभ कंफर्म टिकट होने पर ही मिलेगा।

दरअसल, त्योहारों के समय लोग लंबी दूरी की यात्रा के लिए ट्रेन को ही प्राथमिकता देते हैं, जिससे ट्रेनों में दशहरा, छठ और दीपावली पर भीड़ अधिक होती है। इस बार रेलवे प्रशासन ने भीड़ को ध्यान में रखते हुए राउंड ट्रिप पैकेज की शुरुआत अगस्त माह में ही कर दी थी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए यात्रियों को एक साथ आने और जाने दोनों की टिकट लेना अनिवार्य होगा। तभी 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी, केवल एक तरफ की बुकिंग करने पर यह छूट नहीं मिलेगी। इसके अलावा यात्रियों को पहले जाने वाली यात्रा के लिए टिकट बुक

करना होगा, जिसकी शुरुआत 13 अक्टूबर से होगी। ऐसे में जिन यात्रियों को कहीं जाना है वह 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर के बीच शुरू होने वाली ट्रेनों में सीट आरक्षित करा सकते हैं। इसके बाद कनेक्टिंग जर्नी सुविधा का उपयोग करके वापसी यात्रा के टिकट बुक किये जायेंगे, जो 17 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच शुरू होने वाली ट्रेनों के लिए होंगे।

आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि इस योजना के तहत बुकिंग अगस्त में ही शुरू हो गई थी। ऐसे में यात्रा की शुरुआत के लिए टिकट 13 से 27 अक्टूबर के बीच की तारीखों पर बुक किये जा सकते हैं, वहीं वापसी की यात्रा की टिकट 17 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच बुक होंगे। उन्होंने बताया कि वापसी यात्रा की बुकिंग के लिए अग्रिम आरक्षण अवधि (एआरपी) लागू नहीं होगी।

संत गाडगे प्रेक्षागृह में राज्य नाट्य समारोह की पहली संध्या में नाटक रश्मिरथी का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

रश्मिरथी में दिखाया कर्ण का चरित्र

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की ओर से अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में आयोजित राज्य नाट्य समारोह की पहली संध्या में नाटक रश्मिरथी का मंचन किया गया। रामधारी सिंह दिनकर के खंडकाव्य रश्मिरथी पर आधारित नाटक में कर्ण के चरित्र को महाभारत की सीमाओं से ऊपर उठाकर नैतिकता, संघर्ष और समाज के समक्ष उसकी स्वीकार्यता को प्रस्तुत किया गया। नाटक में कर्ण की मनोदशा आज वर्तमान समय में ज्यादातर युवकों की मनोदशा के रूप में दिखती है। इस पौराणिक कथा में कर्ण का चरित्र एक संघर्षशील, दृढ़ संकल्पवान युवा के रूप में परिलक्षित होता है। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह मुख्य अतिथि रहे। अकादमी अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत, उपाध्यक्ष विभा सिंह, निदेशक डॉ. शोभित कुमार नाहर, मंत्री के सलाहकार जेपी सिंह मौजूद रहे।

नाटक में कर्ण की गोद में परशुराम की निद्रा का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

इन्होंने किया अभिनय कर्ण की भूमिका निर्देशक मानवेन्द्र त्रिपाठी ने निभाई। राज मौर्य, अनिल गौड़, आकांक्षा, प्रमोद कुमार सिंह, अमित पटेल, नवनीत जयसवाल, राधेश्याम, महेश तिवारी, विजय सिंह, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, अखिलेश कसौधन, आलोक सिंह, सौरभ चौधरी, सोमनाथ शर्मा, पल्लवी सिंह, शिवा श्रीवास्तव, रितिका सिंह, पूर्णिमा आनंद, दिव्या अखिलेश, पंकज, सौरभ और सोमनाथ ने अभिनय किया।

13 को बिकेंगे सहारा बाजार समेत चार कॉम्पलेक्स

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण पॉलीटेक्निक स्थित सहारा बाजार समेत चार कॉम्पलेक्स बेचेगा। 10 अक्टूबर तक ई-ऑक्शन के पंजीयन मांगे हैं और 13 अक्टूबर को बोली लगाकर नीलामी की जाएगी।

एलडीए ने 4741 वर्गमीटर का व्यावसायिक भूखंड 9 जनवरी 1987 को सहारा इंडिया कार्पोरेशन लिमिटेड को 30-30 वर्ष की लीज पर आवंटित किया था। 9 जनवरी 2017 को लीज अवधि समाप्त होने के बाद आवंटी द्वारा नवीनीकरण नहीं कराया गया। एलडीए ने शर्तों का उल्लंघन करने पर इसी 20 जून को दुकानें खाली कराकर परिसर सील करके कब्जे में लिया था। जिसकी 13 अक्टूबर को बिक्री की जाएगी। कॉम्पलेक्स में करीब 150 दुकानों में 25 का अनुबंध हैं, जिन्हें शर्तों के आधार पर वहीं समायोजित किया जाएगा। साथ में रतनखंड कॉम्पलेक्स, मानसरोवर कॉम्पलेक्स सेक्टर-ओ व नेहरू इन्क्लेव कॉम्पलेक्स की नीलामी की जाएगी। इनमें कुछ कॉम्पलेक्स पुराने और कुछ लीज खत्म होने पर खाली कराए गए थे।

तेंदुए की अफवाह के प्रति लोगों को जागरूक करते वन विभाग के कर्मचारी।

एआई से वीडियो बनाकर फैला रहे तेंदुए की दहशत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पुलिस-वन विभाग को नहीं मिले तेंदुए की मौजूदगी के निशान
- गश्त और रेस्क्यू के लिए वन विभाग ने टीमें लगाईं

अमृत विचार : आशियाना के रूचि खण्ड में तेंदुए की मौजूदगी की खबर से वन विभाग सतर्क हो गया है और तलाशी लिए टीमें लगा दी हैं। पुलिस ने भी निगरानी शुरू कर दी है। पुलिस की जानकारी में आया है कि कुछ अराजकतत्व एआई तकनीक से वीडियो बनाकर इलाके में तेंदुए की मौजूदगी की अफवाह फैला रहे हैं। चर्चा है कि ऐसे एक युवक को वन विभाग की टीम ने पकड़ भी लिया है। आशियाना थाने के इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में कहीं भी तेंदुए की मौजूदगी के संकेत नहीं मिले हैं।

डीएफओ सितांशु पांडेय ने बताया कि शहरी और सरोजनीनगर रेंज के कर्मचारियों की टीमें निगरानी के लिए लगाई गई है। वन विभाग ने उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज को नोडल अधिकारी नामित कर सुरक्षा और रेस्क्यू उपकरणों के साथ टीमें दिन रात गश्त कर रही हैं। संभावित स्थानों पर ट्रैप कैमरे भी लगाए गए हैं। स्थानीय लोगों को सतर्क के लिए एडवाइजरी भी जारी की गई है। रात में टॉर्च, मशाल और डंडे लेकर ही बाहर निकलें। कहीं, किस प्रकार के वन्य जीव गतिविधि मिलने पर तुरंत वन विभाग या पुलिस को सूचना दें। डीएफओ ने कहा कि वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि अराजकतत्वों एआई के जरिए बने वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर अफवाह फैला रहे हैं। ऐसे अराजकतत्वों के खिलाफ स्थानीय वन कर्मियों ने थानों में तहरीर दी है। सतर्क रहें, लेकिन ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही ऐसी किसी वीडियो को फारवर्ड ही करें।

व्यापारियों ने शहर में निकाली स्वदेशी संकल्प यात्रा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- स्वदेशी जागरण मंच और अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने किया आयोजन
- संगोष्ठी में लोगों को दिलाया स्वदेशी अपनाने का संकल्प

अमृत विचार : स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश कौशल विकास संस्थान अलीगंज में गुरुवार को संगोष्ठी एवं संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में व्यापारी नेता ने छात्रों एवं उपस्थित जनों से हाथ उठाकर स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलाया। अलीगंज से शुरू हुई स्वदेशी संकल्प यात्रा कपूरथला डंडहिया महानगर, निशातगंज, आईटी होते हुए रामकृष्ण मठ निराला नगर पर संपन्न हुई। इसमें स्वदेशी रथ के साथ दर्जनों दो पहिया एवं चार पहिया वाहन शामिल रहे।

संगोष्ठी में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने कहा कि स्वदेशी अब सिर्फ नारा नहीं संकल्प होना चाहिए।

इसकी शुरुआत प्रत्येक भारतीय को अपने घर और स्वयं से ही करनी पड़ेगी तभी हम भारत को मजबूत कर सकते हैं। जब तक मन में यह संकल्प नहीं होगा कि भारत दूध दही का देश है यहां पर पेप्सी और कोका कोला की क्या जरूरत है। स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्र संयोजक अनुपम श्रीवास्तव ने ऑनलाइन के बजाए बाजारों में खरीदारी करने का संकल्प दिलाया।

लघु उद्योग भारती की प्रदेश उपाध्यक्ष रीता मित्तल, अवध प्रांत संयोजक अमित सिंह मातृशक्ति से बच्चों को स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलाने की अपील की।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, आकाश गौतम, अनिल शुक्ला, ज्योती सिंह, राजीव कक्कड़, एकता अग्रवाल, मुकेश कुमार नाग, अनिल अग्रवाल, कमल गुलाटी, अनूप गुप्ता, पुनीत हवेलिया, शरद तिवारी, आनंद अग्रवाल, विशाल सिंह, शिखा सिंह, महेश राठौर, सचिन कंछल, रंजय शर्मा, लविश अग्रवाल सहित स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अस्पताल का आठ माह से बिल बकाया, कटी बिजली

अमृत विचार, लखनऊ : त्रिवेणी नगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का आठ माह से बिजली बिल बकाया होने पर गुरुवार को बिजली विभाग ने कनेक्शन काट दिया। इससे वहां पर लगी मशीन बंद हो गयी। जिससे मरीजों को बिना जांच वापस लौटना पड़ा। पीएचसी प्रभारी ने सीएमओ को पत्र भेजकर पूरे मामले की जानकारी दी है। त्रिवेणी नगर पीएचसी की ओपीडी में हर दिन 40-50 मरीज इलाज के लिए आते हैं। यहां पर खून से जुड़ी जांच की सुविधा है। विभाग ने यहां पर मशीन भी स्थापित कर रखी है। गुरुवार को दोपहर करीब 12 बजे बिजली विभाग के कर्मचारी कनेक्शन काटने पहुंच गए। डॉक्टर व स्टाफ ने कर्मचारियों से बिजली काटने से मना किया मगर वह नहीं माने। कर्मचारियों ने सीढ़ी लगाकर कनेक्शन काट दिया। इससे पीएचसी में चिकित्सकीय कार्य बाधित हो गया। ओपीडी से मरीजों को बिना इलाज लौटना पड़ा।

जागरुकता स्वच्छता ही सेवा और एक दिन - एक घंटा - एक साथ अभियान के अंतर्गत नगर निगम ने शुरू किया 156 घंटे का महासफाई अभियान

बच्चों ने मानव श्रंखला बनाई, ली सफाई रखने की शपथ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ नगर निगम ने स्वच्छता ही सेवा और एक दिन - एक घंटा - एक साथ अभियान के अंतर्गत गुरुवार को 156 घंटे का महासफाई अभियान शुरू किया। जोन-8 के विद्यावती तृतीय वार्ड स्थित पावर हाउस चौराहा अभियान की शुरुआत करते हुए महापौर सुषमा खर्कवाल कहा कि यह अभियान केवल सफाई कार्य तक सीमित नहीं है बल्कि नागरिकों की जीवनशैली में स्वच्छता को शामिल करने का प्रयास है। स्वच्छ लखनऊ का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा।

अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव के नेतृत्व में अंबेडकर नगर वार्ड, जोन-2 स्थित न्यू ऑलमाइटी स्कूल में बच्चों को गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण के बारे में बताया गया। बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया और शपथ ली कि वे सदैव अपने आस-पास सफाई रखेंगे। इसी क्रम में राजाजीपुरम, लेबर कॉलोनी और मोतीलाल नेहरू वार्ड में श्रमदान हुआ। गलियों और पिछली सड़कों की सफाई की गई तथा नागरिकों को सफाई और स्वच्छ आदतों का महत्व बताया गया।

अटल विहारी वार्ड में नागरिकों को गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण से अवगत कराया गया। हिंद नगर और शारदा नगर वार्डों में लोगों ने एकल उपयोग प्लास्टिक से परहेज करने और स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली। विद्यावती वार्ड में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। यहां महापौर स्वयं श्रमदान में शामिल हुईं और निवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

विद्यावती वार्ड में झाड़ू लगातीं महापौर सुषमा खर्कवाल, साथ में अन्य लोग।

जोन-4 और 7 के हुसड़िया, हनुमान और भूतनाथ मार्केट में नगर निगम की टीम ने दुकानदारों को चार रंगों के डस्टबिन (नीला- सूखा, हरा- गीला, काला- घरेलू हानिकारक और पीला- सैनिटरी वेस्ट) के उपयोग के बारे में जानकारी दी। इसी तरह जोन-5 के गीता पाली, चित्रगुप्त नगर और गुरु नानक वार्ड में गलियों की सफाई कर लोगों को कचरे के पृथक्करण का महत्व बताया गया। गोल मार्केट पार्किंग परिसर (जोन-3), भूतनाथ मंदिर परिसर (जोन-7) और ग्वारी चौराहा पर सामूहिक सफाई अभियान आयोजित किया गया।

कान्हा गोशाला से सीखी संचालन की बारीकियां

अमृत विचार, लखनऊ : नगरीय निकाय निदेशालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण के अंतर्गत गुरुवार को पशु कल्याण अधिकारियों एवं नगर स्वास्थ्य अधिकारियों के दल ने कान्हा गोशाला का भ्रमण किया। लखनऊ नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने अधिकारियों को पशु देखभाल, पोषण प्रबंधन तथा चिकित्सा संबंधी आधुनिक व्यवस्थाओं की बारीकियां बताईं। इससे कि यह अपने क्षेत्रों की गोशालाओं में इसी तर्ज पर कार्य कर सकें। परिसर में अधिकारियों को बताया गया कि किस तरह से गोवंशों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण, संतुलित आहार, समय पर चिकित्सीय सुविधा तथा उचित आश्रय उपलब्ध कराया जाता है।

संघ की नई कार्यकारिणी के साथ आरटीओ प्रशासन संजय तिवारी, एआरटीओ प्रशासन पीके सिंह।

उप्र. संभागीय परिवहन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बने किशन चन्द्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश संभागीय परिवहन कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन और निर्वाचन आरटीओ सभागार में हुआ।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की जिलाध्यक्ष अमिता त्रिपाठी व आईटीआई संघ के प्रांतीय सचिव विवेक की देखरेख में हुए इस चुनाव में किशन चन्द्र अध्यक्ष, यशवंत सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सरफराज जिला सचिव एवं मंत्री चुने गए।

निलेश सिंह को संगठन मंत्री, प्रकाश नारायण यादव कोषाध्यक्ष व फैज खान संप्रेक्षक आडीटर पद पर जीते। उप्र. संभागीय परिवहन अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रवण कुमार सिंह, सचिव पवन कुमार त्रिपाठी और अमित श्रीवास्तव मौजूद रहे। नई कार्यकारिणी चयन के बाद आरटीओ प्रशासन संजय तिवारी एवं एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

सचिवालय में नौकरी का झांसा देकर ऐंठे 8 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : मूल रूप से उन्नाव के हसनगंज निवासी आलोक कुमार तिवारी और छोटे भाई अभिनव मड़ियांव के शिवनगर में बहन के घर रहते हैं। आलोक एचडीएफसी बैंक के एटीएम बूथ पर सिक्योरिटी गार्ड है। 20 अप्रैल को उनकी मुलाकात सीतापुर के कसांवा निवासी हर्षित त्रिपाठी निवासी से हुई। उसने खुद को सचिवालय में बाबू बता नौकरी का झांसा दिया। नहले बापू भवन बुलाया फिर फोन पर एक महिला से बात कराई। महिला ने खुद को सचिव बताकर दोनों भाइयों की चपरासी के पद पर नौकरी लगवाने की बात कही। इसके एवज में 8 लाख रुपये मांगे। पीड़ित ने रुपये दे दिए। डीसीपी उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी के आदेश पर मड़ियांव पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

दबंगों ने युवक पर रॉड से किया हमला

अमृत विचार, लखनऊ : ठाकुरगंज पुलिस की लापरवाही के कारण 10 दिन के अंदर दबंगों ने दो घटना को अंजाम दिया। बालागंज निवासी इमरान के मुताबिक वह गुरुवार दोपहर को हरि नगर चौराहे पर थे। इसी बीच दबंग मान सिंह चौहान, कार्तिक सिंह चौहान, सूरज चौरसिया, ऋषभ सिंह, हर्ष पटेल व 10 अन्य लोग पहुंचे। अचानक से उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने रॉड से हमला किया। जिसमें उनके सिर पर चोट आई। एसीपी चौक राजकुमार सिंह के मुताबिक पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। गौरतलब है कि बालागंज निवासी वकील ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ज्ञानू 14 सितंबर की दोपहर को ठाकुरगंज थाने में एक मामले की पैरवी करने जा रहे थे। ठाकुरगंज थाने से कुछ दूर पहले ही सूरज चौरसिया, अमन सिंह, ऋषभ सिंह, हर्ष पटेल उर्फ बिट्टू ने उन पर हमला कर दिया था। आरोपी ऋषभ सिंह पर ठाकुरगंज थाने में आधा दर्जन मामले दर्ज हैं।

व्यापारी के घर पर किया हमला

अमृत विचार, पीजीआई : थाना क्षेत्र के साउथ सिटी में रहने वाले कारोबारी हेमंत कुमार राय के घर पर रविवार को दबंगों ने हमला किया। पीड़ित हेमंत राय ने तहरीर में मालवथ शेखर, लकावथ श्रीनिवास, पवन कुमार, ई विनोद कुमार, ई प्रेम कुमार, मुधावथ राजू, एन रवि, विजय पासवान, जनार्दन यादव, राजेश कुमार, अमानगंटी विक्रम और विक्रम सिंह को आरोपी बनाया है। इसके अलावा तेलंगाना, लखनऊ और बाराबंकी के 20-25 अज्ञात लोगों पर भी आरोप लगाया है। हेमंत राय का कहना है कि विवाद पुराने लेन-देन को लेकर है। उनका दावा है कि आरोपियों का इरादा केवल डराने-धमकाने का नहीं था, बल्कि उन्हें जान से मारने की भी योजना थी। उनका कहना है कि वह ज्यादातर समय मुंबई में रहते हैं जबकि परिवार लखनऊ में रहता है। लगातार धमकियों से पूरा परिवार भयभीत है। पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

चेन लूट के बाद व्यापारी की जान लेने वाला बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

पैर में गोली लगने से घायल बदमाश अस्पताल में भर्ती, भाई भाग निकला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गुडंबा के रजौली गांव के पास चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़
- सीतापुर जिले के पहाड़पुर गांव के रहने वाले हैं बदमाश

अमृत विचार : जानकीपुरम में चार नंबर चौराहे के पास व्यापारी की चेन लूटने और हत्या करने के आरोपी एक बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। पैर में गोली लगने से घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश का भाई भाग निकला, उसकी तलाश में टीमें लगाई गई हैं।

जानकीपुरम में चार नंबर चौराहे के पास व्यापारी अतुल कुमार जैन (42) की बाइक सवार बदमाशों ने चेन लूट ली थी। पीछा करने पर बदमाशों ने उनकी स्कूटी में लात मार दी थी। सड़क किनारे खड़े चार पहिया लोडर में सिर टकराने से जैन की मौत हो गई थी। पुलिस की टीमें बदमाशों की तलाश कर रही थीं। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के मुताबिक गुरुवार तड़के गुडंबा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम गश्त कर रही थी। कुर्सी रोड पर रजौली गांव के पास बाइक से निकले संदिग्ध बदमाशों को रुकने का इशारा किया। बदमाशों ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। पुलिस टीम के पीछा करने पर फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस टीम की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। इससे वह गिर पड़ा, लेकिन दूसरा बदमाश भाग निकला। घायल बदमाश ने अपना नाम अरविंद बताया है। वह सीतापुर जिले के महमूदाबाद थाना क्षेत्र के पहाड़पुर का रहने वाला है। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया है। भागा बदमाश उसका भाई संजय यादव है। उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। खुलासे के लिए एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह के नेतृत्व में छह टीमें लगाई गई थी।

वारदात के समय परिजन ने चेन लूट के बाद हत्या का आरोप लगाया था, लेकिन पुलिस ने हादसे की रिपोर्ट दर्ज की थी। गिरफ्तार बदमाश के कुबूलनामे के बाद लूट के बाद हत्या की बात पुलिस भी मान रही है। इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि एफआईआर में हत्या व लूट की धारा बढ़ाई जाएगी।

हेलमेट बदलने में हुई बदमाशों की पहचान

■ एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह के मुताबिक हाईवे पर बदमाशों का सुराग न लगने पर पुलिस टीम ने किसानपथ कट से जाने वाले लिंक मार्ग के सीसीटीवी कैमरे चेक किए। बीकेटी से सीतापुर जाने वाले लिंक रोड पर एक जगह लगे सीसीटीवी कैमरे में देखा गया कि बाइक चला रहे बदमाश अरविंद ने बाइक रोकी। वह पीछे बैठने लगा और उसका भाई संजय बाइक चलाने के लिए आगे आया। संजय और अरविंद ने गमछा और हेलमेट एक दूसरे को दिया। यहीं दोनों का चेहरे साफ दिख गये। पहचान के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की। गुरुवार तड़के दोनों बदमाश से कुर्सी रोड के रजौली गांव में पुलिस से मुठभेड़ हो गई। अरविंद के पास से बिना नंबर की बाइक, एक कारतूस, एक खोखा, लूटी गई चेन को बेचने के बाद मिले 65,200 रुपये, एक चेन का टुकड़ा मिला।

मुठभेड़ स्थल पर पड़ी बदमाश की बाइक के पास खड़े पुलिसकर्मी। अमृत विचार

400 मीटर दायरे में नहीं लगा है सीसीटीवी

■ एडीसीपी पूर्वी अमित कुमावत के मुताबिक वारदात जानकीपुरम में एसबीआई एटीएम से लेकर आकांक्षा कालोनी के बीच हुई है। इस 400 मीटर की दूरी पर एक भी सीसी कैमरा नहीं लगा है। इस सरकारी कालोनी में कैमरे लगाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों से पत्राचार किया जाएगा। उच्चाधिकारियों से बात की जा रही है। वारदात के बाद पुलिस सीतापुर, बाराबंकी, हरदोई रोड, किसान पथ पर बदमाशों की तलाश में सीसी कैमरे खंगालती रही। बदमाश किसानपथ पर कुछ दूर चलकर अंडर पास से नीचे उतरे और फिर अस्ती रोड से बीकेटी, लिंक मार्ग पकड़कर महमूदाबाद सीतापुर भाग निकले थे।

पड़ोसी को महिला ने मारा चाकू

अमृत विचार, लखनऊ : गाजीपुर के लवकुशनगर इलाके में पड़ोसी महिला ने बेटी को स्कूल छोड़ने जा रहे युवक पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक घायल हो गया। पुलिस ने दंपति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरु कर दी है। लवकुशनगर निवासी अनीता सिंह ने बताया कि 24 सितंबर की सुबह पति सूरज बेटी को स्कूल छोड़ने के लिए घर से निकले। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली अनीता वाल्मीकि और उसके पति महावीर ने हमला कर दिया। विरोध पर अनीता ने सूरज के सिर पर चाकू से वार कर दिया। वार लगने से वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया। घटना के बाद आरोपी दंपति भाग निकले। घायल को परिजन ने लोहिया अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी दंपति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

यौन शोषण का आरोपी व्यापारी भारत-नेपाल बार्डर से गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 27 जून को पीड़िता ने अलीगंज थाने में दर्ज कराई थी रिपोर्ट

अमृत विचार : व्यापार बढ़ाने के नाम पर महिला का यौन शोषण कर करीब पौने दो करोड़ रुपये हड़पने वाले व्यापारी को जानकीपुरम पुलिस ने बहराइच में भारत नेपाल बार्डर स्थित रूपईडिहा से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अमरीश अग्रवाल अमीनाबाद के बरौनी खंदक केशव बहादुरी लेन का रहने वाला है। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को जेल भेज दिया है। इंस्पेक्टर जानकीपुरम विनोद कुमार तिवारी ने एक अन्य आरोपी की भूमिका की जांच की जा रही है।

एडीसीपी उत्तरी अमोल मुर्कुट ने बताया कि 27 जून को पीड़िता ने अलीगंज थाने में अमरीश अग्रवाल व अंकित के खिलाफ दुष्कर्म, गर्भपात, धोखाधड़ी समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करायी थी। आरोप था कि मार्च 2013 में व्यापार बढ़ाने और निवेश के संबंध में व्यापारी अमरीश अग्रवाल से मुलाकात हुई थी। आरोपी ने प्रेम जाल में फंसाकर उसे पति से अलग किया और फिर धीरे-धीरे उसकी पैतृक जमीन बेचकर करीब 1.72 करोड़ रुपये हड़प लिए। आरोपी ने उसका यौन शोषण किया। विरोध करने पर आरोपी ने उसकी बच्ची के साथ गलत काम करने की धमकी दी। यही नहीं आरोपी अपनी नग्न फोटो व्हाट्सएप पर भेजता था। इंकार करने पर मारपीट करता था। आरोपी ने कई बार गर्भपात भी कराया था। मामले की जांच जानकीपुरम इंस्पेक्टर को सौंपी गयी थी।

छात्रा को छेड़ा, दुष्कर्म-एसिड अटैक की धमकी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- शादी से इंकार पर आरोपी ने भाइयों व साथियों संग घर में घुसकर की मारपीट
- कोर्ट के आदेश पर जानकीपुरम थाने में छह भाइयों समेत सात पर दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : जानकीपुरम इलाके में युवक ने छात्रा पर शादी का दबाव बनाया। इंकार पर घर में घुसकर छेड़छाड़ कर एसिड अटैक और सामूहिक दुष्कर्म की धमकी दी। सहमी छात्रा ने कॉलेज जाना बंद कर दिया तो भाइयों के साथ घर में घुसकर परिजन को पीटा। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने सात नामजद व दो अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

थाना क्षेत्र की अधेड़ महिला ने बताया कि 9 अगस्त को दोपहर सत्यवान पाई भाइयों टोनी, अरुण, सत्यम, प्रेम, छोटू, ओमकार व दो अन्य अज्ञात ने घर में घुस आया और मारपीट की। सत्यम ने बेटी से शादी का दबाव बनाया। इंकार करने पर दुष्कर्म की धमकी दी। वह स्कूल आते-जाते बेटी का पीछा करता था। महिला ने जानकीपुरम थाने में शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद सत्यम ने घर में घुसकर छेड़छाड शुरु कर दी। वह एसिड अटैक व सामूहिक दुष्कर्म की धमकी दे रहा है। पुलिस अधिकारियों से शिकायत करने पर सत्यम ने छात्रा के भाई पर हमला कर दिया। कार्रवाई न होने पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। निर्देश पर जानकीपुरम पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट, छेड़छाड़, धमकी समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

महिला के फाड़े कपड़े, विरोध पर पीटा

■ **अमृत विचार, लखनऊ :** जानकीपुरम इलाके में महिला बच्चों के साथ रहती है। पीड़िता ने बताया कि बुधवार दोपहर विनीत सिंह व शुभम दुबे घर के बाहर आकर गाली-गलौज करने लगे। आवाज सुनकर पीड़िता बाहर निकली तो विनीत ने मारपीट करते हुए कपड़े फाड़ दिए। विरोध करते हुए अश्लील हरकत शुरु कर दी। चींखपुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी धमकाते हुए फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मकान में लगी आग, धुएं से खुली नींद तो बाहर भागा परिवार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दो दमकल ने तीन घंटे की मशक्कत कर आग पर पाया काबू
- महानगर में फ्लैट में लगी आग, ताला तोड़कर पाया गया काबू

अमृत विचार : गोमतीनगर के विशेषखंड स्थित दो मंजिला घर में गुरुवार सुबह आग लग गई। धुएं के कारण हुई घुटन से परिवार की आंख खुल गई। किसी तरह से सभी चीखते हुए बाहर भागे। घटना की जानकारी दमकल को दी गई। मौके पर पहुंची दो दमकल ने करीब दो घंटे में आग पर काबू पा लिया। महानगर के विज्ञानपुरी स्थित अपार्टमेंट के फ्लैट में शाम को आग लग गई। पड़ोसियों ने ताला तोड़कर फायर एक्टिंग्यूशर की मदद से आग पर काबू किया।

विशेषखंड-3 स्थित वीना अग्रवाल दो मंजिला मकान में परिवार के साथ रहती हैं। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे घर में आग लग गई। धुएं के कारण सांस लेने में दिक्कत होने पर वीना की नींद खुली। उन्होंने शोर मचाया, घरवाले उठे और सभी बाहर आ गए। करीब 6:30 बजे दमकल को सूचना दी गई। एफएसओ गोमतीनगर सुशील यादव ने बताया कि टीम के साथ कुछ ही देर में दो दमकल के साथ पहुंच गए। दमकल कर्मी पहुंचे तो घर से लपटें और धुआं निकल रहा था। परिवार के लोग सही सलामत बाहर आ चुके थे। दमकल कर्मियों ने दो घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आ रही है। आग पहली मंजिल से शुरू होकर दूसरे मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया था। आग की चपेट में आकर घरेलू सामान जलकर बर्बाद हो गया।

आग लगने से घर में उठता धुआं। अमृत विचार

वहीं, महानगर के विज्ञानपुरी स्थित मेगा पार्क व्यू अपार्टमेंट के पहले तल पर स्थित पन्ना के फ्लैट में गुरुवार शाम को आग लग गयी। धुआं व आग की लपटें देख पड़ोसियों ने पुलिस और दमकल को सूचना दी। हजरतगंज से दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची।

अपार्टमेंट के जीने में धुआं भर गया था। दमकलकर्मियों ने सभी तलों व छत को चेक कर सभी लोगों को बाहर निकाला। उसके बाद पन्ना के फ्लैट के कमरे में लगी आग को पूरी तरह से काबू कर लिया। बताया जा रहा है कि पड़ोसियों ने फ्लैट का ताला तोड़कर फायर एक्टिंग्यूशर की मदद से काफी हद तक आग पर काबू पा लिया था। एक कमरे में रखा कुछ सामान जला है।

शॉर्ट सर्किट से केजीएमयू की लाइब्रेरी में लगी आग

■ **अमृत विचार, लखनऊ :** किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) की केंद्रीय लाइब्रेरी में बुधवार देर रात आग लग गई। चौक फायर स्टेशन से एक दमकल पहुंची, लेकिन उससे पहले ही आग पर काबू पा लिया गया था। केजीएमयू में पीछे की ओर इंडियन बैंक के बगल में केंद्रीय लाइब्रेरी बनी है। लाइब्रेरी में बुधवार रात करीब दो बजे एसी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। रात की ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों ने लाइब्रेरी से धुआं निकलते देखा तो तुरंत ही तत्परता दिखाते हुए केजीएमयू प्रशासन और चौक फायर स्टेशन पर सूचना दी। इतना ही नहीं कर्मचारियों ने आग बुझाना भी शुरू कर दिया। फायर एक्सटिंग्यूसर व पाइप से पानी डालकर चंद मिनटों में आग पर काबू पा लिया। दमकल पहुंची तो अग्निशमन कर्मियों ने लाइब्रेरी के अंदर पहुंचकर आग को पूरी तरह से बुझाया। फायर विभाग की माने तो रात में लाइब्रेरी का एसी खुला रहा गया था। इस वजह से शार्ट सर्किट हो गया। लाइब्रेरी में आग फैल गई। घटना की केजीएमयू प्रशासन भी अंदरूनी जांच कर रहा है। लाइब्रेरी के इंचार्ज डॉ. दिव्य नारायण उपाध्याय ने बताया किरीडिंग रूम के एक एसी में लगी थी। फायर अलार्म के तुरंत बज जाने से फायर इंजन और केजीएमयू का फायर सेफ्टी स्टाफ पहुंच गया और आग बुझा दी

छात्र की चलती कार पर चढ़कर डंडे से तोड़े शीशे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- करीब 300 मीटर तक उत्पात मचाते रहे आरोपी छात्र
- रिपोर्ट दर्ज कर शांत बैठ गई सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस

अमृत विचार : सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में निजी स्कूल के छात्र की कार पर स्कूल के एक छात्र ने साथियों के साथ हमला कर दिया। लाठी-डंडे से शीशे तोड़ डाले। करीब 300 मीटर तक गुंडई करते रहे। राहगीरों और पुलिस के दौड़ने पर भाग निकले। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की, लेकिन अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है।

आलमबाग सुजानपुरा निवासी परमीत सिंह सुशांत गोल्फ सिटी स्थित निजी स्कूल में इंटर का छात्र है। वह 12 सितंबर को स्कूल की छुट्टी होने के बाद कार में घर निकला था। कुछ दूरी पर स्कूल के एक छात्र ने 12-13 साथियों के साथ कार घेर कर गाली-गलौज शुरू कर दी। चालक ने कार बढ़ाई तो हमलावर लाठी डंडे लेकर बोनट और छत पर चढ़ गए। लाठी-डंडों से शीशे तोड़ डाले। शोर मचाने पर राहगीरों व पुलिस कर्मी दौड़े तो हमलावर धमकाते हुए भाग निकले। घटना ट्रैफिक पुलिसकर्मी रवि कुमार के सामने हुई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर एक नामजद व अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपी छात्र बलिया और बस्ती के रहने वाले हैं। उनकी तलाश की जा रही है। पीड़ित छात्र के पिता ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं होने की वजह से बेटा बहुत डरा हुआ है। वह स्कूल नहीं जा रहा है।

छात्रा से अश्लील हरकत पर जड़ा था थप्पड़

■ पीड़ित छात्र ने पुलिस को बताया कि 4 सितंबर को आरोपी छात्र ने क्लॉस में पढ़ने वाली एक छात्रा के साथ अश्लील हरकत की थी। जिस पर छात्रा ने उसे थप्पड़ मार दिया था। वह उस समय छात्रा के साथ था। छात्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही थी, लेकिन आरोपी के घरवालों ने छात्रा के घर जाकर माफी मांग ली थी। आरोप है कि उसी का बदला लेने के लिए आरोपित ने अपने बड़े भाई और अन्य युवकों से हमला करवाया।

जालसाजी

मनी लांड्रिंग का आरोप मढ़कर पांच दिन तक वीडियो कॉल व चैट पर रखा

सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 1.18 करोड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- ईडी अधिकारी बनकर धमकाया पांच खातों में ट्रांसफर की रकम
- पीड़ित ने साइबर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : ईडी अधिकारी बनकर साइबर जालसाज ने सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी को पांच दिन डिजिटल अरेस्ट रखा। मनी लांड्रिंग में गिरफ्तारी का डर दिखा कर पांच बार में 1.18 करोड़ रुपये रुपये खातों में ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर साइबर थाना बृजेश यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

इंदिरानगर सेक्टर -13 निवासी हीरक भट्टाचार्य (79) कृषि विभाग से सेवानिवृत्त हैं। 3 सितंबर को सुबह 10 बजे उनके नंबर पर व्हाट्सएप कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी विजय खन्ना बताया। कहा, आपके नाम से केनरा बैंक दिल्ली में खाता खोला गया है, जिसमें लोग रुपये ट्रांसफर कर रहे हैं। इस सिलसिले में ईडी अधिकारी राहुल गुप्ता आपसे बात करेंगे। फिर दूसरे नंबर से कॉल आई, जिसमें कथित ईडी अधिकारी ने कहा कि खाते से ठगी की रकम जमा होने में आपकी संलिप्तता सामने आई है। तुम्हें गिरफ्तार करने के लिए टीम रवाना हो गई है। हीरक ने अपनी उम्र बताते हुए खुद को बेकसूर बताया। जालसाज ने खातों की जांच के बाद क्लीन चिट देने की बात कही। कहा कि आप लगातार सर्विलांस के रडार पर हो। जांच तक किसी को कुछ भी नहीं बताएंगे, वरना गिरफ्तार करना पड़ेगा। फिर 6 सितंबर को वीडियो कॉल किया। इसी तरह 10 सितंबर तक डिजिटल अरेस्ट कर पांच खातों में 1,18,55,000 रुपये ट्रांसफर करा लिए। रुपये वापस न आने पर संपर्क किया तो तारीखें दी गई। शक होने पर हीरक ने परिजन को जानकारी दी। इसके बाद हीरक ने साइबर थाने में सूचना दी।

बताया कि उनके तीन खातों यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक और केनरा बैंक से इंडसइंड बैंक, बंधन बैंक और एचडीएफसी बैंक में रुपये ट्रांसफर किए थे। साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद पीड़ित नोएडा में बेटे के पास चले गए हैं।

सोशल मीडिया पर लिंक भेज छह से ठगे 79.53 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- शेयर ट्रेडिंग व पार्ट टाइम जॉब के नाम पर पीड़ितों को फंसाया
- पीड़ितों ने साइबर थाने में दर्ज करायी रिपोर्ट

अमृत विचार : शेयर ट्रेडिंग व पार्ट टाइम जॉब के नाम पर साइबर ठगों ने बुजुर्ग व व्यापारी समेत छह लोगों से 79.53 ठग लिए। पीड़ितों ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

इंदिरानगर सी-ब्लॉक निवासी फौजूल बशीर ने बताया कि उनका नंबर साईं इंवेस्टमेंट नाम से व्हाट्सएप ग्रुप पर जोड़ा गया। उसपर गोल्ड व म्यूचुअल फंड पर निवेश पर अच्छा मुनाफे का आश्वासन दिया। उसके बाद एक लिंक भेजा। फिर एक आईडी और पासवर्ड देकर 29 जुलाई से 6 सितंबर के बीच 12 बार में 18 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। करीब पांच गुना मुनाफा दिखने पर पीड़ित ने रुपये निकालने का प्रयास किया तो उन्हें ब्लॉक कर टैक्स की मांग की।

वहीं, पीजीआई निवासी आशीष कुमार ने बताया कि फेसबुक के माध्यम से दिव्यांशी बंसल से संपर्क हुआ। युवती ने ट्रेडिंग का झांसा दिया। उसके बाद लिंक भेजकर कई बार में 18 लाख रुपये जमा करा लिए। उधर, अलीगंज के त्रिवेणीनगर तृतीय निवासी मयंक अग्रवाल ने बताया कि कुछ समय पहले वीआईपी वन इक्विटी इलाइट एक्सचेंज नाम के व्हाट्सएप ग्रुप पर जोड़ा गया। उसके बाद जालसाज ने शेयर पर मुनाफे के नाम पर कई बार में 10,63,948 रुपये जमा करा लिए।

इसके अलावा जानकीपुरम सेक्टर-जी निवासी बुजुर्ग सर्वेश कुमार राणा ने बताया कि जालसाज ने एआई ट्रेडिंग के नाम पर फंसाया। एक लिंक भेजकर पीड़ित ने उनका आईडी व पासवर्ड बनवाया। इसके बाद उनसे 7 लाख रुपये ऐंठ लिए। फिर लंदन की ट्रेडिंग कंपनी से मुनाफे संग रुपये वापस करने के नाम पर 13 प्रतिशत टैक्स के तौर पर 11.70 लाख जमा कराए गए। 18.70 लाख वसूलने के बाद और मांग करने पर पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ।

वहीं, काकोरी के आम्रपाली योजना निवासी बुजुर्ग प्रशांत कुमार ने बताया कि कुछ दिनों पहले टेलीग्राम पर पैक्सफुल सिस्टम मैचिंग टॉस्क के नाम से पांच लोगों का ग्रुप बनाकर उन्हें जोड़ा गया। प्लॉन भेजकर उन्हें टॉस्क दिया गया। उसके बाद बारह बार में 5,61,620 रुपये जमा करा लिए। रुपये निकालने का प्रयास किया तो ठगी का पता चला। उधर, आलमबाग के ओमनगर निवासी व्यापारी असीम कालरा ने बताया कि टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब का मैसेज आया। प्रतिष्ठित कंपनी की महिला एचआर ने टॉस्क और विड्राल के नाम पर कई बार में 8,57,451 रुपये ऐंठ लिए।

इलाज के दौरान महिला की मौत, लापरवाही का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : लोकबंधु अस्पताल के आईसीयू में भर्ती बुखार से ग्रस्त महिला की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया और आईसीयू का वीडियो बनाकर गुरुवार को सोशल मीडिया पर वॉयरल कर दिया, जिसमें आईसीयू में एक भी डॉक्टर नहीं दिख रहा है। बल्कि एक नर्स के भरोसे आईसीयू में भर्ती मरीजों का इलाज होता दिख रहा है। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन से शिकायत की बात कही है।

आलमबाग एलडी कॉलोनी निवासी मंजू (54) को बुखार की शिकायत होने पर परिजनों ने 19 सितंबर को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया था। तीन दिन इलाज के बाद भी महिला की हालत में सुधार नहीं हुआ। डॉक्टरों ने महिला को आईसीयू में शिफ्ट कर दिया। आरोप है कि आईसीयू में मरीजों के इलाज के लिए कोई भी डॉक्टर मौजूद नहीं था। एक नर्स के भरोसे आईसीयू का संचालन हो रहा था। परिजनों का आरोप था कि आईसीयू में लगे मॉनीटर भी गलत रीडिंग दे रहे थे। इलाज दौरान महिला की 22 सितंबर को मौत हो गई थी। परिजनों ने गुरुवार को इसका वीडियो वॉयरल किया। इससे अस्पताल प्रशासन की जमकर फजीहत हुई।

अमृत विचार

अवध बाज़ार

स्मारक अनुरक्षण की प्रारंभिक तैयारियों पर की चर्चा

राज्य संरक्षित स्मारक आलमबाग प्रवेश द्वार में आयोजित हुआ पुरातत्व विभाग की कार्यशाला का सत्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पुरातत्व विभाग की और से आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन का सत्र राज्य संरक्षित स्मारक आलमबाग प्रवेश द्वार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुरातत्व विभाग से पुरातत्व अभियंता प्रदीप सिंह एवं इंटैक से अंशिका, प्रतिष्ठा और पंकज पांडेय ने सभी प्रतिभागियों के साथ स्मारक का विस्तृत निरीक्षण किया। विशेषज्ञों ने स्मारक अनुरक्षण की प्रारम्भिक तैयारियों, अनुरक्षण की विधियों एवं तकनीक पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों के साथ मौजूद पुरातत्व विभाग से पुरातत्व अभियंता प्रदीप सिंह एवं इंटैक से अंशिका, प्रतिष्ठा और पंकज पांडेय । अमृत विचार

अनुरक्षण कार्य शुरू करने से पहले की अनिवार्य प्रक्रियाओं जैसे स्मारक का विस्तृत अभिलेखीकरण, फोटोग्राफी, संरचना में व्याप्त समस्याओं का अध्ययन, सैंपलिंग एवं उसकी प्रयोगशाला जांच, उपयुक्त बाइंडिंग मैटेरियल का चयन आदि का प्रायोगिक प्रदर्शन स्थल पर ही किया गया। प्रतिभागियों को बताया गया कि सामग्री सैंपलिंग के कितने प्रकार होते हैं, कितनी मात्रा में नमूने लेना उचित है तथा निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करने के मानक क्या हैं। इस व्यावहारिक सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को वास्तविक स्मारक पर संरक्षण प्रक्रियाओं को समझने का अवसर मिला।

कार्यशाला के साथ-साथ पुरातत्व निदेशालय में पं. दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई। निदेशक रेनू द्विवेदी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की तथा परिचर्चा के माध्यम से पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, विचारों एवं उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर आलमबाग गेट पर आयोजित सत्र में सहायक पुरातत्व अधिकारी डॉ. मनोज यादव, बलिहारी सेठ, अभयराज सिंह, मयंक, अभिषेक, हिमांशु, निर्भय सहित इंटैक संस्थान के कार्मिक एवं प्रतिभागी मौजूद रहे।

जरूरतमंदों के लिए सिंधी समाज ने शुरू किया चिकित्सालय

अमृत विचार, लखनऊ : सिन्धी समाज के पं. अशोक शर्मा ने गुरुवार को एक चिकित्सालय एवं सह नवगठित सेंट्रल पंचायत कार्यालय का शुभारंभ किया। यह जानकारी सिंधी समाज के प्रवक्ता अशोक मोतियानी ने दी। उन्होंने बताया कि आजाद नगर (कृष्णानगर) में झूलेलाल सिन्धी पंचायत के पदाधिकारियों ने जरूरतमंदों के लिए मुफ्त चिकित्सालय का उद्घाटन करा इसका प्रारंभ किया। आर्थिक रूप से कमजोर समाज एवं अन्य सभी वर्गों के लिए इस चिकित्सालय में मुफ्त चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसे लिए संशाधन बढ़ाए जाएंगे। पं. अशोक शर्मा ने प्रवेश बंधन द्वार को खोल कर कार्यालय का उद्घाटन किया।

सिटी ब्रीफ

नवरात्र की अष्टमी को होगा भगवती जागरण

अमृत विचार, लखनऊ : युवजन समाज कल्याण समिति ने विकास नगर स्थित लेखराज पन्ना के निकट अपने कार्यालय में समिति के प्रमुख पदाधिकारियों की एक बैठक 30 को नवरात्र की अष्टमी को होने भगवती जागरण के कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष रणविजय सिंह ने बताया गया कि युवजन समाज कल्याण समिति 30 सितम्बर को नवरात्र की अष्टमी को भगवती जागरण का आयोजन करेगी। इसमें राष्ट्रीय स्तर की गायिका स्वाति मिश्रा की प्रस्तुति के साथ-साथ दूर दूर से आए कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद मां के भक्त उठाएंगे। उन्होंने बताया कि इस बार संस्था ने मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। बैठक में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारियों में संस्थापक राकेश बादल, विशाल सिंह, सुनील थापा, अंजनी, अंजनी कुमार, सुनील चरण, बाबा मिश्रा, आदर्श श्रीवास्तव, आनंद, संरक्षक अनिल कुमार कपूर आदि मौजूद रहे।

दीनदयाल के विचार आज भी प्रासंगिक

अमृत विचार, लखनऊ : एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान के तत्वाधान में लखनऊ के सहकारिता भवन में समारोह पूर्वक मनाई गई। जिसमें पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र, सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, एमएलसी संतोष सिंह, मुकेश शर्मा, आदि मौजूद रहे। संगोष्ठी का विषय वर्तमान परिपेक्ष में दीनदयाल जी का चिंतन विषय पर अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किये। कलराज मिश्र ने कहा कि उपाध्याय जी भारत के उन्नायक थे। उन्होंने भारत के लिए एकात्म मानववाद का सर्व ग्राही विचार दर्शन प्रस्तुत किया जो आज भी प्रासंगिक है। समरसता का भाव जगाने की नीति उनकी थी। अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्तियों के उदय किस प्रकार हो उसके लिए उन्होंने जो दर्शन दिया था, आज की सरकार उसी दिशा में कार्य कर रही है। सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि कलराज मिश्र दीनदयाल जी के पीढ़ी के ध्वजवाहक हैं। राजनीति ने उन्हें अजात शस्त्रु बना दिया है। सभी दलों के लोगों के सर्वमान्य नेता हैं।

एलिवेट आईवेरी एडिशन की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : अरासिली होंडा के वाईस प्रेसिडेन्ट कुनाल बहल और प्रबंध निदेशक राघव गुप्ता अपने एक दिवसीय कार्यक्रम पर लखनऊ आये। उन्होंने होंडा की नई गाड़ी एलिवेट आईवेरी एडिशन की शुरुआत की। उन्होंने इस नई गाड़ी के फीचर्स और ग्राहकों के लिए इसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कुनाल बहल ने ऑटो सेक्टर में जीएसटी दरों में कमी के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि जीएसटी दरों की गिरावट के बाद होंडा की तरफ से इसके फायदों के बारे में ग्राहकों को जागरूक करने के लिए अरासिली होंडा ने प्रचार वाहन भी शुरू किया। यह प्रचार वाहन उत्तर प्रदेश के लगभग 48 जिलों में होंडा की विभिन्न स्कीमों का प्रचार करेगा। जीएसटी स्लैब में कमी का सीधा फायदा ग्राहकों को मिलेगा, जिससे वे बेहतर और सस्ती गाड़ियों का चयन कर सकेंगे। कुनाल ने यह भी बताया कि आने वाले समय में होंडा और भी कई नई गाड़ियों को बाजार में लाने की तैयारी कर रहा है। इस कार्यक्रम में अरासिली होंडा के जीएम विद्यांत शुक्ला, नेशनल हेड निखिल शुक्ला, जीएम पुनीत मोंगीया, रीजनल मैनेजर अभिनव शेखर और आकाश सिंह शामिल थे।

सीतापुर रोड योजना में लगेगी एलईडी स्क्रीन

अमृत विचार, लखनऊ : सेक्टर-ए सीतापुर रोड योजना में 27 सितम्बर को 6 दिवसीय रामलीला शुरू होगी। रामलीला समिति के अध्यक्ष सुरेश तिवारी और महामंत्री जितेंद्र मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष कई बदलाव भी किए गए हैं। बीते 8 वर्षों से 5 दिवसीय आयोजन होता था, जिसे बढ़ाकर 6 दिवसीय किया गया है। रामलीला में कई कलाकार ऐसे हैं जो अपनी छमाही परीक्षाओं की तैयारी के साथ ही अपने किरदार का अभिनय करेंगे। संयुक्त मंत्री शांति स्वरूप शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष मंचन के साथ ही नई तकनीकी का प्रयोग करते हुए एलईडी स्क्रीन के माध्यम से भी कई दृश्यों को प्रदर्शित किया जायेगा। निर्देशक उमाशंकर राठौर ने बताया कि रामलीला में स्थानीय बच्चों व कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है और प्रत्येक वर्ष नए बाल कलाकार भी जुड़ते हैं। वहीं रामलीला के मंचन के साथ ही बेटियां भी प्रतिदिन शिव तांडव, महिषासुरमर्दिनी सहित कई नृत्यों की प्रस्तुति देंगी।

छात्राओं को बताया साइबर अपराध से सुरक्षित रहने का तरीका

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मिशन शक्ति-5 के तहत गुरुवार को पश्चिमी जोन में अभियान चलाकर छात्राओं को महिला व साइबर अपराध से बचने के तरीके की जानकारी दी गई। अभियान चौक व दुबग्गा थानाक्षेत्र के दो कॉलेजों में चलाया गया। जिसमें एडीसीपी पश्चिम, एसीपी चौक, एसीपी काकोरी, इंस्पेक्टर दुबग्गा ने छात्राओं को सरकारी योजनाओं के साथ सुरक्षा के उपाय बताये।

दुबग्गा के एमसी सक्सेना कॉलेज में एसीपी काकोरी शकील अहमद व इंस्पेक्टर दुबग्गा अभिनव कुमार वर्मा की टीम ने छात्राओं से सीधे संवाद किया। इस दौरान एसआई नेहा वर्मा, दिव्या सिंह राठौर ने मिशन शक्ति, एंटी रोमियो के बारे में जानकारी दी। वहीं, एसीपी काकोरी ने महिला और साइबर अपराध से कैसे सुरक्षित रहें। इसके बारे में जानकारी दी। वहीं, एडीसीपी पश्चिम धनंजय सिंह और एसीपी चौक राजकुमार सिंह ने शिया पीजी कॉलेज में मिशन शक्ति के बारे में जानकारी दी। छात्राओं को सफर के दौरान और घर के अंदर बाहर होने वाले अपराध, साइबर अपराध से सुरक्षित रहने और पुलिस को सूचना देने के लिए जागरूक किया।

कार्यक्रम में शामिल छात्राओं के साथ पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

- एडीसीपी पश्चिम, एसीपी चौक, एसीपी काकोरी ने दो कॉलेज में चलाया जागरूकता अभियान

इसके बारे में दी गई जानकारी: अभियान के दौरान मिशन शक्ति के तहत विभिन्न हेल्प लाईन नम्बर 1090 वूमेन पावर लाइन 181 वीमेन हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन सेवा, 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एंबुलेंस हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस सेवा 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1930 साइबर हेल्पलाइन एवं यूपी कॉर्प आदि के साथ महिलाओ को समर्पित सरकारी योजनाओ के बारे में जानकारी दी गई। वहीं बताया गया कि कैसे पुलिस त्वरित सहायता करती है।

चौथे दिन मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: शारदीय नवरात्र के चौथे दिन राजधानी के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दिन मां दुर्गा के चतुर्थ रूप मां कुष्मांडा की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

शहर के बड़ी काली जी मंदिर, कालीबाड़ी मंदिर, संदोहन मंदिर, मरी माता मंदिर, भुइय्यन देवी मंदिर और दुर्गा मंदिर समेत अन्य प्रमुख देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। मंगल आरती के साथ ही मंदिरों का वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो गया। देर रात तक श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए मंदिरों में जुटे रहे।

श्रद्धालुओं का मानना है कि मां कुष्मांडा के दर्शन मात्र से जीवन की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं और घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि मंदिर में आकर उन्हें आंतरिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति हुई। हालांकि नवरात्रि की तिथि गणना के अनुसार मां चंद्रघंटा का दिन दो बार आने के कारण गुरुवार को भी कई घरों में

- मां कुष्मांडा और मां चन्द्रघंटा दोनों स्वरूपों की हुई पूजा

मां चंद्रघंटा की पूजा की गई। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं दिखी और उन्होंने पूरे श्रद्धा भाव से मां कुष्मांडा की आराधना की। मंदिर प्रबंधन ने दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए थे। सुरक्षा के लिहाज से भी पुलिस बल की तैनाती की गई, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अमीनाबाद के बताशे वाली गली स्थित मंदिर में मां को फलों का भोग लगाते पुजारी ।

नौ दिवसीय महापर्व के चौथे दिन होती है मां कुष्मांडा की पूजा

अमृत विचार, लखनऊ : नवरात्रि के नौ दिवसीय महापर्व में चौथे दिन मां दुर्गा के कुष्मांडा रूप की पूजा का विशेष महत्व होता है। इस बार मां चन्द्रघंटा का पूजन दो दिन होने की वजह से कुष्मांडा देवी की पूजा शुक्रवार को होगी। कुष्मांडा मां के इस स्वरूप को सृष्टि की आदि शक्ति और ब्रह्मांड की रचयिता कहा गया है। कुष्मांड शब्द का अर्थ है कुम्हड़े (कुष्मांड) से ब्रह्मांड की उत्पत्ति करने वाली शक्ति। यही कारण है कि मां कुष्मांडा को आदिशक्ति का स्वरूप माना जाता है। आचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जब सृष्टि नहीं थी, चारों ओर अंधकार ही अंधकार था, तब मां कुष्मांडा ने अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की। ऐसा कहा जाता है कि उनकी उपासना से आयु, यश, बल और आरोग्य की प्राप्ति होती है और सभी प्रकार के रोग और मानसिक-शारीरिक कष्ट समाप्त हो जाते हैं। मां कुष्मांडा अष्टभुजा वाली देवी हैं। उनके हाथों में कमंडल, धनुष, बाण, कमल पुष्प, अमृत कलश, चक्र, गदा और सिद्धियों को देने वाली जपमाला होती है। नवरात्रि के इस दिन बीज मंत्रों का 108 बार जाप करने से साधक को विशेष फल की प्राप्ति होती है। या देवी सर्वभूतेषु कुष्मांडा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।। मान्यता है कि मां कुष्मांडा थोड़ी सी भक्ति से ही प्रसन्न हो जाती हैं और अपने भक्तों को यश, बल और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। नवरात्रि के चौथे दिन मालपुआ और पेठे का भोग विशेष रूप से मां को अर्पित किया जाता है।

महानगर की रामलीला आज से

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के मशहूर पर्वतीय महानगर रामलीला 26 सितम्बर से अपने स्थाई रंगमंच महानगर में शुरू होने जा रही है। रामलीला को लेकर गुरुवार को देर शाम तक तैयारी चलती रही। रामलीला समिति के महासचिव गिरीश जोशी ने बताया कि इस रामलीला की कई खासियत हैं जिससे यह रामलीला प्रसिद्ध है। इसमें सबसे मुख्य बात यह है कि यहां पर 8 साल के बच्चे से लेकर 77 साल तक के कलाकार अभिनय करते हैं। रामलीला के लिए करीब एक महीने से महेंद्र पंत के निर्देशन में कलाकार रिहर्सल कर रहे हैं। अब मंचन की तैयारी है तो संरक्षक संजय श्रीवास्तव, बीपी पांडे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद पंत, बीनू, संयुक्त सचिव हिमांशु मिश्रा, कोषाध्यक्ष नीरद लोहनी आदि लोग रात-दिन एक किये हैं।

वन गए राम, शोक में डूबी अयोध्या

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : ऐशबाग रामलीला मैदान में चल रहे रामोत्सव-2025 के चौथे दिन गुरुवार को राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न अपनी-अपनी पत्नियों के साथ अयोध्या वापस लौटे तो अयोध्या के लोगों ने नई बहुओं के स्वागत में पलक पांवड़े बिछा दिए। लोगों ने नाचते-गाते हुए उनका स्वागत किया।

विवाह के बाद राजकुमार भरत भाई शत्रुघ्न के साथ अपनी ननिहाल चले जाते हैं। इसी बीच महाराजा दशरथ अपने मंत्रिमंडल के बीच नए राजा को लेकर विमर्श करते हैं और सभी उसके लिए राम के नाम का सुझाव देते हैं। राम के राज्याभिषेक की घोषणा कर दी जाती है। खबर नगर में फैलती है और जनता हर्षोल्लास में डूब जाती है।

राजतिलक से पहले राजा दशरथ राम को राजा के कर्तव्यों का ज्ञान देते हैं, तीनों माताएं भी हर्ष से गदगद होती हैं। तभी कैकेई की दासी मंथरा उन्हें भड़काती है। जिसका परिणाम यह होता है कि कैकेई राजा दशरथ पर उधार अपने दो वचन मांगती है। जिसमें पहला अयोध्या का सिंघासन अपने बेटे भरत को और दूसरा वचन कौशल्या नंदन राम को 14 वर्ष का कठोर वनवास। मजबूर होते हुए भी राजा दशरथ अपने वचन निभाते हैं। यह बात राम को पता चलती है तो वे माता की आज्ञा और पिता के वचन निभाने के लिए सहर्ष वन गमन स्वीकार करते हैं।

रामलीला का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

राम के साथ सीता और लक्ष्मण भी वन की ओर चल पड़ते हैं। अयोध्यावासी यह जानकार दुखी होते हैं और राम के वनवास जाने का विरोध करते हैं।

उधर राजमहल में दशरथ विकल हैं, कौशल्या को पुत्र विरह ने झकझोर दिया है तो रानी सुमित्रा का रो-रो कर बुरा हाल है। ऐसा लगता है कि मानो अयोध्या नगर और उसके राजमहल को दुख के काले सर्पों ने जकड़ लिया हो।

सिटी डायरी

पूजन करतीं उपमुख्यमंत्री की पत्नी नम्रता पाठक।

व्यापारियों ने किया भगवती जागरण

अमृत विचार, लखनऊ : आलमबाग स्थित नटखेडा रोड पर बुधवार को नटखेडा रोड व्यापार मंडल की ओर से चतुर्थ विशाल मां भगवती जागरण का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की पत्नी नम्रता पाठक ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वाति सिंह, लखनऊ व्यापार मंडल अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा, महामंत्री अनुराग मिश्रा, कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार बत्रा, मनीष अरोड़ा, कमल चौधरी, राजेश बत्रा, उपकार सिंह, शिवराज भाटिया, नवल अग्रवाल, विकास अरोड़ा सहित अनेक व्यापारी पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में भजन गायकों अमित राज, शिखा अवस्थी, श्रेया श्रीवास्तव, सचिन प्रेमी व मुकेश चंचल ने भक्तिमय गीतों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। अंत में अध्यक्ष मनीष अरोड़ा के नेतृत्व में गुरुवार को मां भगवती की प्रतिमा का ढोल-नगाड़ों के साथ विसर्जन किया गया।

झाड़ू लागते रक्षा सम्पदा की प्रधान निदेशक।

दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत करते मुख्य अतिथि।

छावनी परिषद में चला स्वच्छता अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत विशेष एक दिवसीय श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन छावनी परिषद में किया गया। स्वच्छता को लेकर गुरुवार सुबह आठ बजे विशेष श्रमदान कार्यक्रम 'एक दिन एक घंटा एक साथ' चलाया गया। इसकी शुरुआत रक्षा सम्पदा मध्य कमान की प्रधान निदेशक भावना सिंह ने वाल्मीकि चौक से किया। महर्षि वाल्मीकि प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद सभी ने प्रतीकात्मक तौर पर झाड़ू संभाली और सफाई की। यह जानकारी सदर व्यापार मंडल अध्यक्ष संतवीर सिंह ने दी। अभियान में रक्षा सम्पदा निदेशालय मध्य कमान के पुष्पेंद्र सिंह, निदेशक अजय कुमार, संयुक्त निदेशक महेश सैनी, संयुक्त निदेशक एवं उमेश पारिख, उप निदेशक एवं छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी शामिल थे।

महिला पुलिस प्रशिक्षुओं के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : ब्रह्माकुमारीज़ जानकीपुरम और उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को उत्तर प्रदेश महिला पुलिस प्रशिक्षुओं के लिए तीन दिवसीय आत्म-सशक्तिकरण और तनाव मुक्ति कार्यक्रम की शुरुआत हुई। यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज़ जानकीपुरम केंद्र पर आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ड्यूटी के दौरान महिला पुलिस कर्मियों के तनाव को कम करना है। मुंबई से आये मुख्य वक्ता प्रो. गिरीश ने तनाव मुक्ति की व्यावहारिक और सरल विधियां बताईं।

साहित्य

बाल मंडप सुनने को मिली कठपुतली की कथा

गोमती पुस्तक महोत्सव में बिकीं 51 हजार किताबें

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे गोमती पुस्तक महोत्सव में 5 दिनों में लगभग 51 हजार पुस्तकें बिक चुकी हैं। करीब 2 लाख पाठकों ने पुस्तक मेले में अपनी पसंद की किताबों की तलाश की। यह संख्या किताबों के प्रति लखनऊ के गहरे लगाव और भारत के साहित्यिक मानचित्र पर उसकी बढ़ती पहचान को रेखांकित करती है।

नेशनल बुक ट्रस्ट की ओर से आयोजित यह पुस्तक महोत्सव प्रख्यात लेखकों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का जीवंत मंच बन चुका है।

महोत्सव के बाल मंडप में गुरुवार को अमृत नागपाल ने रोचक कठपुतली कथाकथन से बच्चों को रोमांचित किया। इसके बाद जयश्री सेठी ने माइंडफुलनेस सत्र में बच्चों को सांस संबंधी अभ्यास और कागज़ आधारित गतिविधियों के जरिए मानसिक शांति का अनुभव कराया। आर्ट एंड क्राफ्ट कार्यशाला में नामिक शेर्पा ने बच्चों को रंग-बिरंगे कागज़ी हंस बनाना सिखाया।

गोमती महोत्सव में पुस्तको की खरीददारी करती छात्राएं। अमृत विचार

लेखक से मिलिए कार्यक्रम में शिवमूर्ति ने बताया पुस्तकों का महत्व : साहित्यिक संवाद के पहले सत्र में वरिष्ठ कथाकार और उपन्यासकार शिवमूर्ति से उनकी रचनात्मकता और अनुभवों पर चर्चा हुई। इस संवाद का संचालन लेखक अरुण सिंह ने किया। बातचीत में यह बात प्रमुख रही कि साहित्य में गुणवत्ता हमेशा संख्या से अधिक महत्त्वपूर्ण है। शिवमूर्ति ने अपने जीवन के प्रसंग भी साझा किए और लखनऊ के पाठकों से अपील की कि वे पुस्तक महोत्सव में आकर साहित्य की दुनिया से और निकटता स्थापित करें।

कर्णगाथा का मंचन

- महोत्सव के छठे दिन का आकर्षण कर्णगाथा का मंचन रहा। जिसे भारतेंदु नाट्य अकादमी ने प्रस्तुत किया। शिवाजी सावंत की मृत्युंजय, रामधारी सिंह दिनकर की रश्मिरथी और रवीन्द्रनाथ ठाकुर के कर्ण-कुंती संवाद से प्रेरित इस नाट्य प्रस्तुति में महाभारत के महानायक कर्ण के संघर्ष, द्वंद्व और जीवन-दर्शन को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। संवेदनापूर्ण संवाद और सशक्त अभिनय के जरिए प्रस्तुति ने कर्ण के भीतर के संघर्ष, निष्ठा, न्याय, भाग्य और स्वेच्छा को जीवंत कर दिया। दर्शक कथा की तीव्रता से गहराई तक प्रभावित हुए। नाटक ने कर्ण की वीरता के साथ-साथ पहचान, सम्मान और नियति जैसे शाश्वत प्रश्नों को भी उजागर किया।

पं. दीनदयाल जयंती एवं सम्मान समारोह

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति की ओर से सप्रू मार्ग स्थित उद्यान भवन प्रेक्षागृह में पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्म जयंती एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष हरीश तिवारी की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम का संचालन महासचिव आशीष तिवारी ने किया। इस अवसर पर कौशलेंद्र द्विवेदी, केएन दुबे, उमेश चंद्र मिश्रा, शिखा सिंह तोमर, सुशील दुबे आदि की मौजूदगी रही।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्म जयंती एवं सम्मान समारोह में मौजूद पदाधिकारी।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 26 सितंबर 2025

सिटी ब्रीफ

सिविल सेवा की कोचिंग का दूसरा बैच आरंभ

अमृत विचार , लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र द्वारा सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु चलने वाली निशुल्क कोचिंग के द्वितीय बैच का ओरिएंटेशन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। मुख्य अतिथि श्रम विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव कुनाल सिल्कू उपस्थित रहे। इसके अलावा टीएन कुशल, प्रो. शशि कुमार उपस्थित रहे।

रंगोली, फेस पेंटिंग, लोगो स्लोगन प्रतियोगिता हुई

अमृत विचार, लखनऊ : विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में फार्मेसी संकाय द्वारा वंचित बच्चों के विद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के साथ ओटीसी दवाई वितरण किया गया। साथ ही फार्मेसी संकाय की ओर से इस अवसर पर 'थिंक हेल्थ, थिंक फार्मासिस्ट' थीम पर आधारित रंगोली, फेस पेंटिंग, लोगो स्लोगन, क्विज एवं पोस्टर प्रतियोगिता भी कराई गई। इस अवसर पर समाज में फार्मासिस्ट के महत्व को दर्शाते हुए फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं जानकीपुरम में नुक्कड़ नाटक एवं रैली के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रति कुलपति प्रो. राजीव कुमार ने छात्रों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर डॉ. जयबीर सिंह, डॉ. विकास चौधरी, डॉ. नीलकंठ मणि पुजारी, प्रिया आर्य, जूही भरतारिया, सचिन यादव रहनुमा, उत्कर्ष शर्मा, सतेंद्र पाण्डेय, गुंजन वर्मा, शुभम त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

थिंक हेल्थ, थिंक फार्मासिस्ट का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के फ़ैकल्टी ऑफ़ फ़ार्मेसी ने स्कूल ऑफ़ फ़ार्मास्यूटिकल साइंसेज़ के सहयोग से विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया। इस वर्ष का थीम था "थिंक हेल्थ, थिंक फार्मासिस्ट।" फ़ैकल्टी ऑफ़ फ़ार्मेसी के डीन प्रो. सैयद मिसबाहुल हसन ने स्वास्थ्य व्यवस्था में फार्मासिस्ट की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य फार्मेसी काउंसिल के चेयरमैन संदीप बंडोला ने फार्मेसी एक्ट 1948 के महत्व को रेखांकित किया और फार्मासिस्टों को अपने पेशे पर गर्व करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर प्रमोद कुमार त्रिपाठी, रमेश चंद्र श्रीवास्तव, अखिल सिंह, डॉ. शिल्पी त्रिपाठी, खान अहमद बाज़र्गन शामिल रहे।

भाषा विवि में होंगे विविध कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आगामी 14 अक्टूबर को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह से पूर्व चलने वाले दीक्षोत्सव कार्यक्रमों की रूपरेखा विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी कर दी है। 24 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक विविध सांस्कृतिक, बौद्धिक व खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों की शुरुआत 24 से हो चुकी है। इसी क्रम में कल गृह विज्ञान विभाग चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन करेगा, जबकि 27 को विधि अध्ययन संकाय वाद-विवाद प्रतियोगिता का संचालन करेगा। 29 को शिक्षा विभाग द्वारा देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 30 को दो कार्यक्रम आयोजित होंगे राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा लोक नृत्य प्रतियोगिता तथा इतिहास एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा भाषण प्रतियोगिता। 1 अक्टूबर को महिला अध्ययन केंद्र एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महिला सम्मेलन एवं शैक्षिक विषयों पर सेमिनार आयोजित किया जाएगा।

पुनर्वास विश्वविद्यालय में हुए विविध कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुंतला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन लिंब सेंटर में किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. भारत मिश्रा ने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों जैसे कि रंगोली प्रतियोगिता, क्विज, भाषण प्रतियोगिता, और पीपीटी प्रेजेंटेशन आदि का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. संजय सिंह ने विद्यार्थियों को लीड मॉलिक्यूल की पहचान, दवा विकास प्रक्रिया, फार्मासिस्ट की भूमिका, और भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग की वैश्विक स्थिति पर जानकारी दी। ने रोगी सुरक्षा, प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट, और दिव्यांगजनों की सेवा में फार्मासिस्ट की सक्रिय भागीदारी को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को सांकेतिक भाषा सीखने और समाजसेवा में आगे आने के लिए प्रेरित किया।

भारत ए को जीत के लिए 243 रनों की दरकार

ऑस्ट्रेलिया ए के साथ चल रहे दूसरे चार दिवसीय मुकाबले का तीसरा दिन भारत ए के पक्ष में रहा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: इकाना स्टेडियम में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच चल रहे दूसरे चार दिवसीय मुकाबले का तीसरा दिन भारत ए के पक्ष में रहा। अब यह रोमांचक मुकाबला अपने अंतिम और निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। भारत ए को जीत के लिए 243 रनों की जरूरत है, जबकि उसके हाथ में अभी भी आठ विकेट शेष हैं।तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ए ने 40 ओवर में दो विकेट खोकर 169 रन बना लिए हैं। जीत के लिए अब केवल 243 रन और बनाने हैं।

फिलहाल क्रीज पर साई सुदर्शन (44 रन, 81 गेंद) पर नाबाद हैं वहीं उनका साथ देने के लिए मानव सुथार भी डटे हुए है। इससे पहले, विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए के सलामी बल्लेबाज नारायण जगदीशन और अनुभवी केएल राहुल ने टीम को बेहतरीन शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी की। जगदीशन 36 रन बनाकर टॉड मर्फी का शिकार बने। वहीं राहुल ने शानदार 74 रनों की पारी खेली लेकिन वह रिटायर्ड हर्ट हो गए। दूसरे विकेट के रूप में देवदत्त पडिक्कल सिर्फ 5 रन बनाकर मर्फी की गेंद पर बोल्ड हो गए। पहली पारी में 194 रनों पर सिमटने वाली भारतीय टीम ने दूसरी पारी के गेंदबाज़ी स्पैल में जबरदस्त वापसी की।

शानदार पारी खेलते केएल राहुल। अमृत विचार

आउट की अपील करता आस्ट्रेलियन गेंदबाज ।

- चार दिवसीय मुकाबले का चौथा दिन निर्णायक मोड़ पर

स्कोर कार्ड

ऑस्ट्रेलिया ए पहली पारी- 194
भारत ए पहली पारी- 167
ऑस्ट्रेलिया ए दूसरी पारी- 185
भारत ए दूसरी पारी (चालू)। 169/2
लक्ष्य- 412
जीत के लिए चाहिए रन- 243
बचे हुए विकेट- 8

ऑस्ट्रेलिया ए ने तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी 16/0 से शुरू की, लेकिन भारतीय तेज़ गेंदबाज़ों ने तुरंत दबाव बनाना शुरू किया। मोहम्मद सिराज ने कूपर कॉलनी को बोल्ड कर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद जोश फिलिप और कप्तान मैक्सवीनी ने पारी को संभालने की कोशिश की। फिलिप ने 48 गेंदों में 50 रन बनाए, लेकिन वह मानव सुथार की गेंद पर आउट हो गए। कप्तान मैक्सवीनी ने एक छोर संभालते हुए 149 गेंदों में 85 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। पूरी ऑस्ट्रेलिया ए टीम 46.5 ओवर में 185 रनों पर सिमट गई। भारत ए के लिए गुरनूर बरार और मानव सुथार ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि सिराज और यश ठाकुर दो-दो सफलताएं पाने में कामयाब रहें।

इंडियन आर्मी व सीएजी ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- केडी सिंह बाबू हॉकी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन, अब पेट्रोलियम और सर्विसेज से होगा मुकाबला

अमृत विचार: गोमती नगर स्थित पद्मश्री मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम में चल रहे 43वें ऑल इंडिया केडी सिंह बाबू इंवीटेशनल प्राइजमनी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में गुरुवार को खेले गए रोमांचक मुकाबलों में इंडियन आर्मी और सीएजी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने अपने-अपने प्रतिद्वंदियों को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई कर लिया।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में 22वें मिनट में इंडियन आर्मी को पेनाल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि 26वें मिनट में यूपी के केतन कुशवाहा ने फील्ड गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। तीसरे क्वार्टर में इंडियन आर्मी ने दो और पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए। अंतिम क्वार्टर में 48वें मिनट पर ओलंपियन ललित उपाध्याय ने यूपी हॉकी के लिए फील्ड गोल किया, लेकिन वह हार का अंतर ही कम कर सके।इंडियन आर्मी ने यह मुकाबला 3-2 से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां उसका सामना शुक्रवार को पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड से होगा।मैच के दौरान अनुशासनहीनता भी देखने को मिली। इंडियन आर्मी के पांच खिलाड़ियों को अंपायर ने कार्ड दिखाए, जिसमें दो को ग्रीन और तीन को यलो कार्ड मिले। एक अन्य लीग मुकाबले में सीएजी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली और एयर फोर्स के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में 27वें मिनट पर सीएजी के गुरुमुख सिंह ने पहला गोल किया। तीसरा क्वार्टर भी गोलविहीन रहा, लेकिन चौथे क्वार्टर में 59वें मिनट पर सीएजी के सूर्या ने निर्णायक गोल दागा और अपनी टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी, जो मैच के अंत तक बरकरार रही। सीएजी ऑफ इंडिया ने यह मुकाबला 2-1 से जीत लिया और अब वह सेमीफाइनल में सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड से भिड़ेगा।

समाज का सुरक्षा कवच हैं फार्मासिस्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के फ़ार्मेसी संस्थान में विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने किया। उन्होंने कहा कि फार्मासिस्ट केवल दवाओं का वितरण करने वाला नहीं है, बल्कि रोगी और समाज दोनों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा कवच है। विशिष्ट अतिथि डॉ. संजय मिश्रा, सचिव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने कहा कि फार्मासिस्ट नई दवाओं के शोध, निर्माण, वितरण और सुरक्षित उपयोग की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

फार्मेसी संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

इस अवसर पर डीन प्रो. चंदना डे ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि "फार्मेसी केवल एक पेशा नहीं बल्कि मानवता की सेवा का माध्यम है। वहीं, फ़ार्मेसी संस्थान की निदेशक प्रो. शालिनी त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को अनुसंधान, नवाचार और समाजसेवा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया और कहा कि यह दिवस रचनात्मकता एवं ज्ञान को प्रदर्शित करने का सशक्त मंच है। कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर, रंगोली, मॉडल, तात्कालिक भाषण, क्विज़ एवं प्रेज़ेंटेशन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें छात्रों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और नवाचार का शानदार प्रदर्शन किया।

बॉक्सिंग रिंग में उतरीं 17 मंडल की 110 बालिकाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य स्तरीय विद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन लखनऊ स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बॉक्सिंग हॉल में किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश के 17 मंडलों की 110 बालिकाओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ. आरपी शर्मा (प्राचार्य, डॉ. भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा संस्थान) की ओर से किया गया। उद्घाटन अवसर पर उन्होनें बालिकाओं की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बॉक्सिंग न केवल एक खेल है, बल्कि यह आत्मरक्षा का सशक्त माध्यम भी है। आज की बालिकाएं हर क्षेत्र में अग्रसर हो रही हैं और खेलों में उनकी सक्रियता समाज के लिए प्रेरणादायक है।प्रतियोगिता का आयोजन बालक और बालिका दोनों वर्गों में किया जा रहा है। बालिका वर्ग की प्रतियोगिताएं 25 और 26 सितंबर को आयोजित की जा रही हैं। वहीं बालक वर्ग की प्रतियोगिताएं 26 से 29 सितंबर तक तीन दिवसीय कार्यक्रम में आयोजित की जायेगी।प्रतियोगिता के पहले दिन बालिकाओं के 17 वर्ष और 19 वर्ष आयु वर्ग के प्रारंभिक राउंड, द्वितीय राउंड और सेमीफाइनल मुकाबले आयोजित हुए, जिनमें खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। अमृत विचार

- बालक वर्ग की प्रतियोगिताएं 26 से 29 तक

इस मौके पर संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. प्रदीप सिंह,उप शिक्षा निदेशक रेखा दिवाकर,जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता का समापन 29 सितंबर को किया जाएगा, जिसमें विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।

दीनदयाल के व्यक्तित्व व कृतित्व पर मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर विभिन्न शिक्षा संस्थाओं में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान" को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए छात्रों को "सेवा दूत" की जिम्मेदारी सौंपी गयी।

इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 5 गांवों में स्थित सरकारी विद्यालयों के छात्र और छात्राओं को इस अभियान के विषय में जागरूक करते हुए उन्हें भाषण, कहानी कथन और चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

टीईटी मुद्दे पर शिक्षक हुए लामबंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सुप्रीम कोर्ट द्वारा टीईटी अनिवार्यता मुद्दे पर पारित आदेश के क्रम में शिक्षकों की नाराजगी को देखते हुए प्रदेश सरकार ने पुनर्विचार याचिका दायर करने का फैसला किया है। लेकिन शिक्षक इससे संतुष्ट नहीं है और तरह-तरह से विरोध प्रदर्शन करने की रणनीति बना रहे हैं।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा कोई ठोस कदम न उठाने से प्रदेश के सभी जिलों में टीईटी मुद्दे पर शिक्षको का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर जिला अध्यक्ष लखनऊ वीरेंद्र प्रताप सिंह ने हस्ताक्षर अभियान के लिए एक कदम आगे बढ़ाते हुए ब्लॉक प्रभारियों की नियुक्ति कर दी। जिसमें मलिहाबाद में संजय मौर्य, माल में मोहम्मद रियाज, काकोरी मुकेश अवस्थी,गोसाईगंज बृजेश कुमार मौर्य, सरोजिनी नगर पूजा सक्सेना, मोहनलालगंज प्रशांत श्रीवास्तव, बक्शी का तालाब रणधीर सिंह, चिनहट शालिनी सिंह और नगर क्षेत्र में शिखा चौधरी को कमान सौंपी गई है।

जिला मंत्री बृजेश कुमार मौर्य ने बताया कि जिले के कई ब्लॉकों में वृहद हस्ताक्षर अभियान के साथ-साथ शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया जो कि 15 अक्टूबर तक चलेगा। संयुक्त मंत्री मोहम्मद रियाज के अनुसार शिक्षक टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने व केंद्र सरकार से 2017 में किए गए संशोधन को निरस्त करने की मांग कर रहे है और कानूनी लड़ाई के साथ-साथ सड़क पर भी आंदोलन करने को तैयार है। हस्ताक्षर अभियान में मोहिंदर पाण्डेय, सचिन दिवाकर, अबुल क़ासिम, अजिता सिंह, इंदू जायसवाल, मीना गुप्ता,अवधेश, बृजेश चतुर्वेदी, नीलिमा ,जगतपाल, चेतना दुबे, ज्योति सिंह, अजय शुक्ला,नमिता सिंह,नीरज साहू,संतोष सिंह,मीना सिंह, अरुण मिश्रा,सुधा निगम, रंजना विष्ट, आशा शर्मा,मेराज रसूल रेहाना, पल्लवी, नाहिद, अर्चना साहू ,शिखा, शाहिना अंजू, तबस्सुम, रेनू, बीना, मीनू, संतोष कुमारी, प्रियंका सहित सैकड़ो शिक्षक सम्मिलित हुए।

काला फीता बांधकर हस्ताक्षर अभियान चलाते शिक्षक। अमृत विचार

सिटी डायरी

विराज सागर दास को बधाई देते एसोसिएशन पदाधिकारी।

लखनऊ ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष बने विराज सागर दास

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन (यूपीओए) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के चेयरमैन विराज सागर दास को लखनऊ ओलंपिक एसोसिएशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह निर्णय हाल ही में सम्पन्न उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन की साधारण सभा की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया, जिसमें लखनऊ ओलंपिक एसोसिएशन की संस्तुति को भी मंजूरी दी गई। अध्यक्ष पद संभालने के बाद विराज सागर दास ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि लखनऊ में खेलों को नई दिशा दी जाए और ओलंपिक मूवमेंट को एक अलग पहचान मिले। शहर के खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन और मंच उपलब्ध कराना हमारी पहली प्राथमिकता होगी। इस मौके पर उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय मौजूद रहे।

मिशन शक्ति कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारी।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लेने वाली प्रतिभागी।

बालनिकुंज में हुआ आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी अलीगंज के सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित मिशन शक्ति 5.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज की छात्राओं को उनकी आत्मरक्षा की क्षमता एवं सुरक्षा के उपाय की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि आईपीएस एडीसीपी उत्तरी डॉ. अमोल मुरकुट एवं विशेष अतिथि एसीपी अलीगंज ऋषभ यादव ने कार्यक्रम को सफल बनाया। प्रबंधक हृदय नारायण जायसवाल ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व अन्य अधिकारियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। मिशन शक्ति 5.0 महिलाओं की सुरक्षा सम्मान और आत्मनिर्भरता को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित अनेक योजनाओं और प्रयासों के बारे में छात्र छात्राओं को जागरूक करना था।

स्थापना दिवस पर हुई बेतबाजी

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय अपने 16वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सप्ताह व्यापी सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इसी क्रम में आज साहित्यिक क्लब द्वारा बेतबाज़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 5 टीमों ने भाग लेते हुए अपनी साहित्यिक एवं काव्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मूसी रज़ा ने प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते हुए प्रतिभागी टीमों को नियमों से अवगत कराया और कहा कि यह प्रतियोगिता केवल जीत और हार तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों का साहित्यिक और काव्यात्मक प्रशिक्षण इसका मुख्य उद्देश्य है।

भाषा विश्वविद्यालय में कबड्डी ट्रायल प्रतियोगिता में भाग लेतीं छात्राएं।

भाषा विवि में कबड्डी चयन ट्रायल आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में पुरुष एवं महिला कबड्डी टीम के गठन हेतु चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। चयन प्रक्रिया में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। ट्रायल के दौरान कबड्डी कोच हिमांशु यादव ने निर्णायक भूमिका निभाई। उनके निर्देशन में खिलाड़ियों की प्रतिभा को सही मंच मिला और चयन प्रक्रिया पारदर्शी व प्रभावी ढंग से पूरी हुई।

संगठन

खुनखुन जी गर्ल्स कॉलेज में छात्रा सभा का चुनाव सम्पन्न

कोमल अध्यक्ष, सत्या ने जीता उपाध्यक्ष का चुनाव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: खुनखुनजी गर्ल्स पीजी कॉलेज में छात्रा परिषद का चुनाव शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से सम्पन्न हो गया। प्रमुख चार पदों पर हुए चुनाव में अध्यक्ष पद पर कोमल जैन ने 180 मत पाकर 81 मत से उपाध्यक्ष पद पर नेहा लोधी 150 मत पाकर 3 मत से सचिव पद पर आकांक्षा अवस्थी 147 मत पाकर 39 मत से और संयुक्त सचिव पर महक गुप्ता 210 मत पाकर 70 मतों से विजय प्राप्त की। अध्यक्ष पद पर नेहा सिद्धार्थ (99), उपाध्यक्ष पर सत्या सिंह (147) सचिव पद पर अंशिका सिंह (108) और संयुक्त सचिव ह्रद्धिमा आचार्य (130) मत प्राप्त करके उपविजेता रहे।

छात्राओं से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव और सचिव (4) पद के लिए नाम मांगे गए थे। अध्यक्ष पद पर कुल 4 प्रत्याशियों नेहा सिद्धार्थ, नेहा पाठक, कोमल जैन और आस्था वाल्मीकि ने नामांकन किया था। उपाध्यक्ष पद पर बीए द्वितीय वर्ष से नेहा लोधी, अनुपमा दीक्षित, सत्या सिंह और जागृति के बीच कांटे की टक्कर रही। सचिव पद पर बीए प्रथम वर्ष से 4 छात्राओं आकांक्षा अवस्थी, लक्ष्मी प्रजापति, वैष्णवी शर्मा और अंशिका सिंह चुनाव मैदान में थी। संयुक्त सचिव पद पर तीन छात्राओं द्वारा नामांकन किया गया रिद्धिमा आचार्य, महक गुप्ता और गुलशना। इस अवसर पर अपराजिता मंच द्वारा कक्षा प्रतिनिधियों का मनोनयन भी किया गया। बीए प्रथम वर्ष से रिद्धिमा आचार्य, बीए द्वितीय वर्ष से सत्या सिंह, बीए तृतीय वर्ष से नेहा सिद्धार्थ, बीकॉम प्रथम वर्ष से श्वेता गौतम, बीकॉम द्वितीय वर्ष से अंजलि पाल, बीकॉम तृतीय वर्ष से रितिका गौतम, एमए(शिक्षा शास्त्र) प्रथम वर्ष से प्रियंका, द्वितीय वर्ष से मानसी, एमए (समाजशास्त्र) प्रथम वर्ष से तनवीर बानो, बीएड प्रथम वर्ष से अंशिका सिंह और बीएड द्वितीय वर्ष से प्रियंका अवस्थी को अपनी अपनी कक्षाओं का कक्षा प्रतिनिधि मनोनीत किया गया। छात्रा परिषद की प्रभारी प्रो. रंजीत कौर व डॉ. सत्यम तिवारी, डॉ. स्नेह लता शिवहरे के साथ समस्त शिक्षिकाओं ने चुनाव संपन्न कराने में सहयोग दिया। प्राचार्य प्रो. अंशु केडिया ने बताया कि आगामी 29 सितंबर को निर्वाचित छात्राओं को शपथ दिलाई जाएगी। समस्त प्रक्रिया प्राचार्य प्रो. अंशु केडिया के निर्देशन में संपन्न हुई।

छात्रा परिषद की विजेता छात्राएं। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

पति पर बिहार निवासी पत्नी की हत्या का आरोप

बाराबंकी, अमृत विचार : जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में रेलवे लाइन किनारे मिले विवाहिता के शव को लेकर परिजनों ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है। एसपी से मिलकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई लेकिन गुमशुदगी बिहार में दर्ज होने की वजह से पुलिस ने बाराबंकी में कार्रवाई से इंकार किया है। गत 3 सितंबर को जहांगीराबाद क्षेत्र में रेल पटरी किनारे एक विवाहिता का शव बरामद हुआ था। उसके पास से बेतिया से मुजफ्फरपुर तक का टिकट मिला। पुलिस ने सूचना प्रसारित की तो बिहार में सीतामढ़ी थाना पुनौरा मोहल्ला शांतिनगर तलखापुर डुमरा के रहने वाले राजीव कुमार वर्मा ने मृतका की पहचान अपनी बहन अर्चना के रूप में की। गत 15 सितंबर को एसपी से मिले राजीव कुमार ने बताया कि उनकी बहन अर्चना की हत्या उसके पति विकास ने की है।

हरदोई : मकान के बाहर चारपाई पर बैठे मां-बेटे को बोलेरो ने रौंदा

दोनों की मौत, महिला का पति व जेठ भी गंभीर रूप से घायल

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। सड़क के किनारे रह रही मां अपने बेटे के साथ चारपाई पर बैठी हुई थी, वहीं दूसरी चारपाई पर पति और जेठ बैठा था, उसी बीच तेज़ रफ्तार बोलेरों उनके ऊपर चढ़ गई, जिससे मां-बेटे की मौत हो गई, जबकि पति का पैर और जेठ का हाथ टूट गया। हादसे के बाद लोगों ने बोलेरो और उसके ड्राइवर को पीछा कर पकड़ लिया, जबकि उस पर सवार दो युवक भाग निकले। बुधवार की देर शाम हुए हादसे से गुस्साए लोगों ने श्रीमऊ-कुसुमखोर रोड पर जाम लगा दिया, पुलिस ने बमुश्किल लोगों को किसी तरह समझाकर जाम खुलवाया।

अरवल थाने के जसमई गांव निवासी

गायत्री व प्रिंस की फाइल फोटो।

- **लोगों ने पीछा कर बोलेरो और चालक को पकड़ा, नशे की हालत में था आरोपी**

इन्द्रपाल की पत्नी गायत्री देवी (35) बुधवार की देर शाम गांव में श्रीमऊ-कुसुमखोर रोड पर अपने मकान के बाहर चारपाई पर बैठी थी। उसके पास 8 वर्षीय बेटा प्रिंस भी बैठा था। दूसरी चारपाई पर उसका पति इन्द्रपाल (40) और जेठ कृष्णकुमार (65) बैठा था। उसी बीच कुसुमखोर की तरफ से आ रही तेज़ रफ्तार बोलेरो उनके ऊपर से चढ़ते हुए निकल गई। हादसे से वहां शोर होने लगा। गायत्री देवी की वहीं पर मौत हो गई, जबकि उसखे बेटे प्रिंस को सीएचसी हरपालपुर ले जाया जा रहा था, उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। गायत्री के पति इन्द्रपाल का पैर और जेठ कृष्ण कुमार का हाथ टूट गया। हादसे के बाद लोगों ने पीछा कर बोलेरो और उसके ड्राइवर को पकड़ लिया। जबकि उस पर सवार दो युवक भाग निकले। बोलेरो का नंबर लखनऊ का है, लेकिन श्रीमऊ की बताई जा रही है। ड्राइवर नशे की हालत में था। सीओ हरपालपुर सत्येंद्र सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

दो बाइकों की टक्कर में चचेरे भाइयों समेत 3 युवकों की मौत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। लखनऊ-पलिया हाई-वे पर पराग डेयरी के पास दो बाइक आमने-सामने टकरा गईं, जिसमें एक बाइक सवार दो चचेरे भाइयों और दूसरी बाइक पर मां और भाभी को लेकर जा रहे युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी मां और भाभी का 100 बेड हास्पिटल में इलाज चल रहा है। गुरुवार देर शाम हुए हुए हादसे का पता होते ही वहां पहुंची पुलिस जांच कर रही है।

कोतवाली देहात के बरगदिया मजरा घोसार निवासी 22 वर्षीय सोनेलाल पुत्र अनिल कुमार गुरुवार को गांव निवासी अपने 18 वर्षीय चचेरे भाई राजन पुत्र राजेश कुमार के साथ मज़दूरी करने शहर आया हुआ था। देर शाम दोनों बाइक से घर जा रहे थे। लखनऊ रोड पर कोतवाली देहात की पराग डेयरी के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक की उनकी

आदित्य, राजन व सोनेलाल की फाइल फोटो।

बाइक में ज़ोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल सोनेलाल और राजन को मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, दूसरी बाइक चला रहे बघौली थाने के टेढ़वा गांव निवासी 23 वर्षीय आदित्य पुत्र साहब लाल, उसकी मां मुन्नी देवी (58), भाभी सरोजनी (28) पत्नी अनुज और अनुज की ढाई वर्षीया बेटी शिवांशी को 100 बेड हास्पिटल पहुंचाया गया, जहां पहुंचते ही आदित्य की मौत हो गई, जबकि उसकी मां, भाभी और भतीजी का इलाज चल रहा है। बताते हैं कि आदित्य भतीजी को इलाज के लिए मां और भाभी के साथ शहर आ रहा था।

विकास हत्याकांड में 3 दोषी करार, सजा का ऐलान आज

सुलतानपुर, अमृत विचार : अमेठी जिले के करीडीह जलालपुर तिवारी निवासी विकास राजपूत की कमरौली में स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2016 को क्राइम द किंग स्कूल से 100 मीटर दूर पुलिया के पास हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में गुरुवार को अदालत ने अहम फैसला सुनाया।

अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ निशा सिंह की अदालत ने चमरटोलिया कस्बा निहालगढ़ निवासी अभियुक्त अनस खान उर्फ सोनू उर्फ डॉक्टर, पालपुर घोसियाना निवासी मोहम्मद अफजल और एच इंटर कालेज के पास बाजार शुकुल रोड निवासी मोहम्मद अकील को हत्या एवं आपराधिक षड़ंत्र रचने का दोषी करार दिया। निर्णय के बाद अदालत ने दोषियों को जेल भेज दिया और सजा सुनाने की अगली तारीख 26 सितंबर तय की है। उस दिन दोषियों को जेल से अदालत में तलब कर सजा सुनाई जाएगी। अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी विजय शंकर शुक्ल ने प्रभावी पैरवी करते हुए घटना की गुत्थी कोर्ट के सामने खोली और आरोपियों को कठघरे में खड़ा किया।

मिस यूनिवर्स इंडिया मनिका ने किये रामलला के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार। अयोध्या की रामलीला में सीता की भूमिका निभाने पहुंची मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 मणिका विश्वकर्मा ने बृहस्पतिवार को राम मंदिर में रामलला के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैं राजस्थान के एक छोटे से गांव की हूं और आज रामलीला में सीता की भूमिका कर बहुत अच्छा लगा। यह आयोजन बहुत भव्य था। टीवी चैनल और सोशल मीडिया के माध्यम से जो देखा उससे बहुत ही ज्यादा खूबसूरत अयोध्या है। बताया कि पहली बार अयोध्या आना और इतना बड़ा रोल मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

बहराइच : खेल रहे बच्चे पर भेड़िये का हमला, गंभीर

बहराइच, अमृत विचार : कैसरगंज तहसील क्षेत्र के मंझारा तौकली क्षेत्र के देवनाथ पुरवा गांव में भेड़िए ने घर के बाहर खेल रहे आठ साल के एक बच्चे पर गुरुवार दिन में हमला कर दिया। भेड़िया बच्चे को दबोचकर भागने लगा। बच्चे की चीख सुनकर परिजन और ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर शोर मचाते हुए उसके पीछे दौड़े। भेड़िए को लाठी-डंडों से मारा, तब वह बच्चे को छोड़कर खेतों की ओर भाग गया। भेड़िए के हमले से बच्चे के सिर पर गंभीर चोट आई है। घायल बच्चे को लेकर परिजन अस्पताल गए। फखरपुर स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना वन विभाग को दी गई।

कानपुर : इरफान सोलंकी को हाईकोर्ट से जमानत

कानपुर, अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवरा को कानपुर की सीसामऊ सीट से सपा विधायक रहे इरफान सोलंकी के साथ ही उनके भाई रिजवान सोलंकी और सहयोगी इजराइल आटेवाला को गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में जमानत दे दी। कोर्ट ने इस मामले में 2 सितंबर को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर लिया था। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने तीनों की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। इरफान सोलंकी दो साल से जेल में बंद हैं और इस समय महराजगंज जिला कारागार में निरुद्ध हैं। उनकी विधायकी समाप्त हो चुकी है। इनके बाद उपचुनाव में उनकी पत्नी नसीम सोलंकी सीसामऊ सीट से विधायक चुनी गईं। कोर्ट ने मामले पर विचार करते हुए पाया कि आरोप राजनीति से प्रेरित हैं और पर्याप्त

इरफान सोलंकी।

साक्ष्य नहीं हैं। मामले के अनुसार कानपुर नगर के जाजमऊ थाने में 26 दिसंबर 2022 को इरफान सोलंकी, उनके भाई रिज़वान सोलंकी और इज़राइल आटेवाला के खिलाफ एक महिला की जमीन हड़पने की कोशिश करने और विरोध करने पर उसके घर में आग लगाने के आरोप में गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप है कि उन्होंने गैंग बनाकर आर्थिक लाभ के लिए आम जनता को भयभीत किया। इसी मामले में 7 जून 2024 को कानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने इरफान, रिज़वान और अन्य आरोपियों को सात साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। हालांकि मार्च 2025 में इरफान और रिज़वान को रंगदारी मामले में जमानत मिल चुकी है। अक्टूबर 2024 में उन्हें बांग्लादेशी नागरिक के फर्जी दस्तावेज बनवाने में मदद के मामले में भी जमानत मिल चुकी है और अब गैंगस्टर एक्ट में भी राहत मिलने से उनके जेल से बाहर आने की राह आसान हो गई है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सचिव ने परखी तैयारी

अयोध्या, अमृत विचार : रामनगरी के एक और चौराहे को नई पहचान मिलने जा रही है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़ी पहल होगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 8 अक्टूबर को भव्य बृहस्पति कुंड का उद्घाटन करेंगी। इस कुंड का सुंदरीकरण विशेष रूप से दक्षिण भारतीय श्रद्धालुओं को ध्यान में रखकर किया गया है। यहाँ दिवंगत तीन महान संगीतकार त्यागराज स्वामीगल, पुरंदर दास व अरुणाचल कवि की मूर्तियां स्थापित की गई हैं। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री के सचिव बृहस्पति कुंड के जीर्णोद्धार और मूर्ति स्थापना के कार्यों की समीक्षा के लिए आए हैं। कार्य की गति और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यदायी संस्था को अंतिम चरण के कार्यों में गुणवत्ता और फिनिशिंग पर ध्यान देने के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं।

अवैध मदरसा कराया गया बंद, संचालक गिरफ्तार

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : क्षेत्र के पटिहाट गांव में बुधवार को एसडीएम की छापेमारी के दौरान एक अवैध मदरसे के बाथरूम में 40 नाबालिग लड़कियों को बाथरूम में छिपाकर रखा गया था। लड़कियों को उनके घर भेज दिया गया है। मदरसा संचालक कोई दस्तावेज भी नहीं दिखा सका। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। छापेमारी के दौरान फरार हुए मदरसा संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अवैध मदरसे को बंद करने का निर्देश दिया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह अवैध मदरसा कहीं अन्य गैरकानूनी गतिविधि का केंद्र तो नहीं था। पटिहाट स्थित जामिया कादिया गुलशने गौसुलवरा नामक मदरसे के बारे में स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया था कि यह मदरसा अवैध रूप से चलाया जा रहा है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, एसडीएम अश्विनी कुमार पांडे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मदरसे पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान, मदरसा संचालक खलील अहमद ने अधिकारियों को रोकने की कोशिश की, लेकिन प्रशासन की सख्ती के आगे उसकी एक न चली।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत न्यायालय श्रीमान् अपर सिविल जज (जू0डि0) कक्ष सं0–33, लखनऊ
आर0एस0 वाद सं0–1621 / 2018
पेशी–04.10.2025

श्रीमती लज्जावती आयु लगभग 48 वर्ष पत्नी श्री आशाराम निवासिनी–ग्राम अहमामऊ, पर0 लखनऊ, तह0 सरोजनी नगर, जिला लखनऊ–प्रार्थिनी / वादिनी–**बनाम्**–1–चन्द्रपाल आयु लगभग 55 वर्ष पुत्र स्व0 बुद्धा निवासी–ग्राम चमरतलिया, पो0 अमेठी, पर0 व तह0 मोहनलालगंज, जिला–लखनऊ–2–मो0 वहीद आयु लगभग 45 वर्ष पुत्र मो0 सईद निवासी–कस्बा अमेठी, तह0 मोहनलालगंज, जिला लखनऊ –विपक्षीगण

हरगाह–प्रार्थिनी / वादिनी ने आपके नाम से एक नालिस बावत दावा वास्ते निरस्त किये जाने पंजीकृत विक्रय अनुबन्ध पत्र बिना कब्जा दिनांकित 08.08.2016 हेतु के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04.10.2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा हालात से वाकई वाकिफकार किया गया हो और कुल अहम उमूरात मुताबिक का जवाब दे सके या जिसके साथ और कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश कर जिन पर आप बताइद अपनी जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों बयान तहरीरी दिनांक 04.10.2025 को दाखिल करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर अदालत से आज बतारीख 13.08.2025 ई0 को जारी किया जाये।

दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

सूचना

मैं रेणु चड्ढा स्वर्गीय राजेश चंद्र चड्ढा की धर्मपत्नी निवासी – 559/खा /236 श्रीनगर, सिंगार नगर, लखनऊ मेरा डाक अधिकार पत्र नंबर – 270/0355245/04 कही खो गया है, जिसकी वैद्य तिथि 18 नवंबर 2025 है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है।, **क्र.सं.1 निविदा सं.**: वमंविइं-टीआरडी-लजं-ओटी-169, **कार्य का विवरणः** पूर्वोत्तर रेलवे के एलजेएन डिवीजन में जगतबेला स्टेशन पर डाउन विस्तारित लूप लाइन संख्या 5 का विद्युतीकरण।, **ई-निविदा बन्द होने की तिथि व समयः** 29.10.2025 व 15.00 बजे, **ई-निविदा खुलने की तिथि व समयः** 29.10.2025 व 15.30 बजे, **अनुमानित लागतः** ₹.1,32,70,077.60, **बयाना राशिः** ₹.2,16,400.00 , **निविदा मूल्य**-₹.0.00 , **कार्य सम्पादन की अवधिः** 09 माह, **क्र.सं.2 निविदा सं.**: वमंविइं-टीआरडी-लजं-ओटी-170, **कार्य का विवरणः** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में एलएचएनआर, एमएएनडब्ल्यू,आरजे, एसटीआरके, एसयूआईए,वाईईएम और टीबीपी हॉल्ट पर 7 यात्री पी.एफ. को निम्न स्तर से उच्च स्तर तक बढ़ाने के कारण ओएचई संशोधन कार्य। **ई-निविदा बन्द होने की तिथि व समयः** 29.10.2025 व 15.00 बजे, **ई-निविदा खुलने की तिथि व समयः** 29.10.2025 व 15.30 बजे, **अनुमानित लागतः** ₹.39,62,708.83, **बयाना राशिः** ₹.79,300.00, **निविदा मूल्य**-₹.0.00, **कार्य सम्पादन की अवधिः** 09 माह, **नोट- 1.** इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेग। **2.** विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट "http://www.ireps.gov.in को देखें।

वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत-144 **लखनऊ**

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदायें **(सिंगल पैकेट सिस्टम)** आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं. : 106-Sig-Tender-27-2025-26	
कार्य का नामः "इंटरलॉकिंग ऑफ लेवल क्रासिंग गेट्स इन दा सेक्शन ऑफ ए. डी. एस. टी. ई./बी. एस. बी. ऑफ लखनऊ डिवीज़न ऑफ नॉर्थेर्न रेलवेज।"	
अनुमानित लागत : रु. 1,55,95,886.68	
निविदा प्रपत्र की कीमत : निल	
धरोहर राशि : रु. 2,28,000.00	
कार्य पूरा करने की अवधि : 365 दिन	
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय : 16.10.2025, 15:30 बजे तक	
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है : वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ	

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

सं.: 106-सिग-टेन्डर-27/2025-26 दिनांक: 23.09.2025 **2957/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो0–9696715133

सूचना

पहले मेरा नाम VIJYI था मैं अपना नाम बदल कर VIJAY KUMAR रख लिया हूं इसी नाम से जाना व पहचान जाए। VIJAY KUMAR S/O-SURESH ADD-SEMGADHA KOLABHR MAJGAWN, DIST-SRAWASTI (U.P)

सूचना

पहले मेरा नाम JITENDRA KUMAR था मैं अपना नाम बदलकर JITENDRA KUMAR GAUTAM रख लिया हूं अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचान जाए। JITENDRA KUMAR GAUTAM S/O-RAM AKSHEVAR, ADD-146A, SAHAB TARA JALALPUR DEHAT DIST-AMBEDKAR NAGAR (U.P)

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं MUNIR AHMAD MOHAMMAD SIDDIQ S/O MOHAMMAD SIDDIQ निवासी ग्राम व पोस्ट चिर्रा जिला बाराबंकी का रहने वाला हूं अब मैं अपना नाम बदलकर MUNIR AHMAD रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सर्वश्री अनुष्का एंड एसोसिएट्स, 93, विजय नगर, कानपुर रोड, लखनऊ, टिन नम्बर–09552002873 का फार्म 38 संख्या–3034502 जारी दिनांक 01.05.2015 एवम फार्म C संख्या–09157790 जारी दिनांक 01.02.2017 खो गया है जिसका प्रयोग अवैध माना जाएगा। – **प्रोपराइटर**

सूचना

पहले मेरा नाम KARAM CHAND S YADAV था अब बदलकर KARAM CHAND YADAV हो गया है मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **पता–ग्राम–फूलपुर पोस्ट–दारी चौरा थाना–उतरौला जनपद– बलरामपुर –271607 (उ0प्र0)**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सर्वश्री अनुष्का एंड एसोसिएट्स, 93, विजय नगर, कानपुर रोड, लखनऊ, टिन नम्बर–09552002873 का फार्म 38 संख्या–3034502 जारी दिनांक 01.05.2015 एवम फार्म C संख्या–09157790 जारी दिनांक 01.02.2017 खो गया है जिसका प्रयोग अवैध माना जाएगा। – **प्रोपराइटर**

सूचना

पहले मेरा नाम MAYA WATI K YADAV था अब बदलकर MAYAWATI YADAV हो गया है मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-KARAM CHAND YADAV **पता–ग्राम–फूलपुर पोस्ट–दारी चौरा थाना–उतरौला जनपद–बलरामपुर– 271607 (उ0प्र0)**

सूचना

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2023 का अंक पत्र व प्रमाण पत्र जिसका अनुक्रमांक 1231542248है वास्तव में खो गया है। जिस व्यक्ति को मिले इस पते पर पहुंचाने की कृपा करें। **गोविन्द प्रसाद पुत्र रामेश्वर प्रसाद, निवासी– ग्राम खमरखा पोस्ट नारायनपुर थाना कमासिन जिला बांदा**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा संचालित हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1231231943 का अंकपत्र सह प्रमाणपत्र कहीं खो गया है। **सौरभ पुत्र प्रमोद ग्राम कोलाहैबतपुर, पोस्ट–मेजरगंज, जनपद– रायबरेली, उत्तर प्रदेश। पिन–229128**

सूचना

मैंने अपने पुत्र मोहित पुत्र रामपाल को उनके गलत आचरण, व्यवहार के कारण उनसे सम्बन्ध विच्छेद कर अपने मकान उपरोक्त व अपनी समस्त सम्पत्ति से बेदखल कर अलग कर दिया है। उनके किसी भी प्रकार के कार्य से कोई लेना देना नहीं है वह अपने द्वारा किये गये कार्यो के स्वयं जिम्मेदार होंगें। **रामपाल पुत्र स्व. प्रभु दयाल निवासी– ग्राम व मोहल्ला मोहम्मदपुर, थाना चौबेपुर, जनपद कानपुर नगर।**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, लिफ्ट सिंचाई खण्ड, अयोध्या

पत्रांकः–1293 / लि0सिं0ख0अयो0 / ई–निविदा / 2025–26 / दिनांकः 22.09.2025

शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय के पत्र सं0–1087 / लि0सिं0ख0अयो0 / ई–निविदा / दिनांकः19.08.2025 द्वारा अल्पकालीन ई–निविदा नोटिस सं0–19 / EE/LID/AYO/APC&RKP-I/2025-26, Date:19.08.2025 लाट–01 चौधरी चरण सिंह, अयोध्या पम्प नहर, विक्रमजोत, बस्ती एवं लाट–02 राम की पैड़ी प्रथम चरण, अयोध्या हेतु आमंत्रित की गई थी, अपरिहार्य कारणों से यह ई–निविदा निरस्त की जाती है।

UP – 238166 **दिनांक:** 24/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(शिव कुमार गुप्ता)
अधिशासी अभियन्ता

सम्भागीय कार्यालय उप निदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल स्थल उतरौला रोड, देवीपाटन (गोण्डा)

पत्रांक :– नि0–देवी0(गोण्डा)/(निविदा प0)/2025–461 **दिनांक :– 25.09.2025**

ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

निर्माण खण्ड मण्डी परिषद, देवीपाटन (गोण्डा) के अन्तर्गत जनपद बहराइच में गड्ढामुक्तिकरण योजनान्तर्गत सम्पर्क मागों के मरम्मत/अनुरक्षण कार्य (05 वर्षीय अनुरक्षण सहित) हेतु मण्डी परिषद में पंजीकृत एवं वित्तीय रूप से सुदृढ़ ठेकेदारों/फर्मो से अलग–अगल तकनीकी एवं वित्तीय बिड ई–टेण्डरिंग के माध्यम से दिनांकः 17.10.2025 को आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्ते निविदादाता कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में एवं वेबसाइड https://etender.up.nic.in पर जानकारी प्राप्त कर सकते है। ई–निविदा के माध्यम से आनलाइन निविदा वेबसाइड https://etender.up.nic.in पर दिनांकः–06.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांकः–16.10.2025 की सांय 5.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। कार्यो की तकनीकी बिड दिनांकः–17.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे से अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	मरम्मत / 05 वर्षीय अनुरक्षण सहित कार्य की कुल लागत रू0 लाख में	निविदा शुल्क (जी0एस0 टी0 सहित)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेणी
मण्डी समिति बहराइच के क्षेत्रान्तर्गत						
1	सम्पर्क मार्ग कुण्डासर जैतापुर मुख्य मार्ग से धरूआ तक मरम्मत कार्य। (ल0–0.80 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077448_1)	13.39	2478.00	1.34	03 माह	''द''
2	सम्पर्क मार्ग फखरपुर बौण्डी मुख्य मार्ग से धरमपुर मजरा तक मरम्मत कार्य। (ल0–1.00 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077450_1)	16.77	3068.00	1.68	03 माह	''द''
3	सम्पर्क मार्ग नवाबगंज बाजार से धर्मनगर मार्ग से मन्सुखपुर ग्राम तक मरम्मत कार्य। (ल0–1.00 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077452_1)	16.75	3068.00	1.88	03 माह	''द''
4	सम्पर्क मार्ग आसाम रोड से चिचड़ी मार्ग से कुददतपुरवा तक मरम्मत कार्य। (ल0–1.00 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077453_1)	16.78	3068.00	1.68	03 माह	''द''
5	सम्पर्क मार्ग एरिया चौराहा से ग्राम लुधौनी होते हुए हरिहन पुरवा तक मरम्मत कार्य। (ल0–1.90 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077458_1)	52.67	9322.00	4.65	04 माह	''स''
6	सम्पर्क मार्ग खैरा बेहड़ा मार्ग से भिरवा जाने वाली रोड से गड़रियन पुरवा तक मरम्मत कार्य। (ल0–1.25 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077461_1)	17.55	3186.00	1.76	04 माह	''द''
मण्डी समिति, नानपारा के क्षेत्रान्तर्गत						
7	सम्पर्क मार्ग नवाबगंज शंकरपुर मार्ग से अलीनगर खुर्द से ग्राम गौरी शंकर तक मरम्मत कार्य। (ल0–1.70 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077462_1)	29.32	5192.00	2.94	04 माह	''द''
मण्डी समिति, पयागपुर क्षेत्रान्तर्गत						
8	सम्पर्क मार्ग बहराइच गोण्डा रोड से लाला तेलियनपुरवा से गोदवरा तक मरम्मत कार्य। (ल0–2.00 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077465_1)	33.46	6018.00	3.35	04 माह	''द''
9	सम्पर्क मार्ग भूपगंज बाजार से मकूल सिंह पुरवा तक मरम्मत कार्य। (ल0–1.35 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077466_1)	22.60	4012.00	2.26	04 माह	''द''
10	सम्पर्क मार्ग बहराइच गोण्डा मार्ग से हठवा गोपालपुर तक मरम्मत कार्य। (ल0–2.40 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077468_1)	56.90	10148.00	4.85	04 माह	''स''
11	सम्पर्क मार्ग खुटेहना गिलौला मार्ग से भेटिया तक मरम्मत कार्य। (ल0–0.70 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077470_1)	11.38	2124.00	1.14	03 माह	''द''
मण्डी समिति, मिहींपुरवा के क्षेत्रान्तर्गत						
12	सम्पर्क मार्ग लखैया तक का मरम्मत कार्य। (ल0–3.00 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077471_1)	54.50	9676.00	4.75	04 माह	''स''
13	सम्पर्क मार्ग गूढ़ झाला पिच रोड से भोला कुण्डा तक मरम्मत कार्य। (ल0–1.50 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077477_1)	25.12	4484.00	2.52	04 माह	''द''
14	सं0मार्ग गंगापुर मण्डी से अमृतपाल कॉटा गूढ़ चौराहा से सुजौली तक मरम्मत कार्य। (ल0–2.50 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077479_1)	67.71	12036.00	5.40	04 माह	''स''

नोटः– 1. निविदादाता निविदा शुल्क की धनराशि का मूल्य (जी0एस0टी0 सहित) उपनिदेशक (निर्माण) के खाता भारतीय स्टेट बैंक की शाखा (नवीन फल एवं सब्जी मण्डी स्थल) गोण्डा के खाता संख्या 30394521872 आई0एफ0एस0सी0 कोड संख्या SBIN0014612 जो उप निदेशक (निर्माण) के नाम नेफ्ट/आर0टी0जी0एस0 कराना होगा। निविदा शुल्क की धनराशि नान रिफन्डेबल है, एवं धरोहर धनराशि जमानत खाता संख्या 30394522015 आई0एफ0एस0सी0 कोड संख्या SBIN0014612 जो उप निदेशक (निर्माण) के नाम नेफ्ट/आर0टी0जी0एस0 कराना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि का यू0टी0आर0 नम्बर निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा। 2. निविदा से सम्बन्धित सभी नियम एवं शर्ते तथा अन्य विवरण आनलाइन निविदा वेबसाइड https://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। 3. लोक निर्माण विभाग के पत्र संख्या 3689सी–UPRML/मूल/2023 दिनाँक 17.02.2024 के अनुसार सम्पर्क मार्ग के कार्यो में 05 वर्षीय अनुरक्षण हेतु भुगतान प्रकिया का पालन किया जायेगा। 4. उपरोक्त सम्पर्क मार्गो के कम सं0 1,2,3, 5,,8,9,10,11,12 एवं 14 पर प्रीमिक्सिंग/सीलकोट का कार्य हाट–मिक्स पद्धति से तथा कम सं0–4,6,7 एवं 13, पर प्रीमिक्सिंग एवं सीलकोट का कार्य मिक्साल से कराया जायेगा।

उपनिदेशक (निर्माण)
मण्डी परिषद, देवीपाटन (गोण्डा)

सऊदी भेजने के नाम पर लाखों की ठगी

बाराबंकी : सुबेहा क्षेत्र के ग्राम किरसिया निवासी फरीद अहमद ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि इश्तियाक ने उसे और अबरार पुत्र मो. रमजान को सऊदी भेजने का झांसा देकर 2,94,500 रुपये ऑनलाइन व 65,000 रुपये नकद लिए। काफी समय बीतने के बाद भी न वीजा दिया न ही पैसे वापस किए।

न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
Nuclear Power Corporation of India Limited
(भारत सरकार का उद्यम) (A Government of India Enterprise)
सीआईएन/ CIN: U40104MH1987GOI149458

चुनौतीपूर्ण एवं प्रगतिशील कैरियर के लिए हमारे साथ, एनपीसीआईएल से जुड़े।
विज्ञापन सं: एनपीसीआईएल/मुख्या/मासंप्र/ईटी/2025/04

एनपीसीआईएल में गेट द्वारा स्नातक अभियंताओं की भर्ती

एनपीसीआईएल, भारत सरकार के परमाणु उर्जा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है जिसे न्यूक्लियर प्रौद्योगिकी के सभी पहलुओं, जैसे एनपीपी की साइटिंग, अभिकल्पन, निर्माण, कमीशनिंग, प्रचालन, अनुरक्षण, नवीकरण, आधुनिकीकरण व उन्नयन, संयंत्र आयु विस्तार, अपशिष्ट प्रबंधन व न्यूक्लियर रिएक्टरों की डीकमीशनिंग के क्षेत्र में समग्र सक्षमता प्राप्त है।
एनपीसीआईएल की **मेकैनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन तथा सिविल** विधाओं के लिए कार्यकारी प्रशिक्षुओ (ईटी–2026) के रूप में, स्नातक अभियंताओं की भर्ती किए जाने की योजना है।
एनपीसीआईएल में ऑनलाइन आवेदन भरते समय इच्छुक अभ्यर्थीगण के पास उपरोक्त में से किसी एक विधा में गेट 2024/2025/2026 वर्ष का वैध प्राप्तांक होना चाहिए। अभ्यर्थियों के साक्षात्कार के लिए गेट के प्राप्तांकों के आधार पर लघु सूचीयन किया जाएगा। विस्तृत विज्ञापन गेट 2026 के परिणाम घोषित होने के उपरांत लगभग 10 दिन के अंदर एनपीसीआईएल की वेबसाइट www.npcilcareers.co.in एवं www.npcil.nic.in पर उपलब्ध रहेगा।
गेट 2026 के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट https://gate2026.iitg.ac.in या आईआईएससी तथा आईआईटी की गेट जोनल वेबसाइट पर अभ्यर्थी विजिट कर सकते हैं।
भविष्य में किसी प्रकार की सूचना/शुद्धिपत्र/अनुशेष आदि को केवल एनपीसीआईएल की उपर्युक्त वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

एनपीसीआईएल स्त्री–पुरूष समानता वाले कार्यबल के निर्माण हेतु निरंतर समर्पित है और महिला अभ्यर्थियों को आवेदन हेतु प्रोत्साहित करते हैं।

''स्वच्छ रहो, स्वस्थ रहो''
एनपीसीआईएल, भारत सरकार द्वारा चलाए गए स्वच्छ भारत मिशन को प्रोत्साहित करता है।
न्यूक्लियर विद्युत – एक अपरिहार्य विकल्प

CBC48132/12/0003/2526

एक उम्र के बाद हम वही चाहने लगते हैं, जो मिल सकता है।

–निर्मल वर्मा, हिंदी लेखक

सिनेमा का गौरव सम्मान

भारतीय सिनेमा का इतिहास जितना पुराना है, उतना ही गौरवपूर्ण भी है। इस उद्योग ने न केवल मनोरंजन के क्षेत्र में बल्कि समाज के सांस्कृतिक और भावनात्मक जीवन में भी गहरा प्रभाव छोड़ा है। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह ने इस बात को और पुष्ट कर दिया कि भारतीय सिनेमा अपनी विविधता, रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों के कारण विश्व मंच पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिए गए इन पुरस्कारों ने यह भी साबित किया कि सिनेमा केवल पर्दे पर कहानियां कहने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को जोड़ने का सशक्त साधन भी है। इस बार मलयालम सिनेमा के महान अभिनेता मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान की स्वीकृति है, बल्कि पूरे दक्षिण भारतीय सिनेमा के संघर्ष और उत्कर्ष की पहचान भी है। मोहनलाल ने अपने अभिनय से जिस तरह मानव जीवन की जटिलताओं, भावनाओं और संघर्षों को पर्दे पर उतारा, वह भारतीय सिनेमा की धरोहर है।

इसी अवसर पर शाहरुख खान को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। शाहरुख खान को फिल्म 'डंकी' और विक्रांत मैसी को '12वीं फेल' में उनके दमदार अभिनय के लिए सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार इस बात के प्रमाण हैं कि हिंदी सिनेमा की मुख्यधारा भी अब केवल व्यावसायिक सफलता पर निर्भर नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक संदेश और यथार्थपरक कथानक को भी महत्व देने लगी है। विक्रांत मैसी का सम्मान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनकी फिल्म '12वीं फेल' ने लाखों युवाओं की संघर्ष यात्रा को पर्दे पर उतार कर समाज को प्रेरित किया है। वहीं रानी मुखर्जी की फिल्मों ने महिला किरदारों को नई मजबूती दी है और यह दिखाया है कि नायिका केवल सहायक पात्र नहीं बल्कि कहानी की धुरी भी हो सकती है। राष्ट्रीय पुरस्कारों में क्षेत्रीय सिनेमा का योगदान भी उल्लेखनीय रहा। सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार 'कटहल' को मिला, जबकि सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का खिताब '12वीं फेल' ने जीता। यह दर्शाता है कि आज के फिल्मकार सामाजिक मुद्दों को गंभीरता से उठा रहे हैं और मनोरंजन के साथ-साथ दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। यही कारण है कि राष्ट्रपति ने भी अपने संबोधन में कहा कि फिल्मों का लोकहित में होना लोकतंत्र को और मजबूत बनाता है।

इन पुरस्कारों का एक और सकारात्मक पहलू यह है कि इससे कलाकारों को प्रोत्साहन मिलता है और वे और बेहतर काम करने के लिए प्रेरित होते हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित होता है कि दर्शकों को गुणवत्तापूर्ण सिनेमा मिले। पुरस्कार समारोह यह संदेश देता है कि प्रतिभा और मेहनत को कभी अनदेखा नहीं किया जा सकता, चाहे वह किसी भी भाषा या क्षेत्र की फिल्म क्यों न हो। आज जब वैश्विक मंच पर भारतीय सिनेमा की प्रतिष्ठा बढ़ रही है, तब ऐसे पुरस्कार न केवल कलाकारों की मेहनत का सम्मान करते हैं, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान को भी सुदृढ़ करते हैं।

प्रसंगवश

सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना के प्रतीक जुबीन दा

बीती 19 सितंबर को असम के गायक, संगीतकार और सांस्कृतिक समृद्धि के प्रतीक जुबीन गर्ग की मृत्यु ने पूरे देश को शोक में डुबो दिया। उनकी अंतिम यात्रा में गुवाहाटी की सड़कों पर लाखों लोगों की उमड़ी भीड़ असम के लोगों की अपने प्रिय कलाकार के प्रति गहरी श्रद्धा और प्रेम को दर्शाती है। यह श्रद्धांजलि अपने आप में अद्वितीय थी, हाल के सालों में शायद ही किसी अन्य कलाकार के लिए इतनी विशाल और भावनात्मक भीड़ हमने भारत में देखी हो। जुबीन गर्ग की अंतिम यात्रा में गुवाहाटी में अनुमानित 10 लाख से अधिक लोग शामिल हुए, जो असम के इतिहास में एक अभूतपूर्व घटना थी। उनकी मृत्यु के बाद, असम के हर कोने से लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने आए,

मनोरमा सिंह

स्वतंत्र पत्रकार

अपने घरों से सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर आए, श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के दौरान सड़कें ठसाठस थीं। एक्स पर उनका नाम ट्रेंडिंग रहा, जिसमें लाखों पोस्ट्स में उनकी कला और सामाजिक योगदान की चर्चा हुई, लेकिन इस मौके पर कुछ लोग यह कह रहे हैं कि असमवासी अपने कलाकारों का सम्मान करना जानते हैं, जो अन्य राज्यों में कम दिखता है। यह तुलना न केवल अनुचित है, बल्कि यह जुबीन गर्ग की विरासत को भी कमतर करता है। जुबीन कोई सत्ता की गोद में बैठे हुए कलाकार नहीं थे। वो जोखिम उठाकर बोलने वाले इंसान थे, उन्होंने हर किसी को खुश करने के लिए चुप रहना या न्युट्रल होना भी नहीं चुना, उन्होंने जाति, धर्म और संप्रदाय से अपने को ऊपर रखा, साथ ही संकीर्णता, धर्मांधता, जाति गर्व, समुदाय गर्व जैसी छोटी सीमाओं को तोड़ते हुए अपनी कला को मानवता के लिए समर्पित किया। जुबीन दा केवल एक गायक या अभिनेता नहीं थे, वे असम की सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का प्रतीक थे। उनके गीतों ने असमिया, बोडो, बंगाली और हिंदी भाषाओं में एकता का संदेश दिया। उनकी मृत्यु पर ऐसी भीड़ उमड़ना उनकी व्यक्तिगत और सामाजिक विरासत का परिणाम था, न कि केवल असम की संस्कृति का। उनकी जिंदगी और कला इस बात का प्रमाण है कि वे जनता के लिए जिए और जनता के लिए गाए। जाति और धर्म से परे 2019 में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में जुबीन दा ने कहा था मेरी कोई जाति नहीं, मेरा कोई धर्म नहीं मेरा कोई भगवान नहीं।

जुबीन ने नागरिकता संशोधन विधेयक (सीएए 2019) के खिलाफ खुलकर विरोध किया, सत्ता से ऊपर उठकर लोगों के साथ होकर कहा, मैं पहले असमिया, फिर भारतीय और फिर कलाकार हूं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और असम की पहचान के लिए भी आवाज उठाई। सत्ता के सामने नतमस्तक नहीं हुए और कहते रहे, मैं हर उस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाऊंगा जो किसी भी इंसान के जीवन को प्रभावित करता हो। असम के सीएम हिमंता बिस्वा शर्मा ने अपनी श्रद्धांजलि में कहा "जुबीन असम की धड़कन थे, जुबीन असम की आत्मा थे, जिन्होंने हमें एकजुट किया"। आपको ये लकीर देखकर बात करनी होगी कि यह केवल एक कलाकार के प्रति प्रेम नहीं था या है, बल्कि उनकी मानवतावादी और सामाजिक विचारधारा के प्रति सम्मान था। जुबीन कोई सत्ता की कठपुतली नहीं थे, वे जनता के कलाकार थे, जिन्होंने हर वक्त लोगों की बात की। 15 अनाथ बच्चों के पिता थे, लगातार व्यापक सामाजिक सरोकारों के लिए काम करने वाले, फिर पूरा असम क्यों नहीं रोयेगा उनके लिए?

फिलिस्तीन को मान्यता और इजराइल

नवीन गुप्ता

बरेली

गाजा में हमास पर हमले में आम नागरिकों की मौत से दुनिया के कई देशों में इजराइल के प्रति गहरी नाराजगी और गुस्सा है। खुद इजराइल में भी आए दिन लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और हमले रोकने की मांग प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कर रहे हैं। इन सबके बीच अब इजराइल की कूटनीति भी फेल होती जा रही है तो अमेरिका भी सहयोगी देशों के गुस्से से इजराइल को नहीं बचा पा रहा है। हालत यह है कि अमेरिका के मित्र राष्ट्र भी अब फिलिस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता दे रहे हैं। भारत और चीन तो बहुत पहले ही फिलीस्तीन को राष्ट्र मान चुके हैं। फ्रांस, पुर्तगाल, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और कनाडा का फलस्तीन को मान्यता देना पूरी दुनिया को चौंका रहा है। ये फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा और आस्ट्रेलिया अमेरिका के बेहद करीबी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन देशों के प्रधानमंत्रियों पर फलस्तीन का समर्थन न करने के लिए दबाव भी बनाया था लेकिन उनका दबाव काम नहीं आया। फ्रांस द्वारा फिलिस्तीन को न सिर्फ मान्यता देना बल्कि, गाजा में इंटरनेशनल फोर्स तैनात किए जाने का सुझाव भी दिया है। फ्रांस के इस प्रस्ताव के पीछे कई कूटनीतिक, मानवीय और रणनीतिक कारण बताए जा रहे हैं।

फिलिस्तीन अभी संयुक्त राष्ट्र संघ में गैर सदस्य पर्यवेक्षक के रूप में है। उसे मतदान का अधिकार नहीं है। पर्यवेक्षक सदस्य का दर्जा 29 नवंबर, 2012 को प्रदान किया गया था। हालांकि संयुक्त राष्ट्र से मान्यता मिलना बहुत आसान नहीं होता है। स्वतंत्र राष्ट्र के लिए संयुक्त राष्ट्र में आवेदन किया जाता है। इस आवेदन को वहां से सुरक्षा परिषद के पास भेज दिया जाता है। सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में से कम से कम नौ सदस्य देशों का समर्थन जरूरी है। इन 15 देशों में शामिल वीटो प्राप्त सभी पांच सदस्य मान्यता देंगे तब आवेदन को महासभा के पास भेजा जाता। वहां सभी 193 सदस्यों के बीच मतदान होता है। अगर दो तिहाई सदस्य इस आवेदन को समर्थन देते हैं तब किसी क्षेत्र को राष्ट्र की मान्यता मिलती है। फलस्तीन की तरफ से 2011 में मान्यता के लिए आवेदन किया गया था। वैसे तो 145 से अधिक देश फलस्तीन को मान्यता दे चुके हैं। वीटो प्राप्त चीन और रूस ने 1988 में फलस्तीन को मान्यता दी थी। ब्रिटेन ने भी मान्यता दे दिया है। फ्रांस ने मान्यता दे दिया है। इन वीटो प्राप्त इन चार देशों द्वारा मान्यता देने के बाद भी संयुक्त राष्ट्र संघ से फलस्तीन को मान्यता नहीं मिल पाएगी, क्योंकि अमेरिका भी वीटो प्राप्त देश है जो कभी मान्यता नहीं देगा। अमेरिका के सहयोगी देशों द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने से इजराइल नाराज है।

फिलिस्तीन अभी संयुक्त राष्ट्र संघ में गैर सदस्य पर्यवेक्षक के रूप में है। उसे मतदान का अधिकार नहीं है। पर्यवेक्षक सदस्य का दर्जा 29 नवंबर, 2012 को प्रदान किया गया था। हालांकि संयुक्त राष्ट्र से मान्यता मिलना बहुत आसान नहीं होता है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मान्यता के साथ ही उम्मीद जताई है कि इजराइल और फिलिस्तीन को शांतिपूर्ण भविष्य मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज ने कहा है कि फलस्तीन को राज्य की मान्यता देना कनाडा और ब्रिटेन के साथ मिलकर किया गया कदम है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन देशों से नाराजगी जाहिर की है जिन्होंने फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के रूप में मान्यता दी है। उन्होंने कहा कि फलस्तीन को मान्यता देना मतलब आतंकवाद को इनाम देने जैसा है। मेरे पास उन सभी नेताओं के लिए एक स्पष्ट संदेश है जो फलस्तीन को मान्यता दे रहे हैं, खासकर 7 अक्टूबर के भयानक नरसंहार के बाद तो आप आतंक को एक बहुत बड़ा इनाम दे रहे हैं।

फिलिस्तीन को बढ़ते समर्थन के साथ ही इजराइल ने गाजा पर हमले तेज कर दिए हैं। ताबड़तोड़ बमबारी में हमास के लड़कों के साथ ही आम नागरिक भी मारे जा रहे हैं। आम नागरिकों तक खाद्य रसद नहीं पहुंच पा रही है। यही वजह है कि फ्रांस, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, पुर्तगाल जैसे देशों के प्रमुख नाराज हैं और इस हमले को वे नरसंहार करार दे रहे हैं। सहयोगी देशों की बढ़ती नाराजगी को दूर करने का प्रयास भी इजराइल की ओर से नहीं किया जा जा रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने तो सबकुछ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर छोड़ दिया है। ट्रंप ने भी सहयोगी देशों से नाराजगी जाहिर की है। ताइवान, कोसोवो को भी अभी तक संयुक्त राष्ट्र की मान्यता नहीं मिल पाई है। ताइवान के समर्थन में संयुक्त राष्ट्र में हाल ही में बेलीज, एस्वातिनी, ग्वाटेमाला, मार्शल द्वीप समूह, पलाऊ, सेंट किट्स एंड नेविस, सेंट लूसिया, तवालू समेत नौ देशों ने आवाज बुलंद की है। हालांकि चीन की कूटनीति इतनी मजबूत है कि फिलिस्तीन जैसा समर्थन ताइवान को नहीं मिल पा रहा है। चीन लगातार ताइवान पर कब्जे की धमकियां देता रहता है। आए दिन अपने युद्धपोत और लड़ाकू विमान ताइवान की सीमा में भेजता है। इससे दोनों देशों में तनाव बढ़ता है।

अमेरिका का ताइवान को खुला समर्थन है। दोनों देशों में व्यापक स्तर पर रक्षा समझौता भी है। इससे चीन, अमेरिका से नाराज रहता है और वह अमेरिका के सहयोगी देश इजराइल के विरुद्ध फलस्तीन को पहले ही मान्यता दे चुका है। चीन और रूस अंदरखाने ही फिलिस्तीन के पक्ष में दूसरे देशों को लामबंद भी कर रहे हैं। हालांकि अमेरिका को पता है कि दुनिया के सभी देश भले ही मान्यता दे दें अगर वह नहीं देगा तो एक स्वतंत्र देश के रूप में फलस्तीन विश्व मानचित्र पर नहीं दिखेगा क्योंकि अमेरिका वीटो पावर देश है। इसलिए उसका समर्थन भी फलस्तीन के लिए जरूरी है। इसीलिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस, आस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन और पेरू के प्रमुखों से समर्थन न देने के लिए अपील तो की लेकिन दबाव नहीं डाला। हालांकि इजराइल को भी पता है कि वह बदलते वैश्विक परिदृश्य में वह अलग-थलग होता जा रहा है जो उसके लिए ठीक नहीं है।

आमने

गौ भक्त होने का दावा करने वाली बीजेपी और मध्य प्रदेश सरकार ने गौ मांस पर जीएसटी शून्य यानी टैक्स फ्री कर दिया है। जीएसटी में गाय पर जीरो प्रतिशत टैक्स बताता है कि बीजेपी की कथनी और करनी में कितना अंतर है। गौ भक्त मुख्यमंत्री को चाहिए कि वे अब अपना धर्म निभाएं।

–जीतू पटवारी, कांग्रेस अध्यक्ष, मध्य प्रदेश

सामने

गौ माता को कोई परेशान भी करेगा तो हमारी सरकार में उसे जेल में डाल दिया जाएगा। सख्त कानून है प्रदेश में। हमने कई ट्रक और गाड़ियां जब्त की हैं, जिनमें गौवंश की तस्करी की जा रही थी, जब इन्हें पकड़ते हैं तो कांग्रेस हाय रे हाय रे चिल्लाते हैं। असल में कांग्रेस को गौ माता से कोई लेना देना नहीं है।

–डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश

भारतीय भाषाओं का बढ़ता प्रभाव व प्रसार

प्रोफेसर मीना यादव

बरेली कॉलेज

भारत गणराज्य में बोली जाने वाली भाषाएं कई भाषा परिवारों से संबंधित हैं, जिनमें से प्रमुख हैं 78.05% भारतीयों द्वारा बोली जाने वाली इंडो-आर्यन भाषाएं और 19.64% भारतीयों द्वारा बोली जाने वाली द्रविड़ भाषाएं। दोनों परिवारों को एक साथ कभी-कभी इंडिक भाषाओं के रूप में जाना जाता है। शेष 2.31% आबादी द्वारा बोली जाने वाली भाषाएं ऑस्ट्रोएशियाटिक और कुछ अन्य छोटे भाषा परिवारों से संबंधित हैं। हिंदी इंडो-आर्यन भाषा परिवार का हिस्सा है। उत्तर भारत में हिंदी भाषा का वर्चस्व है, जबकि दक्षिण में द्रविड़ भाषाओं का। स्वाभाविक रूप से जब भाषाएं अलग हैं, तो उनकी भी भिन्न होगी। दोनों वर्गों में सामंजस्य के लिए बड़े परिवार अर्थात हिंदी भाषीय क्षेत्र को पहल करनी होगी।

जब हिंदी भाषी राज्यों में दक्षिण भारतीय भाषाओं का सम्मान होगा, तभी दक्षिण में हिंदी के प्रचार प्रसार को गति मिलेगी और दक्षिण भारत के राज्यों मी हिंदी के प्रति कटुता कम होगी। तभी वे हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार करने में सहज होंगे। साथ ही उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक गतिविधियों का आदान-प्रदान व्यापार को भी बढ़ावा देगा और औद्योगिक क्षेत्र को भी गति मिलेगी। आंतरिक एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी भारत में प्रवास का इतिहास लंबा एवं विविध है, जिसमें लोग रोजगार, व्यापार व सांस्कृतिक कारणों से देश और विदेश में स्थानांतरित होते रहे हैं।

भारत की प्रमुख भाषाओं (पंजाबी, मलयाली, तमिल आदि) के आधार पर प्रवासी आबादी का अनुमान लगाया गया। भारत की कुल प्रवासी आबादी 100 मिलियन से अधिक है, जिसमें आंतरिक प्रवासी (70 मिलियन से अधिक) अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी (30 मिलियन) से कहीं अधिक हैं।

प्रवासी अनुभव केवल अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं है। भारत जैसे सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधता वाले देश में आंतरिक प्रवास भी 'प्रवासी' अनुभव को जन्म देता है। प्रवासी उन लोगों को कहते हैं, जो अपनी मूल संस्कृति, भाषा या पहचान को बनाए रखते हुए किसी अन्य क्षेत्र या देश में रहते हैं। देश के भीतर एक सांस्कृतिक या भाषाई क्षेत्र से दूसरे में स्थानांतरण, जैसे- ओडिशा के मजदूरों का गुजरात में 'विदेश' कहलाना, आंतरिक प्रवास का उदाहरण है। विदेशों में बसने वाले भारतीय, जैसे-अमेरिका में तेलुगु समुदाय या मॉरीशस में भारतीय मूल के लोग अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी की श्रेणी में आते हैं। सभी प्रवासी समुदाय अपनी भाषा, संस्कृति एवं परंपराओं को बनाए रखने के लिए संगठन बनाते हैं, जैसे-बंगाली समाज, पंजाबी समाज, मराठी संगठन या गुजराती समाज। भारत की आंतरिक प्रवासी आबादी 10 करोड़ से अधिक है जो अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी आबादी से तीन गुना अधिक है।

भारत की प्रमुख भाषाओं (पंजाबी, मलयाली, तमिल आदि) के आधार पर प्रवासी आबादी का अनुमान लगाया गया। भारत की कुल प्रवासी आबादी 100 मिलियन से अधिक है, जिसमें आंतरिक प्रवासी (70 मिलियन से अधिक) अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी (30 मिलियन) से कहीं अधिक हैं। पंजाबी, मलयाली एवं तमिल भाषी समुदाय सर्वाधिक फैले हुए हैं (10% से अधिक)। हिंदी भाषी प्रवासी सबसे बड़ा समूह (39.9 मिलियन) है, किंतु उनकी कुल आबादी के अनुपात में कम फैले हुए (7.5%)। मराठी, कन्नड़ एवं बंगाली कम फैले हुए हैं। मलयाली और तमिल को छोड़कर सभी प्रमुख भाषा समूहों की आंतरिक प्रवासी आबादी अंतर्राष्ट्रीय से बड़ी है। भारत के दस सबसे बड़े शहरों में एक-तिहाई आंतरिक प्रवासी रहते हैं। प्रवासी समुदाय अपनी परंपराओं (दुर्गा पूजा, गणपति उत्सव) और भोजन को देश एवं विदेश में प्रसारित करते हैं।

वर्ष 2024 में, बाह्य प्रवासियों द्वारा देश को 129.1 बिलियन डॉलर का उल्लेखनीय धन प्रेषण प्राप्त हुआ है, जो किसी भी देश के लिए एक वर्ष में होने वाला सर्वाधिक धन प्रेषण है और वैश्विक धन प्रेषण का 14.3% था। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो इस क्षेत्र में भारत के प्रभुत्व को रेखांकित करती है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में धन प्रेषण का योगदान 3.3% है, जो भारतीय परिवारों को महत्त्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है। भारतीय उद्यमों को वैश्विक बाजारों से जोड़कर और सहयोग को बढ़ावा देकर, प्रवासी समुदाय भारत के व्यापार परिदृश्य को समृद्ध बनाता है, तथा देश को विकसित अर्थव्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर करता है। प्रवासी भारतीय, भारत की वैश्विक पहचान के स्तंभ हैं, जो देश की संस्कृति और अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, क्योंकि हिंदी भाषीय प्रवासी भारतीयों की संख्या सर्वाधिक है। देश के आर्थिक संवर्धन में भी हिंदी भाषीय आंतरिक और बाह्य प्रवासियों का सर्वाधिक योगदान है।

भारत की प्रमुख भाषाओं (पंजाबी, मलयाली, तमिल आदि) के आधार पर प्रवासी आबादी का अनुमान लगाया गया। भारत की कुल प्रवासी आबादी 100 मिलियन से अधिक है, जिसमें आंतरिक प्रवासी (70 मिलियन से अधिक) अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी (30 मिलियन) से कहीं अधिक हैं।

सोशल फोरम

जड़ निकला आलू हो सकता है नुकसानदेह

आलू हमारी रसोई का सबसे आम और पसंदीदा सब्जी है। पर क्या आप जानते हैं कि जिस आलू में थोड़ी सी जड़ निकल गई हो, उसे खाना आपके लिए खतरे की घंटी हो सकता है? हां, यह बात सच है। अक्सर लोग आलू में जड़ निकलते ही इसे काटकर डाल देते हैं या छीलकर खाना शुरू कर देते हैं, लेकिन इसमें छुपा होता है एक जहरीला तत्व, जिसे सोलानिन कहते हैं।

डॉ. आलोक खरे

शिक्षक

सोलानिन एक प्राकृतिक जहर है जो आलू, टमाटर और बैंगन जैसी कुछ सब्जियों में पाया जाता है। जब आलू में जड़ निकलती है या वह हरा पड़ जाता है, तो इसके अंदर सोलानिन की मात्रा बढ़ जाती है। यह शरीर के लिए बहुत नुकसानदेह हो सकता है। अगर गलती से आप ऐसे आलू खा भी लेते हैं, तो इसके असर धीरे-धीरे या तुरंत दिख सकते हैं। सबसे आम लक्षण पेट में दर्द, गैस और उल्टी होना। कुछ लोगों को हल्का या तेज सिर दर्द और चक्कर भी आ सकता है। शरीर में अचानक कमजोरी या थकान महसूस हो सकती है। बहुत ज्यादा खाया तो दिल की धड़कन तेज या अनियमित हो सकती है।

आलू में सोलानिन का स्तर जड़ निकलने या हरे होने पर ज्यादा बढ़ जाता है। यह पौधे के लिए खुद की सुरक्षा का तरीका है, ताकि कीड़े और जानवर इसे न खा सकें, लेकिन जब हम इसे खाते हैं, तो यही जहर हमारे शरीर में प्रवेश कर जाता है। आलू की जड़ें देखें, जो बाहर निकलें या हल्की हरी रंगत दिखे। आलू का छिलका अगर हरा या अजीब दिखे, तो उसे मत खाएं। छोटी जड़ों वाले आलू भी खतरनाक हो सकते हैं, इसलिए थोड़ा भी खतरा दिखे तो छोड़ दें।

आलू की ताजगी पर ध्यान दें। आलू हमेशा ठंडी, सूखी और अंधेरी जगह पर रखें। हरे या जड़ वाले आलू न खाएं। अगर आलू में जड़ निकल गई हो, तो उसे न काटें, सीधा फेंक दें। छोटे बच्चों और बुजुर्गों से दूर रखें। ये लोग ज्यादा संवेदनशील होते हैं। कभी-कभी हल्का हरा दिखे तो वह भी सोलानिन का संकेत हो सकता है। अगर आलू में बहुत हल्की हरी जगह हो, तो उसे पूरी तरह काटकर फेंक दें। पकाने से सोलानिन पूरी तरह खत्म नहीं होता, इसलिए ऐसे आलू खाना बिलकुल भी सुरक्षित नहीं है। दिखने में छोटा सा आलू, जिसकी बस जड़ थोड़ी बाहर निकली हो, हमारे लिए बड़ा खतरा बन सकता है। ऐसे आलू को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

तालाबों के खात्मे ने बढ़ाई है बाढ़ की विभीषिका

अनुमान है कि इस वर्ष बाढ़ और भू-स्खलन से डेढ़ लाख करोड़ रुपयों की धनराशि के बराबर मूल्य की संपदा और फसलों की हानि हुई है। इसमें जानी नुकसान शामिल नहीं है। बाढ़ हमेशा नहीं आती, लेकिन जब भी आती है और इसके बीच में जो वर्षों का समय-अंतराल होता है, उस बीच जमीन की सतह में बलाव पड़े पैमाने पर हो चुके होते हैं। पानी के कुदरती बहाव के रास्ते पहले से बने हुए हैं। नदियों और नालों के कुदरती निर्माण से यह बात स्पष्ट होती है। कुदरत ने पानी की निकासी के रास्ते खुद बना लिए हैं।

जरूरत है कुदरत द्वारा खुद बनाए हुए इन प्रवाह मार्गों का सम्मान करना। इसकी गति को बाधित करके उसे और ताकतवर बना देते हैं।

रनबीर सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

यह ताकत मनुष्य निर्मित निर्माणों को भी एक दिन कमजोर कर देती है। पानी की निकासी न होने से वृक्ष और झाड़ सूख कर तबाह हो जाते हैं। खेती वाली भूमि की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ता है और भूमिगत जलस्तर ऊपर उठने से भवनों को नुकसान होता है। पक्के सड़क मार्ग धंसने लगते हैं। बिजली की पॉवर लाइन्स की देखभाल कठिन हो जाती है। रेलवे लाइन्स और हाइवेज तो बनाने ही होंगे और रिहायशी निर्माण भी पानी के स्रोत से अधिक दूर नहीं बनाए जा सकते।

भारत में इसका एक बढ़िया हल हमारे बुजुर्गों ने तलाशा था। वह है तालाब बनाना। देखा गया है कि सन 1900 के आसपास मुल्क में जितने तालाब थे, उनकी गणना अंग्रेजों ने की थी। इनका रकबा भी मापा गया था और इनके कैचमेंट एरिया को ग्रामीण वनक्षेत्र के रूप में छोड़ा गया था। इस बारे में पूरी जानकारी जिला गजेटियरों और सेटलमेंट रिपोर्ट्स में छापी गई थी। अब ये दस्तावेज ही पुस्तकालयों से गायब कर दिए गए हैं। अगर हैं भी तो इन्हें नए जमाने के इंजीनियर पढ़ते नहीं है।

अगले 100 साल के दौरान अर्थात सन 2000 तक हमने मुल्क के आधे तालाब उपेक्षित कर दिए। बाकी के आधे में से तीन चौथाई गंदे पानी के स्टोर बन गए और बाकी के पाट दिए गए, जिन पर या तो पार्क बन गए, या स्कूल या कालोनियां काट दी गईं। देश में वर्षा जल की काफी मात्रा इन तालाबों में जमा होती थी। इनकी गाद नहीं निकाली जाएगी तो इनकी स्टोरेज क्षमता घटने से पानी आसपास की भूमि पर फैलेगा। यह ज्ञान किसी किताब के जरिए देने की जरूरत नहीं, क्योंकि सभी को समाज से ही मालूम होता है।

जब से तालाबों का प्रबंधन समाज के हाथ से निकलकर पंचायतों और पीडब्लूडी को दिया गया, तभी से तालाब खराब होने शुरू हो गए। तालाबों की काया को अमृत सरोवर परियोजना ने बिलकुल बर्बाद कर दिया है। बाढ़ राहत के लिए तीन-चौथाई पैसा तो पीड़ितों के काम आता है और एक-चौथाई अधिकारी और नेता हजम कर जाते हैं। इस एक चौथाई अंश को अगर समाज को दिया जाए तो वे तालाबों का जीर्णोद्धार पारंपरिक पद्धति से कर लेंगें।

यह पैसा गांव के बड़े-बुजुर्ग या रिटायर हुए फौजी को दिया जाना चाहिए, जो अपनी निगरानी में पारंपरिक समझ से न केवल तालाब के आगार बल्कि इसके आगौर की देखभाल करवाए। इस काम को साफ-सुथरे स्वाभाव वाली ग्रामसभा ही करवा सकती है। कुल मिलाकर निष्कर्ष यह कि जैसे हालत बने हैं और बनेंगे, उसके चलते बाढ़ की विभीषिका बढ़ेगी। राहत के लिए अधिक धनराशि की जरूरत पड़ेगी। लोग स्थानांतर करेंगे अर्थात सुरक्षित जगहों पर आबादी बढ़ेगी और जान माल का नुकसान पहले से अधिक व्यापक असर वाला होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

हर किसी को जानना चाहिए दुनिया बदलने वाली
इन खोजों के बारे में

हर सुबह जब सूरज उगता है, तो उसके साथ इंसानी जिज्ञासा भी एक नई दिशा में निकल पड़ती है। आज विज्ञान सिर्फ प्रयोगशालाओं की बात नहीं, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन, करियर और भविष्य से जुड़ा हुआ सच है। हाल में विज्ञान की दुनिया में कई रोमांचक, क्रांतिकारी और उम्मीदों से भरी खोजें सामने आई हैं। ये खोजें सिर्फ तकनीक नहीं ला रहीं, बल्कि इंसानी जिंदगी को नए मायनों में परिभाषित कर रही हैं। इसलिए इनके बारे में हर किसी को जानना चाहिए।

जीन एडिटिंग की क्रांति

- आज हम तकनीक की मदद से वैज्ञानिक डीएनए में गड़बड़ियों को ऐसे ठीक कर पा रहे हैं जैसे कंप्यूटर कोड में बग हटाते हैं। 2025 में सिकल सेल, थैलेसीमिया और कुछ कैंसर जैसे रोगों के इलाज में जीन एडिटिंग की भूमिका निर्णायक हो रही है। यह सिर्फ चिकित्सा नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को पुनर्परिभाषित करने का युग है। इसलिए जैव प्रौद्योगिकी और नैतिक विज्ञान की इस जटिलता को समझना चाहिए।

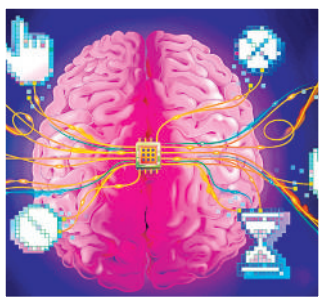

ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस

- अब कंप्यूटर सिर्फ हाथों से नहीं, दिमाग से भी चल रहा है। न्यूरोटेक्नोलॉजी ने ऐसे इंटरफेस बनाए हैं, जो लकवे से पीड़ित व्यक्ति को फिर से चलना, बोलना और संवाद करना सिखा सकते हैं। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स के इलाज में ये एक नई आशा की किरण हैं।

स्मार्ट मटीरियल्स

- अब वैज्ञानिक ऐसी सामग्रियां बना रहे हैं, जो अपने आप रिपेयर होती हैं, तापमान या दबाव के अनुसार रंग या रूप बदलती हैं और जिनका उपयोग अंतरिक्ष से लेकर मोबाइल स्क्रीन तक हो रहा है। हर इंजीनियर, वास्तुकार और डिजाइनर को मैटेरियल साइंस की इन संभावनाओं से परिचित होना चाहिए।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सुपर युग

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ वर्चुअल असिस्टेंट या चैटबॉट तक सीमित नहीं रह गई है। एआई अब शोधकर्ता, शिक्षक और डॉक्टर के रूप में उभर रहा है। बड़े भाषा मॉडल्स (जैसे जीपीटी) अब संदर्भ समझते हैं, विश्लेषण करते हैं और ऐसे क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं, जो पहले इंसानी सोच की परिधि में ही आते थे। मेडिकल डायग्नोसिस, न्यायिक विश्लेषण और यहां तक कि कला रचना में भी एआई की भूमिका उल्लेखनीय हो चुकी है। एआई आने वाले समय की सबसे बड़ी शक्ति है। इससे जुड़ी समझ रखना किसी को भी तकनीकी रूप से सक्षम और नैतिक दृष्टिकोण से सतर्क बनाएगा।

चांद और मंगल: अब केवल कविताओं में नहीं

अंतरिक्ष विज्ञान हमारी जिज्ञासा जगाता है। यह भविष्य की तकनीक, संचार और ऊर्जा प्रणालियों के लिए नई जमीन तैयार करता है। नासा का आर्टेमिस मिशन, यूरोपीय और भारतीय स्पेस एजेंसियों के रोवर और जेम्स वेब टेलीस्कोप मिलकर ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर कर रहे हैं। मंगल की सतह, चंद्रमा के ध्रुव और दूरस्थ गैलेक्सियां अब मानव समझ के दायरे में आ रही हैं।

क्वांटम कंप्यूटिंग

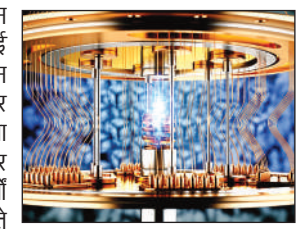

क्वांटम कंप्यूटर अब विज्ञान गल्प नहीं रह गए हैं। कई स्टार्टअप्स और शोध संस्थान ऐसे क्वांटम सिस्टम पर काम कर रहे हैं, जो दवा विकास, जटिल गणनाओं और एनक्रिप्शन तोड़ने जैसे कार्यों को चुटकियों में कर सकते हैं। इनमें स्थिर क्यूबिट्स, कम त्रुटि दर और बेहतर क्वांटम एल्गोरिदम विकसित किए जा चुके हैं। कंप्यूटर साइंस और फिजिक्स में रुचि रखने वालों के लिए यह एक रोमांचक क्रांति है, जो करियर और शोध की नई राहें खोलती है।

ग्रीन एनर्जी और सुपर बैटरियां

जलवायु परिवर्तन के युग में सस्टेनेबल ऊर्जा ही एकमात्र रास्ता है। इसका तकनीकी और पर्यावरणीय पक्ष समझना बेहद जरूरी है। ऊर्जा क्रांति अपने चरम पर है। सॉलिड-स्टेट बैटरियां अब सिर्फ प्रयोग नहीं, बल्कि व्यावसायिक रूप ले चुकी हैं। ये बैटरियां जल्दी चार्ज होती हैं, ज्यादा सुरक्षित हैं और लंबी चलती हैं। साथ ही सोलर और विंड पैनल्स पहले से ज्यादा कुशल हो गए हैं।

जलवायु परिवर्तन पर वैज्ञानिक हमला

- कार्बन कैप्चर टेक्नोलॉजी, सौर विकिरण प्रबंधन और जलवायु मॉडलिंग की मदद से इंसान धरती को बचाने की ठोस कोशिशें कर रहा है। यह हममें से हर किसी की जिम्मेदारी है कि वह पर्यावरणीय संकट को समझे और समाधान में सहभागी बने।

- **पर्सनल मेडिसिन- हर किसी के लिए अलग दवा :** हर इंसान की बायोलॉजी अलग होती है, इसलिए दवा भी अलग होनी चाहिए। जीनोमिक्स और फार्माकोजेनेटिक्स अब इस दिशा में इलाज को बिल्कुल पर्सनल बना रहे हैं, जिससे इलाज और ज्यादा सटीक और सुरक्षित हो रहे हैं।
- **गहरे समुद्र के रहस्य और समाधान :** पृथ्वी की 70 प्रतिशत सतह को समझना, जैव विविधता और जलवायु संतुलन के लिए अनिवार्य है। इसलिए समुद्र विज्ञान ने गहराई से खोज की जा रही है। नई प्रजातियां, जलवायु पर महासागरों का असर और ब्लू इकोनॉमी के लिए नए अवसर खोजे जा रहे हैं।

लेखक
राजेश जैन

काम की बात

व्हॉट्सऐप ट्रांसलेशन फीचर

अब व्हॉट्सऐप चैट में भाषा की दीवार बाधा नहीं बनेगी। हाल ही में व्हॉट्सऐप ने एक क्रांतिकारी फीचर लॉन्च किया है, जो दुनियाभर के तीन अरब से ज्यादा यूजर्स को भाषा की बाधा से मुक्त करेगा। व्हॉट्सऐप ट्रांसलेशन फीचर के माध्यम से व्हॉट्सऐप चैट्स को सीधे ऐप के अंदर ही ट्रांसलेट किया जा सकता है, वो भी बिना किसी अन्य पार्टी टूल की मदद से। व्हॉट्सऐप के इस इन-ऐप ट्रांसलेशन फीचर के जरिए अब व्हॉट्सऐप चैट मैसेज को 19 भाषाओं में तुरंत ट्रांसलेट किया जा सकता है। आइए आपको बताते हैं कि यह फीचर कैसे काम करता है और क्या हैं इसके फायदे-

- यूजर को किसी मैसेज पर लॉन्ग प्रेस करना होगा और फिर 'ट्रांसलेट' के ऑप्शन को चुनना होगा।
- आई-फोन यूजर्स को 19 से ज्यादा भाषाओं का सपोर्ट मिलेगा, जबकि एंड्रॉइड मोबाइल फोन यूजर्स को शुरुआत में 6 भाषाओं (अंग्रेजी, हिंदी, स्पेनिश, पुर्तगाली, रूसी, अरबी) का विकल्प मिलेगा।
- एक बार भाषा पैक डाउनलोड हो जाने पर, भविष्य के मैसेज भी उसी भाषा में ट्रांसलेट होंगे।

एंड्रॉइड में मिलेगा ऑटोमैटिक ट्रांसलेशन का विकल्प

- एंड्रॉइड यूजर्स के लिए एक खास सुविधा है। एंड्रॉइड में पूरे चैट थ्रेड के लिए ऑटोमैटिक ट्रांसलेशन ऑन कर सकते हैं। इससे हर नया मैसेज तुरंत चुनी गई भाषा में ट्रांसलेट हो जाएगा।

प्राइवेसी

- व्हॉट्सऐप का यह फीचर पूरी तरह से डिवाइस पर प्रोसेस होता है। यानी मेटा या व्हॉट्सऐप आपके ट्रांसलेटेड मैसेज को एक्सेस नहीं कर सकते। यह व्हॉट्सऐप की एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन नीति के अनुरूप है?

यूजर्स तक पहुंचने में लग सकता कुछ समय

- इस फीचर का लाभ का सभी एंड्रॉइड और आई-फोन यूजर्स तक पहुंचने में कुछ समय लग सकता है। व्हॉट्सऐप ने अभी तक सभी भाषाओं के लिए टाइमलाइन साझा नहीं की है, लेकिन ऐप को अपडेट रखना जरूरी है ताकि यह फीचर जल्दी मिले।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स बना रहा नई दुनिया

तेजी से बदलती दुनिया में इंटरनेट ऑफ थिंग्स एक ऐसे गेम चेंजर के रूप में सामने आ रहा है, जो हमारे रोजमर्रा के जीवन को बदलने के साथ भविष्य में एक स्मार्ट, कुशल और वेल कनेक्टेड समाज की राह तैयार कर रहा है। टेक्नोलॉजी के इस विकास में कई गैजेट्स को नेटवर्किंग के जरिए एक साथ जोड़ा जाता है। इससे सभी गैजेट्स एक दूसरे को डाटा ट्रांसफर करके इंटीग्रेटेड रहते हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स ने स्मार्ट घरों से लेकर मरीजों को सशक्त बनाने वाली स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों और सुरक्षित परिवहन से लेकर औद्योगिक उत्पादकता लाभ तक लगभग सभी क्षेत्रों में क्रांति जैसी कर दी है। स्मार्ट रिटेल, स्मार्ट बैंकिंग, स्मार्ट कृषि, स्मार्ट होम, स्मार्ट सिटी या यूं कहें कि हर कहीं जहां भी स्मार्ट शब्द जुड़ता है, उसका मतलब इंटरनेट ऑफ थिंग्स एप्लिकेशन से है। इसमें स्मार्ट शहरों और कारों से लेकर स्मार्ट स्टेथोस्कोप और कुत्तों के कॉलर तक शामिल हैं।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स के उदाहरणों में स्मार्ट होम डिवाइस जैसे स्मार्ट थर्मोस्टैट, स्मार्ट रेफ्रिजरेटर, स्मार्ट लाइटें, स्मार्ट हेल्थकेयर गैजेट (फिटनेस ट्रैकर, कनेक्टेड एमआरआई मशीनें), स्मार्ट कृषि उपकरण, कनेक्टेड कारें और स्मार्ट सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं, जिनमें तकनीकी उपकरण इंटरनेट से जुड़कर डेटा का आदान-प्रदान और आपस में संवाद करके हमारे जीवन को अधिक बेहतर व सुविधाजनक बना सकते हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स डिवाइसेज, जैसे स्मार्ट सेंसर, प्रॉपर्टी मैनेजमेंट तक में उपयोग हो रहे हैं। ये सेंसर ऊर्जा खपत, सुरक्षा और रखरखाव की निगरानी करते हैं। इसकी मदद से स्मार्ट होम सिस्टम्स खरीदारों को घर की लाइटिंग, तापमान और सुरक्षा को मोबाइल ऐप से नियंत्रित करने की सुविधा देते हैं। इसे इस तरह समझ सकते हैं कि अगर कभी आप बिना टीवी और दरवाजे बंद किए घर से बाहर निकल जाते हैं तो स्मार्ट घर का कम्बाइंड आर्टिफिशियल ब्रेन इस बात को सेंस कर लेगा और घर के दरवाजे तथा टीवी को बंद कर देगा। इस बात की जानकारी आपके फोन पर भी आ जाएगी। इसी तरह आज आप अपने स्मार्ट फोन से रसोई के उपकरणों, हीटिंग और लाइटिंग, सुरक्षा व्यवस्था, गर्म और ठंडे पानी नल जैसी बहुत सारी चीजों की निगरानी और नियंत्रण कर सकते हैं। अगर आपके उपकरण एप्पल होम या अमेजन होम कनेक्ट से जुड़े हैं, तो आप एलेक्सा या सीसी का इस्तेमाल करके उन्हें अपनी आवाज से भी नियंत्रित कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में सेंसरों से प्राप्त रीडिंग और अलार्म घर में लगे कंट्रोलर तक आते हैं, फिर इंटरनेट या बैटरी चालित सेलुलर कम्युनिकेटर के माध्यम से क्लाउड तक पहुंचते हैं। क्लाउड आपको घर में किसी भी अप्रिय गतिविधि की फोन या कंप्यूटर ऐप के जरिए सूचित कर देता है। ऐप की मदद से कैमरों की जांच करके आप पता लगा सकते हैं कि घर में क्या और कहां हो रहा है। इसी तरह स्मार्ट रेफ्रिजरेटर में कई ऐसी सुविधाएं होती हैं, जिन्हें आप स्मार्ट फोन ऐप से नियंत्रित कर सकते हैं। ऐसी सुविधाओं में फ्रिज में लगे कैमरे भी होते हैं, जिनसे आप अंदर मौजूद चीजों पर नजर रख सकते हैं और एक टचस्क्रीन भी है, जिस पर आप रेसिपी देख सकते हैं या खरीदारी की सूची बना सकते हैं।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स में कई स्मार्ट कंप्यूटर जैसे उपकरण आज बहुत आम हैं, जो इंटरनेट से जुड़ सकते हैं या वायरलेस नेटवर्क के माध्यम से परस्पर क्रिया कर सकते हैं। इनमें फोन, उपकरण, थर्मोस्टेट, प्रकाश व्यवस्था, सिंचाई प्रणालियां, सुरक्षा कैमरे, वाहन, यहां तक कि जानवर और शहर तक शामिल हैं। आज स्मार्ट घड़ियां व्यायाम और कदमों पर नजर रखती हैं, स्मार्ट स्पीकर खरीदारी की सूची में आइटम जोड़ते हैं और लाइटें चालू और बंद करते हैं। ट्रांसपोंडर कारों को टोल बूथ से गुजरने और इलेक्ट्रॉनिक रूप से शुल्क का भुगतान करने की अनुमति देते हैं।

लेखक- मनोज त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

- स्मार्ट तकनीक जीवन के हर पहलू को तेजी से कर रही प्रभावित
- मोबाइल और कंप्यूटर से निकलकर इंटरनेट पहुंच रहा डिवाइस में
- भविष्य को मिल रहा नया आकार, हजारों उपकरण जुड़ेंगे एक नेटवर्क से

इंटरनेट ऑफ थिंग्स के कुछ उदाहरण

- कनेक्टेड कारें
- स्मार्ट उपकरण
- कनेक्टेड सुरक्षा प्रणाली
- स्मार्ट कृषि उपकरण
- कनेक्टेड रिटेल बाजार
- कनेक्टेड हेल्थकेयर मॉनिटर
- स्मार्ट जुड़े हुए शहर

27
अरब तक पहुंच जाएगी इस साल के अंत तक कनेक्टेड डिवाइसों की संख्या

नए उत्पाद
गैजेट

रेडमी ने लॉन्च किया 6000 एमएएच बैटरी वाला सस्ता फोन

- चाइनीज टेक कंपनी रेडमी ने एक नया मॉडल रेडमी 15 आर 5 जी लॉन्च किया है। फिलहाल कंपनी ने यह मॉडल चीन में लॉन्च किया है। रेडमी ने अपने इस नए मॉडल को 6000 एमएएच की बैटरी और मीडियाटेक डाइमेंशन 6300 चिपसेट के साथ लॉन्च किया है। इस में यूजर्स को 12 जीबी रैम और 256 जीबी तक स्टोरेज ऑप्शन मिलेगा। साथ ही इसमें 6 .9 इंच का डिस्प्ले और कई सारे फीचर्स दिए गए हैं। चलिए जानते हैं इस नए मॉडल में मिलने वाले फीचर्स और कीमत के बारे में।
- रेडमी 15आर 5 जी को कंपनी ने पांच वेरिएंट में लॉन्च किया है। जिसमें 4जीबी+128 जीबी, 6 जीबी +128 जीबी, 8 जीबी +128 जीबी, 8 जीबी +256 जीबी और 12 जीबी +256 जीबी ऑप्शन शामिल है। कीमत कि बात करें तो बेस वेरिएंट की कीमत चीन में 13,000 रुपये है। वहीं, अन्य वेरिएंट की कीमत चीन में लगभग 19000 रुपये। चीन में क्लाउडी व्हाइट, लाइम ग्रीन, शैडो ब्लैक और ट्वाइलाइट पर्पल चीनी से अनुवादित कलर्स ऑप्शन में इसे लॉन्च किया गया है।

फीचर

रेडमी 15आर 5 जी में 120 एचजेड तक रिफ्रेश रेट, 240 एचजेड टच सैंपलिंग रेट और 810 एनआईटी पीक ब्राइटनेस के साथ 6 .9-इंच डिस्प्ले दिया गया है। परफॉर्मेंस के लिए एक ऑक्टा कोर मीडियाटेक डाइमेंशन 6300 चिपसेट दिया गया है, जिसे 12 जीबी एलपीडीडीआर 4 एक्स रैम और अधिकतम 256 जीबी यूएफएस 2 .2 स्टोरेज के साथ जोड़ा गया है। यह एंड्रॉइड 15 पर आधारित हाइपर ओएस 2 इंटरफेस पर चलता है। कैमरे कि बात करें तो रेडमी 15आर 5जी में 13 एमपी का रियर कैमरा और 5एमपी का फ्रंट-फेसिंग कैमरा दिया गया है। वहीं, रेडमी 15आर 5जी धूल और पानी प्रतिरोध के लिए आईपी 64 रेटिंग से लैस है। रेडमी 15 आर 5 जी में 6000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो 33 डब्लू वायर्ड फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट कर ती है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,159.68	24,890.85
गिरावट	555.95	166.05
प्रतिशत में	0.68	0.66

सोना- 1,17,370 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1.40,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 26 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आवासीय मांग 9% घटने का अनुमान

नई दिल्ली। देश के शीर्ष सात शहरों में मकानों की बिक्री जुलाई-सितंबर में नौ प्रतिशत घटकर 97,080 इकाई रहने का अनुमान है। हालांकि मूल्य के हिसाब से लेनदेन 14% बढ़कर 1.52 लाख करोड़ हो सकता है। रियल एस्टेट के बारे में परामर्श देने वाली एनारॉक ने रिपोर्ट में यह जानकारी दी। 2024 की इसी अवधि में आवास बिक्री 1,07,060 इकाई रही थी। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि बिक्री इस अवधि में नई आपूर्ति से आगे रही जो बाजार की निरंतर बेहतर स्थिति को दर्शाता है। मूल्य के लिहाज से बिक्री में यह बढ़ोतरी प्रीमियम एवं लग्जरी आवास खंड में बढ़े लेन-देन की वजह से है। इन सात शहरों में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता और चेन्नई हैं।

एडवांस एग्रोलाइफ का आईपीओ 30 को

नई दिल्ली। कृषि रसायन कंपनी एडवांस एग्रोलाइफ लि. ने गुरुवार को अपने आगामी 193 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 95-100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। कंपनी ने कहा कि यह आईपीओ 30 सितंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और तीन अक्टूबर को बंद होगा। एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड का आईपीओ पूरी तरह से 1.93 करोड़ इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम है। मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर यह निर्गम 193 करोड़ रुपये का बैठता है।

स्कोडा फिर पेश करेगी ऑक्टेविया मॉडल

नई दिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया देश में अपनी प्रीमियम सेडान ऑक्टेविया को दो साल बाद फिर लेकर आ रही है। चेक गणराज्य की यह वाहन विनिर्माता कंपनी ऑक्टेविया आरएस को एक पूर्ण विनिर्मित इकाई (एफबीयू) के रूप में सीमित संख्या में पेश करेगी। इसकी बुकिंग अगले महीने शुरू होगी और आपूर्ति नवंबर में होने की उम्मीद है। ऑक्टेविया भारत में कंपनी का पहला मॉडल था, जिसे कंपनी ने 2023 में बंद कर दिया। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा कि भारत में स्कोडा की 25 साल की विरासत को एक ही कार ने परिभाषित किया।

अमेरिकी निर्यात में 148% की हुई वृद्धि : आईसीईए

नई दिल्ली। भारत का स्मार्टफोन निर्यात अगस्त 2025 में सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर 1.53 अरब डॉलर हो गया है। इसी अवधि में अमेरिका को निर्यात दोगुना से अधिक हो गया। इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने कहा कि 2025-26 के पहले पांच महीनों में अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 8.43 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो 2024-25 की इसी अवधि में 2.88 अरब डॉलर से लगभग तीन गुना अधिक है। संगठन ने कहा कि अप्रैल-अगस्त 2025 के लिए अमेरिका का आंकड़ा 2024-25 के कुल 10.56 अरब डॉलर के निर्यात का 80 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।

खाद्य प्रसंस्करण में कोका कोला करेगा निवेश

नई दिल्ली। भारत में कोका-कोला के उत्पादों की बॉटलिंग करने वाली तीन कंपनियां खाद्य प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे के विस्तार पर 25,760 करोड़ का निवेश करेंगी। इन कंपनियों ने नई एवं मौजूदा परियोजनाओं के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एसएलएमजी बेवरेजेज, हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (कोका-कोला की पूर्ण स्वामित्व वाली बॉटलिंग इकाई) और कंधारी ग्रुप ऑफ कंपनीज ने निवेश के लिए प्रतिबद्धता जताई है।

75 नए उत्पादों को जीआई टैग कराने जा रहा यूपी : योगी

मुख्यमंत्री ने गिनाई यूपी की औद्योगिक प्रगति, कहा- 77 जीआई उत्पाद के साथ देश का शीर्ष कैपिटल बना प्रदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

गौतम बुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के तृतीय संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। इस दौरान एक्सपो में उपस्थित लोग।

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के तृतीय संस्करण के उद्घाटन पर ऐलान किया कि प्रदेश के 75 नए उत्पादों को जल्द ही जीआई टैग के लिए आवेदन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 77 जीआई टैग उत्पादों के साथ प्रदेश पहले ही देश का टॉप जीआई कैपिटल है। अब 75 और उत्पाद जुड़ने से राज्य की पहचान वैश्विक बाजार में और मजबूत होगी।

सीएम योगी ने फिरोजाबाद के शिल्पियों द्वारा बनाई मां दुर्गा की प्रतिमा प्रधानमंत्री मोदी को भेंट की और 532 से अधिक विदेशी खरीदारों व पार्टनर कंट्री रूस का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यूपीआईटीएस प्रदेश की औद्योगिक प्रगति और नए भारत के नए यूपी की पहचान को और मजबूत बना रहा है। प्रदेश में धरोहर और विरासत को जीआई टैग के माध्यम से संरक्षित किया जा रहा है। इस बार आयोजन में 60 से अधिक जीआई टैग उत्पादों के स्टॉल हैं। स्टार्टअप, ओडीओपी, उभरते एक्सपोर्टर्स, महिला उद्यमियों, हस्तशिल्पियों, आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि व खाद्य प्रसंस्करण समेत कई क्षेत्रों की उपलब्धियां प्रदर्शित हुई हैं।

योगी ने कहा कि फरवरी 2023 के यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से राज्य को 40 लाख करोड़ के निवेश मिले थे। इनमें से 12 लाख करोड़ के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं और कई उद्यमों में उत्पादन शुरू हो गया है। नवंबर में 5 लाख करोड़ के प्रस्तावों का ग्राउंड ब्रेकिंग होने जा रहा है। यूपी में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं, जिनसे दो करोड़ युवाओं को रोजगार मिला है। निजी औद्योगिक पार्कों और 11 प्लग एंड प्ले पार्कों की स्थापना से निवेश और रोजगार की संभावनाएं और बढ़ी हैं। योगी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर हर जिले में 100 एकड़ में औद्योगिक एवं रोजगार जोन विकसित किए जाएंगे। इसमें एमएसएमई, स्किल डेवलपमेंट, खादी-ग्रामोद्योग और श्रम-सेवायोजन विभाग के दफ्तर भी होंगे, ताकि युवाओं को एक जगह स्वरोजगार व नौकरी से जुड़ी सुविधाएं मिल सकें।

इस अवसर पर मंत्री राकेश सचान, नंदगोपाल गुप्ता नंदी, स्वतंत्रदेव सिंह, धर्मपाल सिंह, बेबीरानी मौर्या, एके शर्मा, डॉ. संजय निषाद, दयाशंकर सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, असीम अरुण, ब्रजेश सिंह, सांसद महेश शर्मा, सुरेंद्र नागर आदि रहे।

उप्र इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी का ग्लोबल हब

सीएम ने बताया कि यूपी आज आईटी, सेमी कंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफेक्चरिंग का ग्लोबल हब बन रहा है। देश की मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग का 55 तथा मोबाइल कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग में 50 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी यूपी की है। सेमी कंडक्टर में देश-विदेश की अग्रणी कंपनियां यूपी में निवेश कर रही हैं।

चार दिन में ही मार्केट में आई नई जीवंतता

सीएम योगी ने कहा कि जुलाई 2017 में लागू वन नेशन-वन टैक्स अब नए सुधारों के बाद दो स्लैब में दिखेगा। गत चार दिनों में बाजार में नई जीवंतता आई है। उपभोक्ता का बाजार की तरफ तेजी से रुख हुआ है। गरीब, श्रमिक, व्यापारी, किसान हर तबके को जीवनदान मिला है।

पीएम को महिला उद्यमियों ने सुनाई बदलाव की कहानी

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। यूपीआईटीएस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं सहायता समूहों की महिला उद्यमियों से मुलाकात की। इन महिलाओं के लिए यह क्षण किसी सपने के सच होने जैसा था। इन पांच महिलाओं की कहानियां सिर्फ उनकी सफलता नहीं, बल्कि प्रदेश में आए क्रांतिकारी बदलाव की तस्वीर पेश करती हैं। ये कहानियां बताती हैं कि योगी सरकार की नीतियों से अब महिलाएं सुरक्षित महसूस करती हैं और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक सुरक्षित माहौल मिला है।

मेरठ की संगीता ने लिखी सफलता की दास्तां

मेरठ की संगीता विद्युत सखी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि वह हर महीने लोगों के बिजली बिल जमा करके अच्छी कमाई कर लेती हैं। प्रधानमंत्री ने उनकी कहानी को सुना और उनसे पूछा कि आपको फील्ड में काम करते हुए दिक्कत तो नहीं होती? इस पर संगीता ने गर्व से जवाब दिया कि जी नहीं, लोग हमें सम्मान से पहचानते हैं।

लखनऊ की सरला घर-घर पहुंचा रहीं सुविधाएं

लखनऊ से आईं बैंकिंग सखी सरला ने प्रधानमंत्री को बताया कि वह लोगों के बैंक खाते खुलवाती हैं। पीएम को अपना अनुभव बताते हुए सरला बोलीं कि शुरुआत में लोगों को समझाना मुश्किल था, लेकिन अब लोग भरोसा करते हैं। सरला ने बताया कि वो अबतक 2000 से अधिक जनधन खाते, 700 से अधिक सुरक्षा बीमा, 200 से अधिक जीवन ज्योति बीमा खाते और 200 से अधिक अटल पेंशन योजना के तहत खाते खोल चुकी हैं।

वाराणसी की नमो ड्रोन दीदी नीतू

वाराणसी की नीतू सिंह ने प्रधानमंत्री को बताया कि वह एक नमो ड्रोन दीदी हैं और उन्होंने ड्रोन चलाना सीखा है। नीतू ड्रोन से खेतों में खाद छिड़कने का काम करती हैं और एक बीघे के लिए 200 रुपये लेती हैं। उन्होंने बताया कि कभी-कभी वह एक दिन में 20 से 25 एकड़ खेतों में छिड़काव कर लेती हैं। डेढ़ साल में वो 1000 एकड़ से अधिक खेतों में ड्रोन से छिड़काव कर चुकी हैं।

बिजनौर की जूली महिलाओं की आवाज

बिजनौर की जूली देवी ने प्रधानमंत्री से मिलकर 15,000 महिलाओं का प्रतिनिधित्व किया, जो विदुर पेड़ा समिति से जुड़ी हैं। यह समिति साबुन, मसाला, मल्टीग्रेन आटा, बेसन समेत 150 उत्पाद बनाती है। जूली कहती हैं कि 2017 से पहले यूपी में महिलाएं उद्यम कर सकती हैं, यह सोचना मुश्किल था। घर से निकलने में डर लगता था। कानून व्यवस्था की हालत खराब थी। उन्होंने कहा कि अब हम न केवल घर चलाती हैं, बल्कि बेखौफ होकर अपना उद्यम भी करती हैं।

डेयरी उद्यम से गोरखपुर की कौशल्या बनीं मिसाल

गोरखपुर की कौशल्या देवी की कहानी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का बड़ा आकर्षण बनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संवाद के दौरान कौशल्या ने बताया कि श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (एमपीओ) से जुड़कर उन्होंने डेढ़ साल में करीब 14 लाख रुपये की आमदनी की है। सिर्फ दो पशुओं से शुरुआत करने वाली कौशल्या अब 14 पशुओं की मालकिन हैं। एमपीओ ने उनके घर पर गोबर गैस यूनिट भी लगवाया, जिससे रसोई का पूरा काम अब उसी से होता है।

विदेशियों में छाया हुनरमंद यूपी, कारीगरी का अनूठा जलवा

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

ग्रेटर नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल विदेशी निवेशक।

अमृत विचार : यूपीआईटीएस में इस बार हुनरमंद यूपी का जलवा सबसे अलग रहा। रंग-बिरंगे पंडालों और आकर्षक प्रदर्शनी स्टॉलों में जब विदेशी मेहमानों की नजरें कारीगरी पर पड़ीं तो हर कोई प्रभावित हुआ। लखनऊ की चिकनकारी और जरी-जरदोजी, बरेली का बांस शिल्प, जरी-जरीफा और हथकरघा उत्पाद, मुरादाबाद का पीतल, काशी की बुनाई और कानपुर के उद्योग ने बाजार में अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई। अयोध्या में प्रभु राम का पंडाल बेहद खास रहा।

ट्रेड शो के पहले दिन यूपी के पारंपरिक हुनर व आधुनिक डिजाइन का संगम देखने को मिला। करीब 80 देशों से आए प्रतिनिधियों ने यूपी के उत्पादों को बड़े गौर से देखा और खरीदारी में रुचि दिखाई। राजधानी लखनऊ से आए कारीगरों की कढ़ाईदार कुर्तियां और साड़ियां विदेशी महिलाओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनीं। वहीं, बनारस से आए बुनकरों की रेशमी साड़ियों पर उकेरी बारीकी ने सबका मन मोह लिया।

प्रदर्शनी महज हस्तशिल्प तक सीमित नहीं रही। मुरादाबाद की पीतल कारीगरी, फिरोजाबाद का ग्लासवर्क, सहारनपुर की लकड़ी की नक्काशी और अलीगढ़ के ताले जैसे उत्पाद भी स्टॉलों पर खूब सराहे गए। कई विदेशी कारोबारी प्रतिनिधियों ने यहां लगे स्टॉल्स पर सीधे कारोबारी करार करने में रुचि दिखाई। आयोजकों के मुताबिक, यह ट्रेड शो सिर्फ उत्पादों की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यूपी की विरासत और कारीगरी को दुनिया के सामने पेश करने का बड़ा मंच भी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप विकसित यूपी 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह ट्रेड शो हुनरमंद युवाओं और कारीगरों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर माना जा रहा है। तकनीकी नवाचार और स्टार्टअप्स के साथ पारंपरिक कारीगरी की भागीदारी ने इसे और खास बना दिया है। यहां यूपी की प्रतिभा का वह अनूठा संगम दिखा जो आने वाले वर्षों में प्रदेश को न सिर्फ भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर हुनरमंद हब के रूप में स्थापित करेगा।

प्रदेश की शहरों की खासियत

- **बरेली :** ज़री-ज़रीफा और हथकरघा उत्पाद, फर्नीचर और शिल्पकला, ओडीओपी पवेलियन में स्थानीय उत्पाद
- **कानपुर :** लेदर सिटी के चमड़े के उत्पाद, रेडीमेड गारमेंट्स और टेक्सटाइल, आईआईटी कानपुर की स्टार्टअप इनोवेशन
- **लखनऊ :** चिकनकारी और जरी-जरदोजी की पहचान, अवध की तहजीब और सांस्कृतिक उत्पाद्र, आईटी हब व स्टार्टअप इकोसिस्टम
- **मुरादाबाद :** विश्व प्रसिद्ध पीतल नगरी का ब्रासवर्क, हस्तनिर्मित होम डेकोर व कटलरी, निर्यात आधारित धातु शिल्प
- अयोध्या- राम नगरी का धार्मिक व सांस्कृतिक आयाम, राम मंदिर व पर्यटन केंद्रित स्टॉल, रामायण आधारित आर्ट और हस्तशिल्प

मोदी-योगी ने देखा यीडा पवेलियन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार : ट्रेड शो के तीसरे संस्करण के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के पवेलियन का अवलोकन किया। यहां प्रदर्शित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मॉडल आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बना।

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने यीडा पवेलियन के साथ-साथ हैवेल्स ग्रुप, मिंडा स्पार्क ग्रुप और प्रस्तावित इंटरनेशनल फ़िल्म सिटी के स्टॉल्स का भी अवलोकन किया। इस दौरान फ़िल्म अभिनेता एवं निर्माता बोनी कपूर, अभिनेता अर्जुन कपूर, आशीष भूटानी, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ शेलमैन और कई उद्योगपति मौजूद रहे। इस दौरान प्रभारी अधिकारी एवं यीडा/नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। सीईओ के साथ उद्योगपतियों और प्रमुख हस्तियों ने प्राधिकरण की पहल और कार्यों की सराहना की। प्रधानमंत्री के भ्रमण के दौरान प्राधिकरण की ओर से विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र कुमार भाटिया, शैलेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी नंदकिशोर सुंदरियाल और एजीएम इंडस्ट्री स्मिता सिंह भी उपस्थित रहे।

यीडा पवेलियन पर भविष्य की झलक

यीडा पवेलियन पर प्रियागोल्ड, सोलर, क्लस्टर, हैवेल्स, मिंडा स्पार्क, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, एमिटी व एमजीएम एजुकेशनल ग्रुप, पतंजलि ग्रुप और टॉय एसोसिएशन सहित कई कंपनियों ने स्टॉल लगाए। खासतौर पर मेडिकल डिवाइसेज पार्क से जुड़ी कंपनियों- अलेंजर, पॉलीमेडिक्योर, मेडिसिस, सियों मेड, रोमसन, अलाइड मेडिकल, नारंग और मधु इंस्ट्रूमेंट्स ने नवीनतम तकनीकें प्रदर्शित कीं। एयरपोर्ट मॉडल के साथ प्रस्तावित फिनटेक सिटी, सेमीकंडक्टर पार्क, एजुकेशनल हब और हेरिटेज सिटी की जानकारी भी प्रदर्शित की गई। आगंतुकों का ध्यान खींचने के लिए यहां "अनुष्का रोबोट" भी लगाया गया, जो मेहमानों से संवाद करता दिखा।

उद्यमियों और हस्तियों की मौजूदगी

ट्रेड फेयर के दौरान प्रियागोल्ड ग्रुप की डायरेक्टर, डीएस ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एमएल जायसवाल, हैवेल्स ग्रुप के कार्यकारी प्रेसिडेंट राजीव गोयल, वरुण बेवरेज ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारी और एसएएलई ग्रुप के सीओओ हर्षवर्धन गोविल सहित कई प्रमुख उद्योगपति मौजूद रहे। सभी ने यीडा के सीईओ राकेश कुमार सिंह और उनकी टीम से भेंट कर विकास कार्यों की सराहना की।

एशिया की सबसे बड़ी नारायणपुर पंप नहर बनीं चर्चा का केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ग्रेटर नोएडा

अमृत विचार। ट्रेड शो में इस बार सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग का स्टॉल खास आकर्षण का केंद्र रहा। विभाग ने एशिया की सबसे बड़ी नारायणपुर पंप नहर और महाकुंभ प्रयागराज में किए गए इंजीनियरिंग कार्यों को मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया है। बड़ी संख्या में विजिटर्स स्टॉल पर पहुंचकर सिंचाई क्षेत्र में योगी सरकार के क्रांतिकारी कदमों की जानकारी ले रहे हैं।

विभाग के स्टॉल का आकर्षण नारायणपुर पंप नहर का मॉडल रहा। यह एशिया की सबसे बड़ी पंप नहर है, जो गंगा से पानी उठाकर मीरजापुर और चंदौली की ढाई लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि की सिंचाई करती है। मॉडल में आईओटी आधारित निगरानी प्रणाली दिखाई गई, जिससे मुख्यालय से ही कैनाल के हर पंप का संचालन और स्थिति देखी जा सकती है।

महाकुंभ की इंजीनियरिंग

स्टॉल पर प्रयागराज महाकुंभ के दौरान किए गए अभूतपूर्व इंजीनियरिंग कार्यों को साझा किया गया है। गंगा नदी की तीन अलग-अलग धाराओं को एकीकृत कर संगम क्षेत्र में मूल प्रवाह बहाल करना, स्नान क्षेत्रों का विस्तार और करोड़ों श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराना विभाग की बड़ी उपलब्धियों के रूप में दिखाया गया है। यह इंजीनियरिंग कौशल मानव, वित्तीय और तकनीकी संसाधनों के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण माना गया।

तकनीक का उपयोग

स्टॉल पर विभाग ने बताया कि वह धीरे-धीरे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी जैसी तकनीकों का उपयोग भी बढ़ा रहा है। इनके जरिए पंपिंग प्रणाली और उपकरणों की वर्चुअल मॉनिटरिंग, सुरक्षित प्रशिक्षण और मशीनों की दूरस्थ मरम्मत संभव हो सकेगी। विशेषज्ञ दूर से ही मार्गदर्शन देकर मशीन डाउन टाइम को कम कर सकेंगे।

विजिटर्स के आकर्षण का केंद्र

यूपीआईटीएस में सिंचाई विभाग का यह पवेलियन उन आगंतुकों के लिए खास है, जो जल प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण और कृषि उत्पादकता में तकनीकी नवाचारों को करीब से समझना चाहते हैं। विभाग का दावा है कि इन परियोजनाओं से न सिर्फ किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि प्रदेश में जल संसाधन प्रबंधन का नया मॉडल भी स्थापित होगा।

सिंचाई में नवाचार का उपयोग

ट्रेड शो में लगाए गए स्टॉल पर प्रदर्शित वर्किंग मॉडल्स के जरिए बैराज, लिफ्ट नहरों और राजकीय ट्यूबवेलों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने की विस्तृत जानकारी दी गई। ड्रेजिंग और डी-सिल्टिंग जैसी तकनीकें नदी प्रवाह और जल भंडारण क्षमता बढ़ाने में सहायक बताई गईं। मुख्य अभियंता उपेंद्र सिंह के अनुसार, भीमगोड़ा बैराज से प्रेरित एक चलित मॉडल दर्शकों का विशेष आकर्षण बना है। स्काडा आधारित इस मॉडल को मोबाइल से संचालित करके दिखाया गया, जिससे बाढ़ नियंत्रण और गंगा कैनाल गेटों के संचालन की जटिल प्रक्रिया समझाई जा सकी, जिससे लोग काफी प्रभावित हुए।

अनिश्चितता में भी भारत बना रहा जुझारू : वित्त मंत्री

पुणे, एजेंसी

- सीतारमण ने कहा- अप्रैल-जून तिमाही में देश की जीडीपी की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत अपने मजबूत वृहद-आर्थिक बुनियादी पहलुओं के दम पर जुझारूपन दिखाने में सफल रहा है। सीतारमण ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 91वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि पिछले एक वर्ष में वैश्विक माहौल में अनिश्चितता बढ़ी है और उसका असर विभिन्न देशों पर महसूस किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि लेकिन इन सबके बीच भारत की मजबूती अलग नजर आती है। मजबूत वृहद-आर्थिक बुनियाद, युवा जनसंख्या और घरेलू मांग पर अधिक निर्भरता भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य ताकत है। वित्त मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भी यह मजबूती बनी रही और इस अवधि में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा कि यह महज संयोग नहीं है। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अधिक ऋण देने पर जोर दिया। उन्होंने बैंकों से शिक्षा ऋण को भी प्राथमिकता देने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षा ऋण का कोई भी आवेदन अस्वीकार नहीं होना चाहिए।

भारत और ब्रिटेन व्यापार समझौता घरेलू ब्रांड, छोटे उद्यमों के लिए लेकर आया बड़े अवसर

नई दिल्ली। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से ब्रिटिश बाजार में उपभोक्ता वस्तुओं और खुदरा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू ब्रांड और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए बड़े अवसर खुले हैं।

वैश्विक वितरक कंपनी कोमर्ज लि. के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) सिद्धार्थ शंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि यह समझौता कंपनियों के लिए व्यापार, विस्तार और पूंजी प्राप्त करने के तरीके को काफी आसान बना देगा। दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर 24 जुलाई को हस्ताक्षर किए गए थे। इसके अगले वर्ष से लागू होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर है, जिसका लक्ष्य 2030 तक व्यापार को दोगुना कर 120 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

- दोनों देशों की ओर से 24 जुलाई को समझौते पर किए गए थे हस्ताक्षर

शंकर ने कहा कि यह समझौता न केवल बाजार पहुंच को बढ़ाता है, बल्कि गहन आर्थिक एकीकरण को भी बढ़ावा देता है, संयुक्त उद्यमों और नवाचार को प्रोत्साहित करता है। बदलते व्यापार परिदृश्य में, मुक्त व्यापार समझौता टिकाऊ वृद्धि और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने में रणनीतिक साझेदारियों के महत्व को रेखांकित करता है।

भारतीय बैंकों को वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 में शामिल होने का लक्ष्य रखना चाहिए : शाह

मुंबई, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि भारतीय बैंकों को केवल वृद्धि की योजना नहीं बनानी चाहिए, बल्कि अपना पैमाना बदलना चाहिए और दुनिया के शीर्ष 10 बैंकों में शामिल होने की आकांक्षा रखनी चाहिए।

फाइनेंशियल एक्सप्रेस इंडिया के सर्वश्रेष्ठ बैंक पुरस्कार समारोह में शाह ने कहा कि मैं अपने भारतीय बैंकों से कहना चाहता हूं कि उन्हें न केवल वृद्धि की योजना बनानी चाहिए, बल्कि पैमाने को बदलने का प्रयास करना चाहिए। हमारे बैंकों को शीर्ष 10 में होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को 'विश्वगुरु' बनाने का लक्ष्य रखा है। संविधान में तीन तरह के समावेश... राजनीतिक, सामाजिक और वित्तीय समावेश... की बात की गई है। और यही भारत के विकास की कहानी का मार्गदर्शन कर रहे हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन देना देश की आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी समूह और टोरेंट ग्रुप जैसी बड़ी कंपनियां भी किसी समय एमएसएमई ही थीं। यदि किसी देश की बैंकिंग प्रणाली, विशेषकर भारत जैसे देश की बैंकिंग प्रणाली, एमएसएमई को महत्व नहीं देती है, तो इससे राष्ट्र की विकास गाथा रुक जाती है। इन औद्योगिक समूहों को कोई ऋण नहीं देता तो भारत में इतने औद्योगिक घराने नहीं होते।

मेक इन इंडिया 2.0 पहल उभरते क्षेत्रों पर होगी केंद्रित

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया 2.0' पहल उन उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित होगी जो 25 साल में वैश्विक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा होंगे। शाह ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के विश्लेषक अब भारत की विकास गाथा को स्वीकार कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में सबसे गरीब लोगों को बैंकों तक पहुंच प्रदान करने के लिए कुल 53 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं। मोदी सरकार गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) से संबंधित आंकड़ों में पारदर्शिता लेकर आई है और सरकार ने बैंकों में 3.10 लाख करोड़ की पूंजी डाली है। मेक इन इंडिया 2.0 पहल उन क्षेत्रों पर केंद्रित होगी जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा होंगे।

भुगतान सत्यापन को एसएमएस ओटीपी के साथ दूसरे विकल्प भी अपनाए जाएंगे: आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को डिजिटल भुगतान के नए नियमों की घोषणा करते हुए कहा कि दो-स्तरों वाले सत्यापन के लिए अब एसएमएस ओटीपी के अलावा अन्य विकल्प भी अपनाए जा सकेंगे। डिजिटल भुगतान को अधिक सुरक्षित बनाने के मकसद से लाए ये नियम एक अप्रैल, 2026 से लागू होंगे।

- केंद्रीय बैंक ने डिजिटल भुगतान के नए नियमों की घोषणा की

आरबीआई ने कहा कि भुगतान सत्यापन के कारकों में उपयोगकर्ता के पास मौजूद कोई वस्तु, उपयोगकर्ता को ज्ञात कोई चीज या उपयोगकर्ता की कोई पहचान शामिल हो सकता है। इसमें मोबाइल पर एसएमएस के जरिये आने वाले ओटीपी के अलावा पासवर्ड, पासफ्रेज, पिन, कार्ड हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर टोकन, फिंगरप्रिंट या अन्य बायोमेट्रिक तरीके शामिल हो सकते हैं। एसएमएस-ओटीपी का उपयोग पहले की ही तरह जारी रहेगा। भारत ऐसे देशों में शामिल है जो दो स्तरों वाले सत्यापन पर जोर देता है। हालांकि वित्तीय संस्थान अब तक लेनदेन के लिए मुख्य रूप से एसएमएस अलर्ट पर ही निर्भर थे।

वर्ल्ड ब्रीफ

थाईलैंड : खारिज किया गया कैसीनो विधेयक

बैंकॉक। थाईलैंड की सीनेट ने कैसीनो सहित एकीकृत मनोरंजन परिसरों की स्थापना के लिए सरकार के मसौदा विधेयक को खारिज कर दिया है। इस निर्णय के पीछे सामाजिक प्रभाव, आर्थिक व्यवधान और राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताएं प्रमुख कारण रहीं। पूर्व प्रधानमंत्री पी शिनावात्रा के प्रशासन द्वारा प्रस्तावित इस विधेयक की समीक्षा सीनेटर डॉ. वीरपुन सुवन्नामई की अध्यक्षता वाली विशेष समिति ने की। उप-सीनेट अध्यक्ष जनरल क्रिएंगक्राई श्रीराक के नेतृत्व में समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें कहा गया कि यह विधेयक मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा दे सकता है और जनता का विश्वास कम कर सकता है।

गाजा: इजराइली हमले में 17 लोगों की मौत

दीर अल-बलाह। गाजा पट्टी में इजराइली हमले में बृहस्पतिवार को कम से कम 17 लोगों की जान चली गई। दीर अल-बलाह स्थित अल-अक्सा शहीद अस्पताल के मुताबिक, मध्य शहर ज़वैदा में हुए एक इज़राइली हमले में 12 लोग मारे गए। इस हमले में एक तंबू और एक घर को नुकसान पहुंचा। पीड़ितों में आठ बच्चे भी शामिल हैं। परिवार के सदस्यों ने बताया कि एक और लड़की अब भी मलबे में दबी हुई है। अस्पताल ने कहा कि दीर अल-बलाह में एक तंबू पर हुए हवाई हमले में एक और लड़की मारी गई तथा सात लोग घायल हो गए।

वेनेजुएला में आया 6.2 तीव्रता का भूकंप

काराकस। उत्तर पश्चिमी वेनेजुएला में बुधवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि भूकंप का केंद्र राजधानी काराकस से 600 किलोमीटर पश्चिम में जूलिया राज्य में मेने ग्रांडे समुदाय से 24 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व में जमीन से 7.8 किलोमीटर की गहराई में था। कई राज्यों और पड़ोसी देश कोलंबिया में लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। कई लोगों ने सीमा के पास के इलाकों में आवासीय और कार्यालय भवनों को खाली कर दिया।

श्रीलंका: हादसे में सात बौद्ध भिक्षुओं की मौत

कोलंबो। उत्तर पश्चिमी श्रीलंका में जंगल में स्थित मठ में केबल संचालित रेलगाड़ी पलटने से एक भारतीय समेत सात बौद्ध भिक्षुओं की मौत हो गई और छह घायल हो गए। घटना बुधवार रात को ना उयाना आरण्य सेनासनाया में हुई जो कोलंबो से 125 किमी दूर निकावेरेटिया में ध्यान शिविरों के लिए प्रसिद्ध बौद्ध मठ है जहां दुनिया भर से साधक पहुंचते हैं। पुलिस ने बताया कि सात मृतक बौद्ध भिक्षुओं में से एक भारतीय, एक रूसी और एक रोमानिया का नागरिक था।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को पांच साल की जेल

पेरिस। फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को लीबियाई नेता कर्नल मुअम्मर गद्दाफी से लाखों यूरो के अवैध धन से संबंधित एक मामले में आपराधिक साजिश का दोषी पाए जाने के बाद पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई है।

पेरिस आपराधिक अदालत ने उन्हें भ्रष्टाचार और चुनाव अभियान में धन के अवैध के इस्तेमाल सहित अन्य आरोपों से बरी कर दिया है। सरकोजी का दावा है कि यह मामला राजनीति से प्रेरित है। उन पर आरोप है कि उन्होंने 2007 में गद्दाफी से धन लेकर अपने चुनाव अभियान में उसका उपयोग किया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक इसकी एवज में सरकोजी ने गद्दाफी से पश्चिमी देशों में उनकी छवि बनाने में मदद करने का वादा किया था।

- चुनाव अभियान के लिए लीबियाई नेता से धन लेने का था आरोप

जज नथाली गवारिनो ने कहा कि सरकोजी ने अपने अभियान के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के उद्देश्य से अपने करीबी सहयोगियों को लीबियाई अधिकारियों से संपर्क करने की अनुमति दी थी। लेकिन अदालत ने फैसला सुनाया कि यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि सरकोजी धन के अवैध लेन-देन अभियान के लाभार्थी थे। उन्हें पांच साल जेल की सजा सुनाई गई।

बेशुमार उपलब्धियां अब इतिहास में दर्ज

एक था मिग- 21

करीब 60 साल लंबे बेहद शानदार और गौरवपूर्ण कार्यकाल के बाद भारतीय वायुसेना शुक्रवार को अपने सबसे ज्यादा साथ निभाने वाले लड़ाकू विमान मिग- 21 को रिटायर करने जा रही है। भारत ने सन् 1961 में सोवियत संघ से मिग-21 खरीदा था। यह भारतीय वायुसेना में शामिल होने वाला पहला सुपरसोनिक यानी आवाज की गति से भी तेज उड़ने वाला लड़ाकू विमान था। कालांतर में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने लाइसेंस लेकर इसका निर्माण किया। 1960 और 70 के दशक में मिग-21 ने भारत की वायुसेना को आधुनिक ताकत दी। भारत में भारत में मिग-21 का इतिहास उसकी उपलब्धियों और विवाद दोनों से भरा हुआ है। मिग-21 ने भारत को दशकों तक ताकत दी और कई युद्धों में अपनी छाप छोड़ी। लेकिन समय के साथ इसे फ्लाइंग कॉफिन कहा जाने लगा। इसके रिटायर होने के बाद तेजस भारत की नई उम्मीद है जो आधुनिक तकनीक और स्वदेशी क्षमता दोनों का प्रतीक है।

मिग-21 का स्वर्णिम प्रदर्शन

- सन् 1965 में भारत और पाकिस्तान के युद्ध में मिग-21 का पहली बार सीमित इस्तेमाल हुआ जिसमें उसने पाकिस्तानी एफ-104 स्टारफाइटर से मुकाबला किया।
- सन् 1971 में हुआ भारत-पाकिस्तान युद्ध मिग-21 का स्वर्णकाल था, भारतीय पायलटों ने मिग-21 से पाकिस्तान के एफ-104 के साथ कई विमान गिराए।
- ढाका पर हवाई हमलों में भी निर्णायक भूमिका, तकनीक काफी पुरानी होने के बाद भी कारगिल युद्ध में इस्तेमाल।
- सन् 2019 में बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने मिग-21 बाइसन उड़ाते हुए अमेरिका निर्मित एफ-16 को गिराकर इतिहास रचा।

कैसे बना फ्लाइंग कॉफिन

- यह विमान 1960-70 के दशक में ही पुराना हो गया था और तमाम देशों ने इसका इस्तेमाल बंद कर दिया।
- इसके बाद भी भारतीय वायुसेना इसका इस्तेमाल 60 साल तक करती रही, इस बीच क्रैश भी होते रहे।
- लगातार क्रैश के बाद 1980 में इसे फ्लाइंग कॉफिन या विधवा बनाने वाला विमान नाम दे दिया गया।

क्रैश और पायलटों की मौत

- भारत में 1963 से 2023 के बीच मिग-21 के 400 से ज्यादा विमान क्रैश होने की घटनाएं हुई हैं।
- इन दुर्घटनाओं में 200 से ज्यादा पायलट और 50 से अधिक नागरिकों के मारे जाने का रिकॉर्ड है।
- वर्ष 2010 से 2022 के बीच करीब 40 मिग-21 दुर्घटनाग्रस्त हुए जिनमें कई पायलटों की मौत हुई।

रिटायरमेंट का निर्णय

- भारतीय वायुसेना ने इस विमान को तकनीकी रूप से पुराना और असुरक्षित हो जाने की बात कही है।
- सेंसर, एवियोनिक्स और हथियार कमजोर पड़ गए हैं, आधुनिक लड़ाई में उपयोगिता कम हो गई है।
- इन्हीं कारणों से इस विमान के रखरखाव की लागत बहुत बढ़ गई है, अब इस विमान के विकल्प भी हैं।

तेजस की खूबियां

- लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस भारत का स्वदेशी विमान होने के साथ चौथी पीढ़ी का मल्टी-रोल लड़ाकू विमान है।
- तेजस विमान पूरी तरह कंपोजिट मटेरियल से बना, हल्का और टिकाऊ है, इसलिए ज्यादा उपयोगी माना जाता है।
- इसमें आधुनिक ग्लास कॉकपिट बना है, साथ फ्लाई बाय वायर सिस्टम है जो इसकी कार्यकुशलता को बढ़ाती है।
- इसमें हवा से हवा और हवा से जमीन में मार करने वाले हथियार, आधुनिक रडार, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम है।
- इस विमान की गति मैक 1.8 तक है। इसे भारतीय वायुसेना और नौसेना दोनों के लिए विकसित किया गया है।

ट्रंप ने गुटेरस को लिखा पत्र... यूएन में मेरे खिलाफ हुई तिहरी साजिश, जांच कराएं

एस्केलेटर, टेलीप्रॉम्पटर, ऑडियो की खराबी पर बोले- संयुक्त राष्ट्र को शर्म आनी चाहिए

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हुई तीन 'खतरनाक घटनाओं' की जांच की मांग की है जिनमें एक घटना तब हुई जब वह और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप एस्केलेटर पर थे और वह अचानक रुक गया। उन्होंने इसे 'तिहरी साजिश' बताया।

ट्रंप ने बुधवार को 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र को खुद पर शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा, कल संयुक्त राष्ट्र में बड़ी अपमानजनक घटनाएं हुईं- एक नहीं, दो नहीं, बल्कि तीन बहुत भयावह घटनाएं। पहली घटना तब हुई जब ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप मुख्य सभागार तक जाने के लिए एस्केलेटर पर चढ़े, तो स्वचालित सीढ़ियां अचानक रुक गयीं, जिससे दोनों को खुद चलकर ऊपर जाना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, यह पलक झपकते ही रुक गया। गनीमत रही कि मेलानिया और मैं मुंह के बल आगे नहीं गिरे। हम दोनों ने मजबूती से हैंडरेल पकड़ा हुआ था, वरना एक बड़ा हादसा हो जाता। यह पूरी तरह से साजिश थी।

ट्रंप ने कहा कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इसके बाद जब ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय 80वें सत्र को संबोधित करने के लिए मंच पर चढ़े तो टेलीप्रॉम्प्टर खराब हो गया। ट्रंप ने बिना टेलीप्रॉम्पटर के 57 मिनट का भाषण दिया। हालांकि, 15 मिनट बाद टेलीप्रॉम्पटर फिर से काम करने लगा। उन्होंने कहा, अच्छी बात यह है कि भाषण को शानदार समीक्षाएं मिली हैं। शायद लोग इस बात की कद्र करते हैं कि बहुत कम लोग वह कर सकते थे जो मैंने किया। तीसरी बात ट्रंप ने कहा कि उन्हें अपना भाषण समाप्त करने के बाद बताया गया कि महासभा के सभागार में ध्वनि पूरी तरह बंद थी और विश्व के नेता कुछ भी सुन नहीं पा रहे थे, सिवाय दुभाषिए के ईयरपीस के उपयोग के।

उन्होंने कहा कि जब भाषण समाप्त करने के बाद उन्होंने मेलानिया से पूछा, मैंने कैसा किया तो उन्होंने कहा, मैंने आपकी एक भी बात नहीं सुनी। ट्रंप ने कहा कि ये घटनाएं महज संयोग नहीं थीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र में 'तिहरी साजिश' थीं और इस संस्था को खुद पर शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं इस पत्र की एक प्रति संयुक्त राष्ट्र महासचिव को भेज रहा हूं, और मैं तत्काल जांच की मांग करता हूं। इसमें हैरानी नहीं है कि संयुक्त राष्ट्र वह काम नहीं कर पाया जिसके लिए इसे स्थापित किया गया था।

ट्रंप ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र को संबोधित किया। फाइल फोटो

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर 'द लंदन टाइम्स' की एक खबर का जिक्र करते हुए अपना मजाक बनाने का आरोप भी लगाया। खबर में बताया गया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति के आगमन को लेकर संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों ने मजाक में कहा था कि वे एस्केलेटर और लिफ्ट बंद कर कर सकते हैं और राष्ट्रपति को यह बता सकते हैं कि उनके पास पैसे खत्म हो गए हैं, इसलिए उन्हें सीढ़ियों से ऊपर जाना होगा।

मेरा मजाक बनाया गया

पूर्व राष्ट्रपति का अपमान

व्हाइट हाउस : प्रेसिडेंशियल वॉक ऑफ फेम में जो बाइडेन की जगह लगाया गया पेन का फोटो

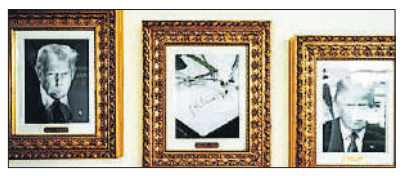

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्रपति निवास व्हाइट हाउस में एक नए 'प्रेसिडेंशियल वॉक ऑफ फेम' गैलरी अनावरण किया। इसमें अमेरिका के अब तक सभी राष्ट्रपतियों के छायाचित्र हैं लेकिन पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन का चित्र नहीं लगाया गया है।

इस निवास के वेस्ट विंग कोलोनेड में एक दीवार पर सुनहरे फ्रेम में प्रदर्शित ये छायाचित्र पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन से शुरू होते हैं और मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप तक के हैं लेकिन ट्रंप के पूर्ववर्ती बाइडेन का छायाचित्र नहीं लगा है बल्कि उस जगह पर हस्ताक्षर करते हुए एक ऑटोमेटिक पेन का फोटो लगाया गया है। गौरतलब है कि बाइडेन के आलोचकों का आरोप है कि वे खुद सरकार का कामकाज नहीं चलाते थे और उनकी जगह कोई और ही अमेरिका की कमान संभाले हुए था। इसमें आगे यह भी कहा जाता है कि बाइडेन केवल दस्तखत करते थे। पिछले राष्ट्रपति चुनाव में बाइडेन ने ट्रंप को पटखनी दे दी थी मगर इस बार ट्रंप ने वापसी की, हालांकि इस बार उनके सामने बाइडेन के बजाय भारतीय मूल की कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटस की उम्मीदवार थीं। इस महीने की शुरुआत में ट्रंप ने पत्रकारों से कहा था, मुझे लगता है कि उन्होंने जिस एकमात्र दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए थे या जिन कुछ दस्तावेज़ों पर उन्होंने हस्ताक्षर किए थे, उनमें से एक उनके बेटे के लिए क्षमादान था। ऑटोपेन का "अवैध रूप से इस्तेमाल किया गया था।

कश्मीर भारत-पाकिस्तान का मामला दखल देने में रुचि नहीं : अमेरिका

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- अमेरिकी विदेश विभाग ने किया भारत के रुख का समर्थन, कहा- हमारे पास और कई मसले रहे हैं। हमें भारत और पाकिस्तान के बीच दखल देने में कोई रुचि नहीं है।

अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच का सीधा मुद्दा है और अमेरिका की इस मामले में दक्षिण एशिया के दो पड़ोसियों के बीच दखल देने में कोई रुचि नहीं है।

विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि यह अमेरिका की दीर्घकालिक नीति है कि कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच का सीधा मुद्दा है। हालांकि अधिकारी ने कहा कि यदि अमेरिका से किसी मुद्दे पर सहयोग मांगा जाता है तो वह मदद के लिए तैयार है। अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने पर्याप्त मसले हैं और हम कश्मीर मुद्दे को भारत और पाकिस्तान पर छोड़ संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रुकवाया है। विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी कहा कि यह सच है कि अमेरिका उस संकट में शामिल था और उसने निश्चित रूप से युद्ध विराम कराने में मदद की थी। भारत का कहना है कि वह आतंकवाद जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ अपनी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष को शामिल नहीं करना चाहता, क्योंकि उसका मानना है कि ये द्विपक्षीय ही रहने चाहिए।

ट्रंप और मोदी में सकारात्मक संबंध, जल्द ही मिलेंगे दोनों

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बहुत बहुत सकारात्मक संबंध हैं और दोनों नेताओं की मुलाकात होगी। अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने यह कहते हुए रेखांकित किया कि अगली क्वाड शिखर बैठक इस वर्ष के अंत या अगले वर्ष कराने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

भारत इस बार क्वाड शिखर बैठक में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के नेताओं की मेजबानी करेगा। विदेश विभाग के अधिकारी ने कहा, जहां तक आगामी बैठक की बात है, मैं राष्ट्रपति की ओर से कोई भी घोषणा पहले से नहीं करना चाहता, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि आप मोदी और ट्रंप की मुलाकात होते हुए देखेंगे। अधिकारी ने कहा, हम क्वाड शिखर बैठक की योजना पर काम कर रहे हैं। यह किसी न किसी समय होगी, यदि इस वर्ष नहीं तो अगले साल की शुरुआत में होगी। तारीख तय करने पर काम चल रहा है। उन्होंने अमेरिका-भारत के बीच वर्तमान सम्पर्क को अत्यंत उपयोगी बताया।

चाबहार और एच-1 बी वीजा पर दी सफाई

अधिकारी ने कहा कि अमेरिका भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण साझेदार मानता है। उन्होंने पुष्टि की कि अमेरिका ने ईरान स्वतंत्रता एवं प्रसार रोधी कानून के तहत दी गई छूटों को समाप्त कर दिया है। इसके तहत अफगानिस्तान में पुनर्निर्माण कार्यों के अंतर्गत चाबहार बंदरगाह के उपयोग की भारत को दी गई छूट वापस ले ली गई हैं। अधिकारी ने कहा, ट्रंप ईरान पर अधिकतम दबाव की नीति वाले अभियान पर लौट रहे हैं, इसी कारण न केवल भारत बल्कि सभी देशों के लिए चाबहार बंदरगाह तक पहुंच की अनुमति रद्द कर दी गई है। एच1बी वीजा पर कहा कि अमेरिका इस मुद्दे पर भारत के साथ सम्पर्क बनाए हुए है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमें अब तक कोई खास आपत्ति नहीं मिली है। देखेंगे कि यह कैसे चलता है।

अमेरिका के विरोध के बावजूद दुनिया वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने पर दे पूरा ध्यान

बीजिंग, एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि अमेरिकी विरोध के बावजूद दुनिया को वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और एनडीसी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। शी ने चीन के नए लक्ष्य का भी एलान किया जिसके तहत वर्ष 2035 तक उत्सर्जन में सात से 10 फीसदी की कटौती की जाएगी।

शी ने बुधवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा, चीन 2035 तक अपनी अर्थव्यवस्था में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को उसके चरम स्तर से सात से 10 प्रतिशत तक कम कर देगा तथा बेहतर करने के लिए प्रयासरत है। चीन सबसे बड़ा कार्बन प्रदूषण फैलाने वाला देश है, जिसके बाद अमेरिका का स्थान है। शी ने कहा कि चीन कुल ऊर्जा खपत में गैरजीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक तक बढ़ाएगा, पवन और सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता को 2020 के स्तर से छह गुना से अधिक तक करेगा, वन क्षेत्र को 24 अरब घन मीटर से अधिक बढ़ाएगा और वाहनों की बिक्री में नवीन ऊर्जा संचालित वाहनों को मुख्यधारा में लाएगा। शी ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा, हरित और कम कार्बन उत्सर्जन आज के समय का चलन है। लेकिन कुछ देश इसके खिलाफ काम कर रहे हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सही दिशा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

- शी जिनपिंग ने किया आह्वान, चीन के नए लक्ष्य की भी की घोषणा

स्लोवेनिया में नेतन्याहू के प्रवेश पर लगी रोक

लजुब्लजाना। स्लोवेनिया ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय कानून के अपने संरक्षण को रेखांकित करने के लिए इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के यूरोपीय संघ के देश में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा रहा है।

एसटीए समाचार एजेंसी के अनुसार विदेश मंत्रालय की अधिकारी नेवा ग्रासिक ने कहा कि यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा इजराइली प्रधानमंत्री के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट से जुड़ा है। लगभग 20 लाख की आबादी वाला यूरोपीय संघ का यह राष्ट्र गाजा में इजराइली कार्रवाइयों का मुखर आलोचक रहा है।

वैश्विक कार्यबल की जरूरत से बच नहीं सकती दुनिया

आव्रजन और टैरिफ पर ट्रंप के सख्त रुख के बीच न्यूयॉर्क में बोले जयशंकर

न्यूयॉर्क, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि आज की बदलती दुनिया को वैश्विक कार्यबल की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र इस वास्तविकता से बच नहीं सकते कि राष्ट्रीय जनसांख्यिकी के कारण कई देशों में वैश्विक कार्यबल की मांग पूरी नहीं की जा सकती।

उनकी यह टिप्पणी व्यापार और शुल्क चुनौतियों के साथ-साथ आव्रजन पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख के बीच आई है, जिसमें एच-1बी वीजा पर 100,000 अमेरिकी डॉलर का नया शुल्क भी शामिल है, जो मुख्य रूप से भारतीय पेशेवरों को प्रभावित करता है। भारतीय इन अस्थायी कार्य वीजा के लाभार्थियों में अधिसंख्यक हैं। बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'एट द हार्ट ऑफ डेवलपमेंट: एड, ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी' को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक ऐसे वैश्विक कार्यबल के निर्माण का आह्वान किया जो अधिक स्वीकार्य, समकालीन और कुशल हो और जिसे फिर एक विकेन्द्रित, वैश्विक कार्यस्थल में स्थापित किया जा सके।

न्यूयॉर्क में आयोजित कार्यक्रम में बोलते जयशंकर।

- ओआरएफ के कार्यक्रम में विदेशमंत्री बोले-कई देश अपने दम पर पूरी नहीं कर सकते ये जरूरत

उन्होंने कहा, उस वैश्विक कार्यबल को कहां रखा जाए और उसकी तैनाती कहां हो, यह एक राजनीतिक बहस का विषय हो सकता है। लेकिन इससे बचा नहीं जा सकता। अगर आप मांग और जनसांख्यिकी को देखें, तो कई देशों में सिर्फ उनकी राष्ट्रीय जनसांख्यिकी के आधार पर मांग पूरी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, यह एक वास्तविकता है। आप इस वास्तविकता से भाग नहीं सकते।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 सितंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 09.33 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

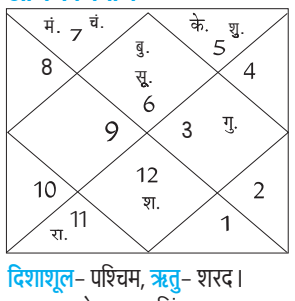

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- विशाखा 22.09 तक तत्पश्चात अनुराधा।

मेष — आज सभी कार्य योजनाबद्ध तरीके से करें। पैतृक व्यापार में उच्च आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। करियर को लेकर अत्यंत सकारात्मक रहेंगे। मित्रों के साथ संपर्क और मजबूत होगा। वैवाहिक जीवन को लेकर अत्यधिक आशावान रहेंगे।

वृष — आज व्यर्थ के कार्यों में अपना समय बर्बाद न करें। बाहर का भोजन करने से बचें। सहकर्मियों के साथ झड़प हो सकती है। प्रतिद्वंद्वी आपको अपमानित करने का प्रयास कर सकते हैं। अपने क्रोध पर नियंत्रण पाने का प्रयास करें।

मिथुन — आज मार्केटिंग से जुड़े कार्यक्षेत्र में लाभ के अवसर बढ़ेंगे। भावुकता में कार्य बिगड़ सकते हैं। उच्च अधिकारियों के साथ संबंध खराब न करें। लोग चिकनी-चुपड़ी बातें करके आपको बहकाने का प्रयास कर सकते हैं।

कर्क — आज कुसंगति से पड़ने की संभावना बन रही है। प्रेम-संबंधों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। जिम्मेदारियों के कारण आप थोड़े असहज हो सकते हैं। पति-पत्नी आपसी संवाद में कमी न आने दें।

सिंह — आज अपने व्यवहार को लेकर संयमित रखना चाहिए। अवसरों का अच्छा लाभ उठा पाएंगे। कार्यक्षेत्र की समस्याओं का निराकरण होगा। आपको मार्गदर्शकों का सहयोग लेना पड़ सकता है। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

कन्या — आज जल्दबाजी के कारण आपको कार्यों में नुकसान हो सकता है। विवादित मामलों में प्रतिक्रिया न दें। कारोबार में अपेक्षित लाभ नहीं मिलेगा। जीवन में कुछ परिवर्तन ला सकते हैं। उदासी और डिप्रेशन वाले विचार आपको परेशान कर सकते हैं।

तुला — आज नौकरीपेशा लोग अपने लक्ष्यों को सरलता से प्राप्त कर लेंगे। रिश्तेदारों के घर जाना पड़ सकता है। आपको लोग अत्यधिक सम्मान की दृष्टि से देखेंगे। समाज में संबंधियों के मध्य आपका वर्चस्व बढ़ेगा।

वृश्चिक — आज नई जॉब ढूंढ रहे हैं तो सफलता मिलने में अभी और देर लग सकती है। गृहस्थ जीवन में शांति का वातावरण रहेगा। सहयोगियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। किसी को उधार न दें, वरना धन का नुकसान झेलना पड़ेगा।

धनु — आज प्रगति के मार्ग में आ रही बाधाएं दूर होंगी। प्राइवेट नौकरी कर रहे जातकों की आय में वृद्धि होगी। व्यापार में कुछ अप्रत्याशित स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। गृहस्थ जीवन में सुख की अनुभूति करेंगे। छोटे कर्मचारियों की अवहेलना न करें।

मकर — आज आपको लोगों से प्रशंसा सुनने को मिलेगी। शेयर मार्केट से आपको काफी अच्छा धन-लाभ प्राप्त होगा। घरेलू समस्याओं को लेकर तनाव में हो सकते हैं। आपको कार्यक्षेत्र में कुछ नया सीखने के अवसर प्रदान करेगा।

कुंभ — आज थोड़ी सी सुस्ती आपकी कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती है। प्रेमीजन आपसे किसी उपहार की मांग कर सकता है। विद्यार्थियों को अधिकारियों से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अनेक अधूरे कार्यों को आप पूर्ण करने का प्रयास करेंगे।

मीन — आज बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाई होगी। रिलेशनशिप से जुड़े मामलों को लेकर संवेदनशील रहेंगे। अपनी गलतियों को दूसरों के ऊपर न थोपें। लोग आपसे अत्यधिक अपेक्षा रख रहे हैं, जिसका दबाव आपके ऊपर देखने को मिलेगा।

सुडोकू-111

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

8			1				2	
7		4		2		1		6
		6			3		9	
	2	1		4		5		
		7		8		6	4	
	7		5			8		
5		3		1				7
	6				9			4

सुडोकू - 110 का हल

9	2	1	5	3	7	4	8	6
3	8	7	6	9	4	2	1	5
4	6	5	2	1	8	7	3	9
7	4	8	9	6	3	1	5	2
1	5	3	7	8	2	9	6	4
2	9	6	1	4	5	3	7	8
8	7	4	3	2	6	5	9	1
5	1	2	8	7	9	6	4	3
6	3	9	4	5	1	8	2	7

बुमराह वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों मैच खेलना चाहते हैं। यह टीम दोनों टेस्ट के लिए है और वह दोनों खेलेंगे। इंग्लैंड दौरे के बाद अच्छा ब्रेक मिल चुका है और वह पांचवां टेस्ट नहीं खेले थे। एक महीने या पांच सप्ताह का ब्रेक हो चुका है।
-अजित अगरकर

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार 26 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारतीय महिला टीम जीत के प्रति आश्वस्त

नई दिल्ली : भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना का कहना है कि पिछले टी20 विश्व कप के बाद से महिला टीम में सबसे बड़ा बदलाव यही आया है कि अब हर खिलाड़ी खुद को एक मैच विजेता मानती है। उनका कहना है कि यह बदलाव फिटनेस और तैयारी पर अधिक ध्यान देने से आया है। भारतीय टीम आने वाले हफ्ते में महिला विश्व कप नहीं जीत पाने के मिथक को तोड़ना चाहेगी और 30 सितंबर को गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

स्मृति मंधाना।

अभ्यास मैच में इंग्लैंड ने भारत को हराया

बेंगलुरु : कप्तान नैट सिवर ब्रंट की शतकीय पारी से इंग्लैंड ने महिला वनडे विश्व कप के अभ्यास मैच में बृहस्पतिवार को यहां भारत को 153 रन से करारी शिकस्त दी। सिवर ब्रंट 120 रन की पारी खेलने के साथ चौथे विकेट के लिए एम्मा लैंब के साथ 173 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड ने 50 ओवर में नौ विकेट पर 340 रन बनाने के बाद भारत को 34 ओवर में महज 187 रन पर आउट कर दिया।

रेड्डी के चोटिल होने से महिला टीम को झटका

बेंगलुरु : महिला विश्व कप से पहले भारत को करारा झटका लगा जब बृहस्पतिवार को इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी चोटिल हो गईं। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स को आउट करने वाली इस तेज गेंदबाज ने 13वें ओवर में हीथर नाइट की गेंद पर रिटर्न कैच लेने की कोशिश की, पर गेंद उनके बाएं पैर पर लग गई जिसके बाद वह जमीन पर गिर गईं।

योद्धाज (सफेद) और बेंगलुरु बुल्स के खिलाड़ी। एजेंसी

यूपी योद्धाज की लगातार दूसरी जीत

जयपुर : यूपी योद्धाज ने भवानी राजपूत और गगन गौड़ा के दम पर गुरुवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 49वें मैच में बेंगलुरु बुल्स को टाई ब्रेकर में 6-5 से हरा दिया। आज यहां सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले गए मैच में निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच स्कोर 36-36 से बराबर पर रहा। इसके बाद मुकाबला टाई ब्रेकर में चला गया, जहां यूपी योद्धाज ने रोमांचक जीत दर्ज कर ली। बेंगलुरु को इस सीजन में टाई ब्रेकर में अपने दोनों ही मैचों में हार मिली है। यूपी योद्धाज की इस सीजन मे आठ मैचों में यह चौथी जीत है और टीम के अब आठ अंक हो गए हैं। वहीं, बेंगलुरु बुल्स को 10 मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा है।

वेस्टइंडीज से टेस्ट शृंखला में बुमराह खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

- चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू शृंखला के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। जबकि देवदत्त पडिक्कल ने खराब फॉर्म से जूझ रहे करुण नायर की जगह ली।

कार्यभार प्रबंधन के कारण इंग्लैंड में पांच में से तीन ही टेस्ट खेल सके बुमराह ने दो अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू हो रही शृंखला के लिए खुद को उपलब्ध बताया है। रविंद्र जडेजा को शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम का उपकप्तान बनाया गया है। दूसरा मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा।

टीम

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, एन जगदीशन, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव।

चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने कहा बुमराह वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों मैच खेलना चाहते हैं। हम उसके लिए सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं, लेकिन टीम सर्वोपरि है। बड़े टूर्नामेंट आने वाले हैं तो हमें एहतियात बरतनी होगी। नियमित उपकप्तान ऋषभ पंत अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं और चयन के लिए उपलब्ध नहीं है। अगरकर ने कहा उम्मीद है कि वह नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला तक उपलब्ध हो जाएगा। विकेटकीपर ध्रुव जुरेल और एन जगदीशन को टीम में रखा गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में दो टेस्ट कोलकाता और गुवाहाटी में 14 नवंबर से 26 नवंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद तीन वनडे और पांच टी20 मैच होंगे। दक्षिण अफ्रीका का दौरा 19 दिसंबर को आखिरी टी20 के साथ खत्म होगा।

देवदत्त पडिक्कल पर जताया भरोसा

अगरकर ने कहा पडिक्कल टेस्ट टीम में रहे हैं। हमने इंग्लैंड में करुण से बेहतर की उम्मीद की थी। पडिक्कल आस्ट्रेलिया में टेस्ट टीम में थे और इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में अर्धशतक लगाया था। पिछले तीन चार साल से टीम के साथ लगातार दौरा कर रहे ईश्वरन को अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला है और अब तो वह टीम से भी बाहर हैं। अगरकर ने कहा कि इस फैसले के पीछे बहुत कुछ पढने की जरूरत नहीं है। अगले एक साल विदेश दौरा नहीं करना है लिहाजा ईश्वरन का टेस्ट पदार्पण मुश्किल ही लग रहा है।

फाइनल से पहले अंतिम तैयारियों को परखना चाहेगी टीम इंडिया

एशिया कप : सुपर 4 चरण में श्रीलंका के खिलाफ मुकाबला आज

दुबई, एजेंसी

भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार को एशिया कप सुपर 4 चरण के आखिरी और बेमानी मुकाबले में अपनी अंतिम तैयारियों को परखने के लिए उतरेगी। मध्यक्रम में संजू सैमसन की असफलता मुख्य कोच गौतम गंभीर की चिंता का सबब होगी। जितेश शर्मा को आजमा सकता है।

भारत की बांग्लादेश पर जीत के साथ ही श्रीलंका फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया जिसे सुपर 4 में बांग्लादेश और पाकिस्तान ने भी हराया था। पूरी संभावना है कि रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल मुकाबला खेला जायेगा। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में सैमसन फिट होते नहीं दिख रहे। भारतीय टीम के लिए चिंता का दूसरा कारण टूर्नामेंट में अभी तक दस कैच छूटना भी है, जिनमें से पांच बांग्लादेश के खिलाफ छूटे।

बड़े मैचों में इस तरह की कोताही की गुंजाइश नहीं रहती और स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने भी स्वीकार किया कि इस विभाग में सुधार करना होगा। चक्रवर्ती की गेंदों पर भी कई कैच छूटे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ दो विकेट लेने वाले चक्रवर्ती ने कहा इस स्तर पर कोई बहाना नहीं बनाया जा सकता। एक टीम के रूप में हमें सारे कैच लपकने ही होंगे। हम फाइनल में पहुंच गए हैं और कैच नहीं टपकाए जा सकते। वैसे उन्होंने क्षेत्ररक्षकों का बचाव किया क्योंकि दुबई स्टेडियम की फ्लडलाइट ऊंचे टावर पर नहीं है और फुटबॉल स्टेडियम की लाइट जैसी लगती है। चक्रवर्ती ने कहा वैसे 'रिंग आफ फायर' से बाधा पहुंचती है क्योंकि यह कभी कभी सीधे आंख पर आती है । हमें इसकी आदत डालनी होगी। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में सैमसन को बल्लेबाजी में शीर्ष सात में भी नहीं उतारा गया और अब सवाल उठता है कि अगर वह अक्षर पटेल के पहले भी आने के लायक नहीं हैं तो टीम में क्या कर रहे हैं। चौथे नंबर पर शिवम दुबे को उतारना समझ में आता है क्योंकि कलाई के स्पिनरों को वह बखूबी खेलते हैं पर मध्यक्रम में बायां. दायां संयोजन रखने के लिये यह सही नहीं था। हार्दिक पांड्या को उनसे पहले बाएं हाथ के दो बल्लेबाजों तिलक वर्मा और अक्षर के साथ भेजा गया। फील्डिंग कोच रियान टेन डोइशे ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले कहा था संजू अभी देख रहा है कि पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कैसे करनी है। ऐसी भी संभावना है कि सैमसन को श्रीलंका के खिलाफ औपचारिकता के मैच में तीसरे नंबर पर उतारा जाए।

कप्तान सूर्यकुमार यादव।

समय रात 8 बजे से

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

श्रीलंका : चरित असलंका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, जेनिथ लियानगे, चमिका करुणारत्ने, दुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

हमारे बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों से निपटने में सक्षम

दुबई : श्रीलंका के बल्लेबाजी कोच थिलिना कंदाम्बी का मानना है कि उनके बल्लेबाजों को शुक्रवार को यहां होने वाले एशिया कप के औपचारिकता वाले मैच में भारत के स्पिन आक्रमण से निपटने के लिए सकारात्मक मानसिकता के साथ खेलना होगा। श्रीलंका सुपर चार चरण में दो हार के साथ पहले ही फाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है जबकि भारत ने रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल की स्पिन तिकड़ी ने टूर्नामेंट में अब तक बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किलें खड़ी की हैं। कंदाम्बी ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा हमने इस बारे में चर्चा की है पर हमारे खिलाड़ी नियमित रूप से स्पिन खेल रहे हैं। वे जानते हैं कि बि कैसे संभालना है।

सूर्यकुमार यादव आईसीसी की आधिकारिक सुनवाई में हुए शामिल

दुबई : भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव गुरुवार को मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) सुनवाई में शामिल हुए। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद आज यह सुनवाई हुई। इस दौरान भारतीय क्रिकेट क्रंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सीओओ हेमंग अमीन और क्रिकेट संचालन प्रबंधक सुमीत मल्लापुरकर भी सूर्यकुमार यादव के साथ थे। सुनवाई के दौरान सूर्यकुमार यादव को आधिकारिक चेतावनी दी गई है। भारतीय कप्तान पर जुर्माना या एक डिमेरिट अंक लगने की संभावना है। बीसीसीआई ने भारत के साथ सुपर चार मैच के दौरान भडकाऊ इशारे को लेकर पाकिस्तान के क्रिकेटरों हारिस रउफ और साहिबजादा फरहान के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। इस मामले पर शुक्रवार को सुनवाई होनी है।

बांग्लादेश के परवेज हसन के आउट होने के बाद पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी (दाएं) टीम के साथ जश्न मनाते हुए। एजेंसी

बांग्लादेश को हराकर पाकिस्तान एशिया कप के फाइनल में पहुंचा

- भारत से 28 सितंबर को होगा खिताबी मुकाबला
- रऊफ और शाहीन शाह अफरीदी ने तीन-तीन विकेट लिए

दुबई, एजेंसी

निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी पारियों के बाद शानदार गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान ने एशिया कप टी-20 सुपर चार चरण के करो या मरो मैच में बांग्लादेश को 11 रन से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। पाकिस्तान के सामने फाइनल में भारत की चुनौती होगी।

एशिया कप के इतिहास में यह पहली बार है जब खिताबी मुकाबले में दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीम आमने-सामने होगी। एशिया कप के इस सत्र में दोनों टीमों के बीच दो मैचों में भारत ने एकतरफा जीत दर्ज की है। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 135 रन बनाने के बाद बांग्लादेश को नौ विकेट पर 124 रन पर रोक दिया। पाकिस्तान के लिए शाहीन शाह अफरीदी ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए। हारिस रऊफ को भी तीन सफलता मिली जबकि सईम अयूब ने दो और मोहम्मद नवाज ने एक विकेट लिया। बांग्लादेश के लिए शमीम हुसैन ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 का आंकड़ा पार करने में नाकाम रहा। तस्कीन अहमद (28 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में बांग्लादेश के गेंदबाजों में मैच शुरुआती 12 ओवर में पूरी तरह से शिकंजा कसे रखा। लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने 18 रन देकर दो जबकि महेदी हसन ने 28 रन देकर दो विकेट लिए। पाकिस्तान की टीम 11वें ओवर में 49 रन पर पांच विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी और ऐसा लग रहा था कि टीम 100 के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पायेगी। मोहम्मद हारिस (23 गेंद में 31), शाहीन (13 गेंद में 19) और नवाज (15 गेंद में 25) ने उपयोगी पारियों के साथ टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। छोटे लक्ष्य का बचाव करते हुए शाहीन ने पहले ओवर में ही परवेज हुसैन इमॉन को खाता खोले बगैर डीप मिडविकेट पर नवाज के हाथों कैच करा पाकिस्तान को शानदार शुरुआत दिलाई। शानदार लय में चल रहे सैफ हसन ने फहीम अशरफ और हारिस रऊफ के खिलाफ छक्के जड़कर दबाव कम करने की कोशिश की। लेकिन पाकिस्तानी गेंदबाजों के सामने बांग्लादेश की एक न चली।

पाकिस्तान

135/8 (20 ओवर)

साहिबजादा का रिशाद बो तस्कीन	04
फखर जमां का तंजीम बो रिशाद	13
सईम अयूब का रिशाद बो महेदी	00
आगा का जाकीर बो मुस्ताफिजूर	19
हुसैन तलत का हसन बो रिशाद	03
मोहम्मद हारिस का एवं बो महेदी	31
अफरीदी का जाकीर बो तस्कीन	19
नवाज का इमॉन बो तस्कीन	25
फहीम अशरफ नाबाद	14
हारिस रऊफ नाबाद	03

गेंदबाजी : तस्कीन 4-0-28-3, महेदी 4-0-28-2, तनजीम 4-0-28-0, मुस्ताफिजूर 4-0-33-1, रिशाद 4-0-18-2

बांग्लादेश

124/9 (20 ओवर)

सैफ हसन का सईम बो शाहीन	18
परवेज हसन का नवाज बो शाहीन	00
तौहिद हृदय का सईम बो शाहीन	05
महेदी हसन का तलत बो नवाज	11
नुरुल हसन का नवाज बो सईम	16
शमीम हुसैन का तलत बो शाहीन	30
जाकीर अली का नवाज बो सईम	05
तनजीम हसन साकिब बो रऊफ	10
रिशाद हुसैन नाबाद	16
तस्कीन अहमद बो रऊफ	04
मुस्ताफिजूर रहमान नाबाद	06

गेंदबाजी : शाहीन 4-0-17-3, रऊफ 4-0-33-3, अबरार 3-0-23-0, नवाज 3-0-14-1, अयूब 4-0-16-2

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी

उद्घाटन समारोह के दौरान कलाकार प्रस्तुति देते हुए। एजेंसी

भारत ने बृहस्पतिवार को 12वीं विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के उद्घाटन के अवसर पर एक रंगारंग कार्यक्रम के दौरान अपनी सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया। यह इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी पैरा चैंपियनशिप है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार से शुरू होकर नौ दिन तक चलने वाली इस चैंपियनशिप की शुरुआत की घोषणा की जिसमें 104 देशों के लगभग 2200 पैरा एथलीट भाग लेंगे।

लगभग एक घंटे 45 मिनट तक चले समारोह के अंत में मांडविया ने कहा मैं विश्व पैरा एथलेटिक्स 2025 के उद्घाटन की घोषणा करता हूं। उद्घाटन से पहले खिलाड़ियों की परेड और 45 मिनट का सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। 104 देशों के एथलीट और अधिकारी जेएलएन स्टेडियम के वीआईपी क्षेत्र के सामने बनाए गए मंच पर बैठे गणमान्य व्यक्तियों के पास से गुजरे। ध्वजवाहक धर्मबीर नैन और प्रीति पाल के नेतृत्व में लगभग 10 भारतीयों ने परेड में भाग लिया। दिल्ली के डांस ग्रुप 'वी आर वन' ने मशहूर 'जय हो' गीत पर प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के एक भाग में भांगड़ा नृत्य और मृदंग के साथ मणिपुरी पुंग चोलोम का प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक संदेश भेजा जिसे खेल सचिव हरि रंजन राव ने पढ़ा। संदेश में कहा भारत को पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करने पर गर्व है। ऐसे समय में जब हमारे देश को खेल और समावेशी राष्ट्र के रूप में मान्यता मिल रही है, इतना बड़ा टूर्नामेंट बहुत सम्मान की बात है।

चोटिल अल्काराज ने सेबेस्टियन बाएज को हराया

टोक्यो : विश्व के नवंबर टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने गुरुवार को जापान ओपन टेनिस के पहले दौर में अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज को 6-4, 6-2 से हराकर एक भयावह चोट के डर को मात दी। एरियाके कोलोसियम में खेले गये मुकाबले में उस समय सन्नाटा छा गया जब स्पेन के दिग्गज अल्काराज मैच के 20 मिनट बाद दर्द से कराहते हुए पीठ के बल गिर पड़े और उनका सिर और बायां टखना दोनों ही चोटिल हो गए। उन्हें चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पड़ी। लेकिन छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने न केवल पहला सेट जीता, बल्कि बारिश के कारण देरी के बाद भी अर्जेंटीना के अपने प्रतिद्वंद्वी को मात दी। वे चिकित्सा सहायता के लिए बेंच पर गए और वापसी करने में कामयाब रहे। और उन्होंने जीत हासिल की।

मुकाबला | कानपुर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होगी तीन वनडे मैचों की शृंखला

श्रेयस अय्यर को मिली भारत ए की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ कानपुर में 30 सितंबर से होने वाली तीन मैचों की वनडे शृंखला के लिए भारत ए का कप्तान बनाया गया है। लेकिन कमर की तकलीफ के कारण वह अगले छह महीने लाल गेंद के क्रिकेट से दूर रहेंगे।

तीस वर्ष के अय्यर ने हाल ही में बीसीसीआई चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर को बताया है कि वह कमर की तकलीफ के कारण लाल गेंद का क्रिकेट नहीं खेल सकते। भारत ए टीम में स्पिनर रवि बिश्नोई, विकेट कीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह, हरफनमौला रियान पराग और आयुष बडोनी शामिल हैं। एशिया कप सुपर 4 में पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक बनाने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा, तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह दूसरे (तीन अक्टूबर) और तीसरे मैच (पांच अक्टूर) के लिए भारत ए टीम से जुड़ेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम का ऐलान करते हुए अगरकर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे टीम के कप्तान को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई, लेकिन भारत ए शृंखला से अय्यर को अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा।

अगरकर ने कहा हम चाहते हैं कि श्रेयस अय्यर खेलें और अच्छा खेलें। ऐसा नहीं है कि वह पहले भारत ए के कप्तान नहीं रहे हैं। उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी की भी शानदार कप्तानी की है और भारत ए की कप्तानी से हमें आंकने का मौका मिलेगा। हमने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे कप्तानी (अक्टूबर में) पर कोई बात नहीं की है। अय्यर ने लाल गेंद से क्रिकेट से अलग होने के अपने फैसले से बीसीसीआई को अवगत करा दिया है।

30 सितंबर से शुरू होगी तीन मैचों की वनडे शृंखला, 3 और 5 अक्टूबर को होगा अगला मुकाबला

पहले वनडे के लिए भारत ए टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधू, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, प्रियांश आर्य, सिमरजीत।

रजत पाटीदार होंगे विदर्भ के कप्तान

चयनकर्ताओं ने रजत पाटीदार को विदर्भ के खिलाफ एक अक्टूबर से शुरू होने वाले ईरानी कप मैच में शेष भारत का कप्तान बनाया गया है। पाटीदार ने इस महीने की शुरूआत में दलीप ट्रॉफी में मध्य क्षेत्र के लिये दो शतक और दो अर्धशतक लगाए। टीम में अभिमन्यु ईश्वरन, रूतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं।